हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

दिलीप ट्रॉफी अगले माह शुरु होगी, रुतुराज...

www.naisochlive.com | पटना, गुरुवार, 23 जुलाई 2026, वर्ष- 09, अंक- 149, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

राष्ट्रपति मुर्मु ने स्कोप्जे में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण कर कहा, बापू का संदेश आज अधिक प्रासंगिक

एजेंसी। स्कोप्जे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को उत्तर मैसेडोनिया की राजधानी स्कोप्जे में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि संघर्ष, असहिष्णुता और विभाजन से जूझ रही दुनिया में गांधीजी का संवाद, करुणा और शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का संदेश आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। उत्तर मैसेडोनिया की राष्ट्रपति गोर्डाना सिलजानोव्स्का-दावकोवा के साथ स्कोप्जे सिटी म्यूजियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि महात्मा गांधी भारत के थे लेकिन उनका संदेश पूरी मानवता के लिए है। उन्होंने कहा कि गांधीजी का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सत्य और अहिंसा कमजोरी नहीं बल्कि न्याय, गरिमा और स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के शक्तिशाली साधन हैं। उन्होंने कहा कि गांधीजी की प्रतिमा लोगों, विशेषकर युवाओं को घृणा का त्याग करने, मतभेदों का शांतिपूर्ण समाधान खोजने तथा साहस और संवेदनशीलता के साथ समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित करेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि यह प्रतिमा भारत और उत्तर मैसेडोनिया की मित्रता तथा शांति, सहिष्णुता और मानवता के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता का स्थायी प्रतीक बनेगी। इस अवसर पर स्कोप्जे के महापौर ओरसे जॉर्जिएव्स्की, केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभाणिया तथा सांसद दिनेश शर्मा और विजय बघेल भी उपस्थित थे। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मु ने उत्तर मैसेडोनिया की राष्ट्रपति के साथ स्कोप्जे स्थित मदर टेरेसा स्मारक का भी दौरा किया। मदर टेरेसा का जन्म स्कोप्जे में हुआ था और वर्ष 1928 तक उनका बचपन वहीं बीता। बाद में वह आयरलैंड होते हुए भारत आईं। भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 1980 में मानवीय सेवा और निःस्वार्थ योगदान के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया था। राष्ट्रपति मुर्मु तीन देशों के अपने दौरे के अंतिम चरण में गुरुवार को रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट के लिए रवाना होंगी।

वांगचुक अनशन तोड़ने को तैयार

कहा- पुलिस कार्रवाई नहीं किए जाने का आश्वासन मिलने पर तोड़ दूंगा अनशन

एजेंसी। नई दिल्ली

शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को पत्र लिखकर कहा है कि आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं किए का आश्वासन मिलने पर वे अपना अनिश्चितकालीन अनशन तोड़ देंगे। वांगचुक ने अपना यह पत्र एक्स पर साझा किया है। वांगचुक ने पत्र में कहा, "यदि सरकार प्रदर्शन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक या कानूनी कार्रवाई न करने का स्पष्ट आश्वासन देती है, तो वह विश्वास के साथ अपना अनशन समाप्त कर देंगे। वांगचुक ने दोनों केंद्रीय मंत्रियों का अस्पताल आकर उनसे मुलाकात करने और अनशन समाप्त करने की अपील करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान मंत्रियों ने परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देने और संसद में इस मुद्दे पर सार्थक चर्चा कराने सहित शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तथा उनके इस्तीफे पर विचार को लेकर सकारात्मक आश्वासन दिया। वांगचुक ने कहा कि 20 जुलाई को आयोजित संसद मार्च पुलिस की कथित सख्ती और बल प्रयोग के बावजूद पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कानूनी मामला, उत्पीड़न या प्रतिशोधात्मक कार्रवाई नहीं होगी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रियों की मुलाकात के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग 65 सांसदों ने भी उन्हें पत्र लिखकर और व्यक्तिगत रूप से मिलकर अनशन समाप्त करने की अपील की है। वांगचुक ने कहा कि वह देश, छात्रों और शिक्षा के लिए अपना काम जारी रखना चाहते हैं, लेकिन उन युवाओं की कीमत पर नहीं, जिनके लिए यह आंदोलन शुरू किया गया। अन्यथा उन्हें अपना अनशन अनिश्चितकाल तक जारी रखने के लिए विवश होना पड़ेगा।

धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, छात्रों पर कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री माफी मांगें : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने, पेपर लीक मामलों पर जवाबदेही तय न करने और छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 152 से अधिक प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, जिससे 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, छात्रों पर बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से छात्रों से माफी की मांग की। राहुल गांधी ने यहां कांग्रेस नए मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में 20 जुलाई को छात्रों के 'संसद चलो' मार्च और जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन से जुड़े वीडियो और प्रस्तुति दिखाते हुए कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस और सुरक्षाबलों ने बर्बर कार्रवाई की। छात्रों को पीटा गया, घसीटा गया और उनकी जायज मांगों को सुनने के बजाय दमन का रास्ता अपनाया गया। राहुल गांधी ने कहा कि देश में शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है और सरकार छात्रों की समस्याओं के प्रति बिल्कुल संवेदनशील नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार होने वाले पेपर लीक, परीक्षाओं में अनियमितताओं और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी ने करोड़ों युवाओं का भविष्य दांव पर लगा दिया है। इसके बावजूद किसी भी बड़े मामले में दोषियों को सजा नहीं मिली। राहुल गांधी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में 152 से अधिक प्रश्नपत्र लीक हुए हैं। इन घटनाओं का सीधा असर 7.5 करोड़ छात्रों और उनके परिवारों पर पड़ा है।

हमारे पास समय नहीं, न ही हम वीडियो देखना चाहते है समय बर्बाद मत करो

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

सीजेपी प्रोटेस्ट से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) प्रोटेस्ट से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को जब सीजेपी प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के एक्शन का जिक्र हुआ। इस मामले की तुरंत सुनवाई की मांग की गई। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने साफ कहा कि उनके पास अभी वक्त नहीं है। दरअसल, एक वकील ने जंतर-मंतर पर सीजेपी के विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले का जिक्र किया था। सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने सीजेआई की बेंच के आगे सीजेपी प्रदर्शन से जुड़े मामले की सुनवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि मेरे पास सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान दिल्ली पुलिस की बर्बरता से जुड़े वीडियो भी हैं...प्लीज देखिए कि क्या इस मामले को कल लिस्ट किया जा सके। वहां अब भी छात्र मौजूद हैं। इस पर सीजेआई सूर्यकांत न केवल याचिका सुनने से इनकार कर दिया, बल्कि कहा, 'नहीं-नहीं, हमारे पास कल समय नहीं है। हम वीडियो नहीं देखना चाहते। हम समय बर्बाद नहीं करना चाहते। अर्जेंट सुनवाई की रिक्वेस्ट को मानने से इनकार करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हमारा और अपना समय बर्बाद मत करो। इसके बाद वकील ने दलील दी कि स्टूडेंट्स ज़रूरी मुद्दे उठा रहे थे, जिसमें नीट परीक्षा का सही तरीके से होना और एनटीए में सुधार शामिल हैं। हालांकि, बेंच ने मामले पर अर्जेंट सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जब वकील ने प्रोटेस्टर्स के खिलाफ पुलिस एक्शन दिखाने वाले वीडियो का ज़िक्र किया, तो चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें वीडियो में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमारे पास देखने का टाइम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट का यह इनकार दिल्ली हाईकोर्ट के भी प्रोटेस्ट के दौरान पुलिस एक्शन से जुड़ी इसी तरह की एक पिटीशन पर अर्जेंट सुनवाई करने से इनकार करने के एक दिन बाद आया है। बता दें दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोनल जारी है। सीजेपी के नेतृत्व में छात्रों ने सोमवार को नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर संसद मार्च कर प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त समाचार

असम में बाढ़ से 21 लोगों की मौत, कई गांव डूबे, 5.64 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ से पिछले 24 घंटों में 21 और लोगों की मौत हो गई, जबकि राज्य के 16 जिलों में 5.64 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। यह जानकारी एएसडीएमए ने देर रात जारी बुलेटिन में दी। बुलेटिन के मुताबिक सबसे ज्यादा प्रभावित शिवसागर जिले में 13 लोगों की मौत हुई है। चराइदेव में पांच, गोलाघाट में दो और जोरहाट में एक व्यक्ति की जान गई। इसके साथ ही इस साल राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है। सीएम हिमंत विश्वा सरमा ने कहा कि वह बुधवार से बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करेंगे। मीडिया रिपोर्ट में एएसडीएमए के हवाले से बताया गया है कि बाढ़ से गोलाघाट, कामरूप, होजाई, डिब्रूगढ़, बिश्वनाथ, धेमाजी, सोनितपुर, उदालगुड़ी, नगांव, चराइदेव, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, तिनसुकिया, कार्बी आंगलोंग, लखीमपुर और शिवसागर सहित 16 जिलों में 5,64,600 से अधिक लोग प्रभावित हैं। सोमवार को 15 जिलों में प्रभावित लोगों की संख्या 3.63 लाख से ज्यादा थी। बुलेटिन के मुताबिक 44 राजस्व मंडलों के 872 गांव अब भी जलमग्न हैं। सबसे ज्यादा 3,59,535 लोग शिवसागर जिले में प्रभावित हैं। इसके बाद जोरहाट में 87,662 और चराइदेव में 72,646 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं. राज्य में फिलहाल 71 राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 12,284 विस्थापित लोगों को ठहराया है।

नीट पेपर लीक को लेकर राज्यसभा में हंगामा, सरकार बोली- हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को राज्यसभा में नीट पेपर लीक को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। दोपहर बाद कार्यवाही शुरू होने पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार शुरू से ही नीट पेपर लीक सहित हरेक मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार चर्चा के लिए तैयार है तो विपक्ष नारेबाजी कर सदन की कार्यवाही क्यों बाधित कर रहा है। वहीं, सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने भी कहा कि सरकार नीट पेपर लीक समेत हर मुद्दे पर बहस के लिए तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपने विरोध-प्रदर्शन के जरिए सदन की गरिमा का अनादर कर रहा है। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि संसद में निष्पक्ष चर्चा के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। इस पर नियम 267 के तहत चर्चा कराने की माँग की। इस पर उपसभापति हरिवंश ने नियम 267 के तहत दिए गए नोटिसों पर कहा कि इस नियम का इस्तेमाल केवल "दुर्लभ से दुर्लभ" परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए।

युवाओं को राजनीतिक औजार बना रहा विपक्ष, छात्र आकांक्षाओं को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : राजनाथ सिंह

एजेंसी। नई दिल्ली

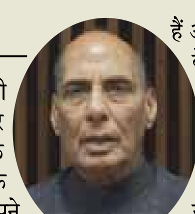

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शनों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। संसद सत्र के दौरान सड़क पर समाधान खोजने का प्रयास अनुचित है। राजनाथ सिंह ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार विद्यार्थियों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। भारत के जागरूक और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को समझते हैं और प्रगति, विकास तथा राष्ट्र निर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा 'बनावटी गुस्से का माहौल' केवल जनता, विशेषकर बच्चों और युवाओं को भ्रमित करने का असफल प्रयास है। युवाओं की भावनाओं और चिंताओं के प्रति सरकार पूरी तरह संवेदनशील है। संसद का सत्र चल रहा है और सरकार ने हर मुद्दे पर सार्थक बहस करने की बात कही है लेकिन विपक्ष सड़क पर समाधान खोजने का अनुचित प्रयास कर रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में मुद्दों पर चर्चा करने की जगह संसद भवन है, जहां विपक्ष अपनी बात कहने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि यदि वे गंभीर हैं तो संसद की कार्यवाही में व्यवधान न उत्पन्न करें और सभी मुद्दों पर संसद में ही देश का ध्यान आकर्षित करें।

देश का 99.6 प्रतिशत ब्रॉडगेज रेल नेटवर्क विद्युतीकृत, रेलवे विद्युतीकरण में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर

एजेंसी। नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि भारतीय रेलवे का 99.6 प्रतिशत ब्रॉडगेज रेल नेटवर्क विद्युतीकृत हो चुका है और इस उपलब्धि के साथ भारत रेलवे विद्युतीकरण के मामले में स्विट्जरलैंड के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। उन्होंने कहा कि शेष रेल मार्गों का भी विद्युतीकरण मिशन मोड में किया जा रहा है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वैष्णव ने बताया कि वर्ष 2014 से 2026 के बीच 48,072 रूट किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया गया, जबकि वर्ष 2014 से पहले करीब 60 वर्षों में 21,801 रूट किलोमीटर का ही विद्युतीकरण हुआ था। उन्होंने कहा कि अब सभी नई रेल लाइन और मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं शुरू से ही विद्युतीकरण के साथ बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय रेल संघ (यूआईसी) की जून 2025 की रिपोर्ट के अनुसार स्विट्जरलैंड का रेल नेटवर्क पूरी तरह विद्युतीकृत है, जबकि भारत का 99.6 प्रतिशत नेटवर्क विद्युतीकृत हो चुका है। इसके मुकाबले चीन का 82 प्रतिशत, स्पेन का 67 प्रतिशत, जापान का 64 प्रतिशत, फ्रांस का 60 प्रतिशत और ब्रिटेन का 39 प्रतिशत रेल नेटवर्क विद्युतीकृत है। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे के विद्युतीकरण से डीजल पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आई है। रेलवे में ट्रैक्शन (गाड़ी चलाने) के लिए डीजल की खपत वर्ष 2015-16 के 293 करोड़ लीटर से घटकर वर्ष 2024-25 में 108 करोड़ लीटर रह गई है। इससे 185 करोड़ लीटर डीजल की बचत हुई है, जिससे विदेशी मुद्रा की भी बचत हुई है और कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है। उन्होंने बताया कि नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार एक टन माल को एक किलोमीटर ले जाने पर सड़क परिवहन से 101 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होती है, जबकि रेल परिवहन से केवल 11.5 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है, जो सड़क परिवहन की तुलना में लगभग 89 प्रतिशत कम है। वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा दे रहा है।

चंद्रबाबू नायडू ने संसद भवन में प्रधानमंत्री से की मुलाकात, नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन का दिया निमंत्रण

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें एक अगस्त को प्रस्तावित श्री अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दोनों नेताओं की मुलाकात की जानकारी साझा की। वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बताया कि चंद्रबाबू नायडू ने संसद भवन में प्रधानमंत्री से भेंट के दौरान उन्हें एक अगस्त को आयोजित होने वाले श्री अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया।

उद्धव ठाकरे से मिले केजरीवाल शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से सांसद संजय राउत के आवास पर मुलाकात की। साथ ही उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। बैठक के बाद आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में अरविंद केजरीवाल ने परीक्षा प्रणाली, नीट पेपर लीक और युवाओं के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने उद्धव ठाकरे के साथ देश के मौजूदा मुद्दों, युवाओं के राष्ट्रव्यापी आंदोलन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर देशभर से आए युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित, नाराज और निराश हैं। उन्होंने बताया कि वह मंगलवार को जंतर-मंतर गए थे और बाद में उद्धव ठाकरे ने भी प्रदर्शनकारियों और उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात की। केजरीवाल ने कहा कि पूरी रात कनॉट प्लेस, जनपथ और जंतर-मंतर में अलग-अलग राज्यों से आए युवाओं की भीड़ रही। उन्होंने कहा कि ये बच्चे देश का भविष्य है।

चीन के विदेश मंत्री से मुलाकात में जयशंकर ने उठाया व्यापार संतुलन का मुद्दा, अमेरिकी व रूसी समकक्षों से भी मुलाकात

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बुधवार को चीन, रूस, अमेरिका सहित विभिन्न देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक के दौरान उन्होंने निष्पक्ष बाजार पहुंच, व्यापार संतुलन और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े मुद्दे उठाए। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान अपने शुरुआती वक्तव्य में जयशंकर ने कहा कि आधिकारिक स्तर पर तथा लोगों के बीच संपर्क को सुगम बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही, दोनों देशों की साझा प्राथमिकताओं के अनुरूप विभिन्न तंत्रों और मंचों की बैठकों पर भी सहमति बननी चाहिए। मनीला में आयोजित आसियान संबंधी बैठकों के इतर विदेश मंत्री ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने एक्स पर बताया कि बैठक के दौरान क्षेत्र में भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर भारत की गंभीर चिंता दोहराई गई। दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा, संपर्क, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा लोगों की आवाजाही से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। यूक्रेन संघर्ष और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की। बातचीत में व्यापार एवं टैरिफ, ऊर्जा, रक्षा एवं सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा क्षेत्रीय, वैश्विक और बहुपक्षीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ बैठक में जयशंकर ने दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ रहे सहयोग की समीक्षा की। बातचीत का केंद्र दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा निर्धारित द्विपक्षीय संबंधों के लक्ष्यों को आगे बढ़ाना रहा। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी की हालिया ऑस्ट्रेलिया यात्रा के परिणामों पर चर्चा हुई।

पनडुब्बी रोधी स्वदेशी युद्धपोत 'मालवन' भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

नौसेना की समुद्री सुरक्षा और पनडुब्बी रोधी क्षमता और मजबूत होगी

भारतीय नौसेना ने कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर 'आईएनएस मालवन' को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। माहे श्रेणी का यह दूसरा पनडुब्बी रोधी युद्धपोत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत निर्मित किया गया है। इससे नौसेना की समुद्री सुरक्षा और पनडुब्बी रोधी क्षमता और मजबूत होगी। यह आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत युद्धपोत निर्माण में देश की बढ़ती क्षमता का परिचायक है। यह खास तौर पर उथले तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों, अंडरवाटर ड्रोन और समुद्री घुसपैठियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस युद्धपोत में उन्नत सोनार प्रणाली, लाइटवेट टारपीडो और पनडुब्बी-रोधी रॉकेट लॉन्चर लगाए गए हैं। लगभग 80 मीटर लंबा और 1100 टन विस्थापन क्षमता वाला यह पोत वाटर-जेट प्रोपल्शन से लैस है, जो उथले पानी में भी इसे उच्च गतिशीलता और लगभग 25 नॉट्स (46 किमी/घंटा) की अधिकतम गति प्रदान करता है। इसका नाम महाराष्ट्र के ऐतिहासिक तटीय शहर 'मालवन' पर रखा गया है और इसके प्रतीक चिन्ह में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा से 'वाघ नख' (बाघ के पंजे) को शामिल किया गया है। भारतीय नौसेना की ताकत को नई धार देने वाला आईएनएस मालवन अपनी 80 प्रतिशत स्वदेशी तकनीक, उन्नत वाटर-जेट प्रणोदन प्रणाली और घातक टॉरपीडो क्षमता के कारण चर्चा में है। समंदर में दुश्मनों की निगरानी और सटीक हमला करने में सक्षम यह युद्धपोत भारतीय रक्षा आत्मनिर्भरता का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। इसकी मारक क्षमता की वजह से इसे समंदर का 'साइलेंट किलर' कहा जा रहा है। माहे श्रेणी के ये युद्धपोत तटीय और उथले समुद्री क्षेत्रों में प्रभावी परिचालन के लिए बनाए गए हैं। यह अत्याधुनिक युद्धपोत उथले समुद्री इलाकों में दुश्मन की पनडुब्बियों को खोजने, उनका पीछा करने और जरूरत पड़ने पर उन्हें नष्ट करने के लिए खासतौर पर तैयार किया गया है। समारोह में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।

कश्मीर के अनंतनाग में आतंकी हमला, हेड कॉन्स्टेबल की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के लाल चौक इलाके में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस पर हमला किया। इसमें हेड कॉन्स्टेबल (35 साल) की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 12:30 बजे आतंकियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक फायरिंग की। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज (GMC) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमले के बाद आतंकी भाग गए। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। जिस जगह फायरिंग हुई, वह शहर का मुख्य बाजार है। यहां आम दिनों में भी काफी भीड़ रहती है। घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे लाल चौक और आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी। अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे गए और आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

विराट-अनुष्का हाथ थामकर प्रेमानंदजी से मिलने पहुंचे

मथुरा। विराट कोहली ने पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। दोनों बुधवार तड़के 4 बजे महाराजजी के नए आश्रम यमुना विहार कुंज पहुंचे। चेहरे पर मास्क लगाकर नंगे पांव आश्रम के अंदर गए। बारिश की वजह से रास्ते में कीचड़ था। विराट, अनुष्का का हाथ थामकर कीचड़ में चलते नजर आए। प्रेमानंदजी के शिष्यों ने उनकी अगवानी की। दोनों करीब 1 घंटे तक आश्रम में रहे। बाहर आए तो विराट के माथे पर चंदन का टीका और हाथ में प्रसाद था। फिर कार से दोनों आश्रम से 15 किमी. दूर महाराजजी के गुरु हित गोविंद शरण महाराज के आश्रम पहुंचे। उनके दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। विराट और अनुष्का ने इससे पहले IPL जीतने के बाद 2 जून को संत प्रेमानंद के दर्शन किए थे। दोनों 2 घंटे तक आश्रम में रहे थे। माथे पर चंदन, त्रिपुंड और हाथ में एक किताब लेकर बाहर आए थे। विराट इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में मिली हार के बाद वृंदावन पहुंचे। इंग्लैंड ने 3 मैचों की सीरीज में भारत को 2-1 से हराया था। सीरीज में विराट ने 48 के औसत से कुल 144 रन बनाए थे।

संक्षिप्त समाचार

सेटलाइट टाउनशिप के खिलाफ मोदी सरकार के लिए किसान मोर्चा ने किया प्रदर्शन

पटना।सेटलाइट टाउनशिप के नाम पर गांव उजाड़ने नहीं देंगे। जमीन हमारा हुकुम तुम्हारा नहीं चलेगा। लोकतंत्र की पवित्र मंदिर के आगे निहत्थे बेगुनाह बच्चे एवं बच्चियों पर क्रूर बर्बरता का नंगा प्रदर्शन देख देश और दुनिया के लोग आज शर्मिंदा है।पूरा देश आज आक्रोशित है।अमेरिकी ट्रेड डील के खिलाफ पुरे देश में किसानों का गुस्सा किसी भी क्षण विस्फोट कर सकता है। इसलिए अमेरिकी ट्रेड डील के खिलाफ ट्रम्प एवं मोदी का देशभर में एवं सेटलाइट टाउनशिप के खिलाफ पुरे बिहार में मोदी और सम्राट का पुतला जलाया गया। इस अवसर पर संयुक्त किसान मोर्चा,बिहार के नेता दिनेश कुमार,अशोक प्रसाद सिंह,अमेरिका महतो,देव कुमार सिंह,मनीष कुमार,रमेश सिंह ने एक वक्तव्य प्रसारित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आज पूरा देश इस्तीफा मांग रहा है।उन्होंने कहा कि दिल्ली के जंतर मंतर पर पुलिस के साथ पुलिस के बेस में गुंडो ने जिस तरह से जानलेवा हमला छात्र एवं छात्रों के साथ अभद्र व्यवहार किया है। उससे पूरा देश चिंतित और उत्तेजित है। लोकतंत्र में लोकतांत्रिक तरीके से शांतिपूर्ण आंदोलनरत बच्चों पर इस कदर लाठी और आंसू गैस की वर्षा ने सरकार की कायरतापूर्ण हरकत की घोर नींद की है। उनके इस कुकृत्य की घोर भर्त्सना की।आज पटना में ऐतिहासिक गाँधी मैदान से डाक बंगला चौक तक छात्रों पर हुए भीषण लाठी चार्ज की घोर भर्त्सना की। वक्ताओं ने कहा कि आज पुरा पटना युद्ध का मैदान बन गया।पुलिसिया तांडव से छात्रों के हौसले को तोड़ने में विफल रही।छात्र डर कर भागे नहीं।मैदान सज गया है अब छात्र चुप नही बैठेंगे।सेटलाइट टाउनशिप योजना को सरकार वापस नहीं लेगी तो किसान दिल्ली की तरह पटना में पुनः आंदोलन छेड़ने को मजबूर होंगे। बांकीपुर क्रांति और बदलाव की भूमि रही है। यही से लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने सन 74 में बदलाव का आह्वान किया था और पूरे देश की सत्ता को बदल दिया। आज एक बार फिर बांकीपुर के मतदाताओं को बदलाव का परचम फहराने का अवसर मिला है।इस बार भी बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार को भारी मतों से पराजित कर बांकीपुर के मतदाता पूरे देश में बांकीपुर का नाम रौशन करेंगे।

राज्य के सभी पंचायतों में खेल क्लबों से अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने का निर्देश

पटना। खेल विभाग के सचिव दीपक आनंद की अध्यक्षता में बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय पदाधिकारी, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड के प्रतिनिधि तथा सभी जिलों के जिला खेल पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सचिव ने सभी जिला खेल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के प्रत्येक नगर एवं ग्राम पंचायत में गठित किए जा रहे खेल क्लबों से अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ा जाए तथा पंचायत स्तर पर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि खेल क्लबों के माध्यम से युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। बैठक में बताया गया कि राज्य के प्रत्येक नगर एवं ग्राम पंचायत में खेल क्लबों के गठन के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 1 जुलाई 2026 से प्रारंभ हो चुकी है, जो 15 अगस्त 2026 तक चलेगी। इच्छुक व्यक्ति वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पंचायत खेल क्लब की सदस्यता के लिए किसी पूर्व निबंधन की आवश्यकता नहीं है। प्राप्त आवेदनों के आधार पर ही पंचायत खेल क्लबों का गठन किया जाएगा। फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, हॉकी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कुश्ती, शतरंज, कैरम, खो-खो, टेबल टेनिस एवं क्रॉसवर्ड सहित विभिन्न खेलों से जुड़े अथवा इनमें रुचि रखने वाले 14 से 45 वर्ष आयु वर्ग के इच्छुक व्यक्ति सदस्यता के लिए आवेदन कर सकते हैं। खेल क्लबों में महिला, पुरुष अथवा दोनों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही प्रत्येक पंचायत में खेल क्लब के संचालन के लिए अलग कक्ष आवंटित किया जाएगा। सचिव ने सभी जिला खेल पदाधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप 15 अगस्त तक खेल क्लबों के लिए भूमि चिह्नित करने का निर्देश दिया। बैठक में खेल भवन-सह-व्यायामशाला एवं अन्य निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड को लंबित कार्यों एवं समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सचिव ने सभी लंबित प्रतिवेदनों एवं मामलों का शीघ्र निस्तारण करने का निर्देश देते हुए जिलों के पदाधिकारियों से उनकी समस्याओं एवं सुझावों की भी जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय राजकिशोर यादव की छठी पुण्यतिथि मनी

दानापुर।दानापुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष रहे स्वर्गीय राज किशोर यादव की छठी पुण्यतिथि नगर परिषद के परिसर में मनी. जहां नगर परिषद परिसर में बने आदम कद प्रतिमा पर लोगों ने पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई .सभा का आयोजन पूर्व अध्यक्ष द्वारा की गई. इस मौक पर उन्होंने कहा कि उनके द्वारा किये गए जनता कि समस्या का निदान एवं जन सेवा को क्या याद कर स्वर्गीय राजकिशोर यादव की छठी पुण्यतिथि आज हम सभी लोग मिलकर मना रहे हैं.इस अवसर पर भाजपा नेता संजय यादव, प्रेम यादव,राजू जायसवाल दानापुर प्रखंड के पूर्व प्रमुख मनोज यादव, बृज यादव, राकेश यादव, अखिलेश कुमार उर्फ मुटुर साब,मुन्ना महतो, डब्बू कुशवाहा अर्जुन पासवान, पप्पू यादव, कालिका यादव के साथ सैकड़ो की संख्या में नेता कार्यकर्ता और आम नागरिकों ने भाग लिया. सभी ने उनके आदर्श पर चलने का संकल्प लिया.

मुख्यमंत्री ने पटना के तीन गंगा घाटों के सौंदर्यीकरण एवं विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

» 46.26 करोड़ रुपये की लागत से विकसित भद्र घाट,
» महावीर घाट एवं नौजर घाट आधुनिक सुविधाओं से हुए सुसज्जित

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना के भद्र घाट, महावीर घाट एवं नौजर घाट के सौंदर्यीकरण एवं विकास परियोजनाओं का शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बुडको) द्वारा 46.26 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इन तीनों गंगा घाटों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिससे राजधानीवासियों एवं श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। लोकार्पण के पश्चात् मुख्यमंत्री ने तीनों गंगा घाटों पर कराये गये विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने साइट प्लान के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गंगाजल स्पर्श कर मां गंगा को नमन किया तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। ज्ञातव्य है कि बिहार के शहरी क्षेत्रो में आधारभूत नागरिक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, नियोजित शहरी विकास, आधुनिक अवसंरचना का विस्तार तथा जनोपयोगी सेवाओं की गुणवत्ता की दिशा में बिहार आधारभूत संरचना विकास निगम लि० (बुडको) द्वारा 46.26 करोड़ की लागत से पटना के 03 गंगा घाट (भद्र घाट, महावीर घाट एवं नौजर घाट) रिवर फ्रंट सौंदर्याकरण परियोजनाओं का विकास किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत भद्र घाट, महावीर घाट एवं नौजर घाट को पक्का बनाकर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। पहले ये घाट कच्चे थें अब इनके निर्माण से लोगों को स्नान एवं पूजा मे सुविधा होगी। सौंदर्यीकृत कराये गए घाटों पर आधुनिक वॉक-वे, पक्का घाट, पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था (हाई मास्ट लाईट), सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग एवं स्वच्छता की पूर्ण व्यवस्था की गई है। इन नए पक्के घाटों के निर्माण से स्थानीय निवासियों और खासकर छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को काफी सुविधा होगी।

निशांत के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में नई क्रांति, आधुनिक एवं जनसुलभ स्वास्थ्य सेवाओं का हो रहा विस्तार : उमेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत के नेतृत्व में राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़, जनसुलभ और आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा स्वास्थ्य मंत्री निशांत की उपस्थिति में कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का शुभारंभ किया गया।श्री कुशवाहा ने कहा कि इसके तहत राज्य के विभिन्न जिला अस्पतालों में 105 नए आईसीयू बेड, 70 वेंटिलेटर युक्त गहन चिकित्सा इकाइयों तथा 247 आपातकालीन सेवाओं की शुरूआत की गई है। इससे गंभीर मरीजों को समय पर बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही 25 अनुमंडलीय अस्पतालों में निःशुल्क डायलिसिस सेवा का शुभारंभ किया गया है, जिससे किडनी रोगियों को इलाज के लिए दूर-दराज के बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। साथ ही, दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नए मेडिसिन वेयरहाउस का भी शुभारंभ किया गया है। श्री कुशवाहा ने कहा कि पीपीपी मॉडल के तहत सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क पैथोलॉजी सेवाएं भी प्रारंभ की गई हैं। प्रथम चरण में 11 हब लैब स्थापित की जाएंगी, जहां आधुनिक मशीनों के माध्यम से अधिकांश आवश्यक जांचें उपलब्ध होंगी। इससे आम लोगों को छोटी-बड़ी जांच के लिए निजी संस्थानों या दूरस्थ शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने स्पष्ट किया है कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता बिहार के प्रत्येक नागरिक को आधुनिक, सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य से राज्य में इमरजेंसी सेवाओं एवं बेड क्षमता के विस्तार का निर्णय लिया गया है। साथ ही, राज्यभर में उपलब्ध इमरजेंसी बेड की रियल-टाइम जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एक केंद्रीकृत सॉफ्टवेयर विकसित किया जा रहा है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को तत्काल उपयुक्त अस्पताल में उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

चिकित्सा के क्षेत्र में पटना साहिब को मिला जिला अस्पताल के रूप में विशेष सौगात : रत्नेश कुशवाहा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना सिटी।पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को पटना सिटी स्थित श्री गुरु गोविंद सिंह अस्पताल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्य के 25 अनुमंडलीय अस्पतालों का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, स्थानीय विधायक सह सचेतक रत्नेश कुशवाहा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। नवनिर्मित अस्पताल भवन में मरीजों के लिए 100 बेड, 30 बेड का अत्याधुनिक आईसीयू, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों तथा विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं की व्यवस्था की गई है। अस्पताल में सर्जरी, मेडिसिन, ऑर्थोपेडिक्स, स्त्री एवं प्रसूति रोग, नेत्र रोग, यूरोलॉजी सहित अन्य विभागों में उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। महिलाओं के सुरक्षित प्रसव एवं नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए विशेष इकाई विकसित की गई है। साथ ही लोक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के तहत डायलिसिस सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। अस्पताल में 24×7 स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इस अवसर पर विधायक सह सचेतक रत्नेश कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना साहिब को स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक सौगात दी है। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह अस्पताल अब जिला अस्पताल के रूप में विकसित होकर पूरे बिहार के लिए एक आदर्श स्वास्थ्य संस्थान बनेगा। राज्य सरकार आमजन को बेहतर एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिसका लाभ पटना साहिब सहित आसपास के लाखों लोगों को मिलेगा। इसी क्रम में नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा 46.26 करोड़ की लागत से निर्मित भद्र घाट, नौजर घाट एवं महावीर घाट रिवर फ्रंट पैदल पथ का भी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उद्घाटन किया। रिवर फ्रंट पर नागरिकों के लिए आकर्षक पैदल पथ, बैठने की समुचित व्यवस्था एवं अन्य आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के अनेक जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं पर पथराव, दर्जनों घायल, बाल बाल बचे रणवीर नंदन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर धरना दिए जाने और श्री मोदी को भला बुरा कहे जाने के विरोध में बिहार भाजपा के कार्यकर्ताओं ने आज कांग्रेस के खिलाफ आक्रोषपूर्ण प्रदर्शन किया। सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के सदाकत आश्रम मुख्यालय पर हल्ला बोलकर कार्यालय घेर लिया। इसके विरोध में कांग्रेसियों ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर भीषण पथराव किया जिसमें दर्जनों भाजपा कार्य करता घायल हो गए। भाजपा के नेता और पूर्व एम एल सी प्रोफेसर रणवीर नंदन इस पथराव में बाल बाल बचे। कई भाजपा कार्यकर्ताओं के सर फट गए जबकि कई भाजपाइयों को गंभीर चोट आई है। भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के झंडे और डंडे के साथ सदाकत आश्रम स्थित कांग्रेस मुख्यालय को घेर लिया। प्रदर्शनकारी भाजपाई राहुल सोनिया और प्रियंका विरोधी नारे लगा रहे थे। नारेबाजी और प्रदर्शन के दरमियान ही अचानक कांग्रेस कार्यालय के भीतर से प्रदर्शनकारी. भाजपाइयों पर ईट पत्थरों की वर्षा होने लगी। अचानक हुए इस पत्थरबाजी से भाजपा कार्यकर्ताओं में खलबली मच गई ।कई भाजपा कार्यकर्ता जान बचाने के लिए इधर-उधर छिप गए। इस प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे प्रोफेसर रणवीर नंदन के ऊपर भी एक बड़ा पत्थर गिरा। गनिमत यह रही कि इस पथराव में प्रोफेसर रणवीर नंदन की जान बच गई। घायल भाजपा कार्यकर्ताओं को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने गुरु गोविंद सिंह अस्पताल के नविनिर्मित भवन में विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का लोकार्पण सहित कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का किया शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

» राज्य के विभिन्न जिला अस्पतालों में 105 नए ICU बेड, 70 इंटरमीडिएट केयर यूनिट (IMCU) बेड तथा 24x7 आपातकालीन सेवाओं का शुभारंभ

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज गुरु गोविंद सिंह अस्पताल (जिला अस्पताल), पटना सिटी के नवनिर्मित भवन में विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं के साथ जिला औषधि भंडार गृह, का शिलापट्ट अनावरण कर शुभारंभ किया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान वहां उपस्थित मरीजों से मुख्यमंत्री ने बातचीत की और उनके शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों को बातचीत करते हुये कहा कि यहां पर इलाज की सारी सुविधा बेहतर ढंग से उपलब्ध रखें ताकि मरीजों को रेफर करना न पड़े। डॉक्टर सहित उपचार की सारी सुविधायें ससमय मरीजों को मिलनी चाहिये। मुख्यमंत्री नेऑर्थोपेडिक ओ०टी० का भी निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सकों से कहा कि ऑर्थोपेडिक के इलाज का विशिष्ट पहचान बनायें और मरीजों को इलाज की सारी सुविधायें यहीं मिले। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिला अस्पतालों में 105 नए ICU बेड, 70 इंटरमीडिएट केयर यूनिट (IMCU) बेड तथा 24X7 आपातकालीन सेवाओं का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) अन्तर्गत हब एवं स्पोक मॉडल में निःशुल्क पैथोलॉजी सेवाओं के तहत प्रथम चरण में 11 हब लैब (जहां मशीन / उपकरण अधिष्ठापित एवं जांच सुविधा उपलब्ध) एवं इससे संबद्ध 221 स्पोक लैब (नमूना संग्रहण स्थल) का भी शुभारंभ किया। इस व्यवस्था के अंतर्गत राज्य में मरीजों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध होंगी तथा जांच रिपोर्ट समय पर प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री ने राज्य के 25 अनुमंडलीय अस्पतालों में निःशुल्क डायलिसिस (पी०एच०एच० एवं आयुष्मान कार्ड धारी को निःशुल्क एवं अन्य को रियायती दर) सेवा का शुभारंभ किया। गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को अब पी०एच०एच० एवं आयुष्मान कार्डधारियों को यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध होगी, जबकि अन्य पात्र लाभार्थियों को भी रियायती दरों पर डायलिसिस सेवा मिलेगी। इससे गंभीर किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को अपने जिले के बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी।

ए. एन. कॉलेज, पटना में बी.एड. इंडक्शन मीट का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। ए. एन. कॉलेज, पटना के बी.एड. विभाग में सत्र 26-28 में नव नामांकित विद्यार्थियों के स्वागत एवं मार्गदर्शन के उद्देश्य से इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वागत भाषण के साथ हुआ।मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की चीफ प्रोक्टर डॉ. वंदना कुमारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि समाज का मार्गदर्शक और चरित्र निमार्ता होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, नियमित उपस्थिति, नैतिक मूल्यों तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।महाविद्यालय के बर्सर डॉ. अभिषेक दत्ता ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के सभी गतिविधियों में भाग लेने की सलाह दी। बी.एड. विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों, प्रायोगिक कार्य, इंटर्नशिप, पुस्तकालय, आंतरिक मूल्यांकन, विश्वविद्यालय के नियमों तथा महाविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही रैगिंग निषेध, समय प्रबंधन और व्यक्तित्व विकास पर भी उपयोगी सुझाव दिए गए। कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया। विभागीय शिक्षक राजेश कुमार के संयोजन में द्वितीय वर्ष के छात्रों ने स्वागतगान और राष्ट्रगान का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन महिमा, नवनीत ने किया. सिकु कुमार ने विभागीय शिक्षण का अनुभव बाँटा। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संतोष कुमार ने किया।

सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सम्राट

नई सोच एक्सप्रेस

» मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया जीजीएसएच पटना में एडवांस्ड अपोलो डायलिसिस क्लिनिक का उद्घाटन

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के साथ मिलकर, बिहार सरकार की स्टेट हेल्थ सोसाइटी के सहयोग से पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पीपीपी मॉडल के तहत गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल पटना में एडवांस्ड अपोलो डायलिसिस क्लिनिक का उद्घाटन किया। यह नया केंद्र एडवांस्ड डायलिसिस टेक्नोलॉजी से लैस है और क्रोनिक किडनी डिजीज और एंड-स्टेज रीनल डिजीज से पीड़ित मरीजों को सुरक्षित, किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली डायलिसिस सेवाएं प्रदान करेगा, जिससे बिहार में किडनी की विशेष देखभाल तक पहुंच बेहतर होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार गुणवत्तापूर्ण और सुलभ चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह एडवांस्ड डायलिसिस केंद्र मरीजों के लिए बेहतर रीनल केयर सुनिश्चित करेगा और राज्य के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को और मजबूत करेगा। मौके पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि यह पहल पूरे बिहार में विशेष स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। अपोलो डायलिसिस क्लिनिक्स के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से, मरीजों को उनके घरों के करीब आधुनिक, किफायती और गुणवत्तापूर्ण डायलिसिस देखभाल मिलेगी। अपोलो डायलिसिस मार्च 2020 से पीपीप मॉडल के तहत बिहार हेमोडायलिसिस प्रोजेक्ट को लागू कर रही है। आज, यह नेटवर्क पूरे बिहार में 27 डायलिसिस केंद्र संचालित करता है, और 25 अतिरिक्त केंद्र अभी शुरू किए जा रहे हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, अपोलो डायलिसिस क्लिनिक्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर एम. सुधाकर राव ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह अस्पताल में एडवांस्ड अपोलो डायलिसिस क्लिनिक का उद्घाटन बिहार सरकार के साथ साझेदारी में विश्व स्तरीय, किफायती डायलिसिस देखभाल प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हम पूरे राज्य में गुणवत्तापूर्ण किडनी देखभाल तक पहुंच का विस्तार करने के लिए समर्पित हैं। पटना के जीजीएसएच में एडवांस्ड अपोलो डायलिसिस क्लिनिक का उद्घाटन, पूरे राज्य में मरीजों के लिए एडवांस्ड रीनल केयर (गुर्दे की बेहतर देखभाल) को ज्यादा सुलभ बनाने के लिए बिहार सरकार और अपोलो डायलिसिस क्लिनिक्स की चल रही साझेदारी में एक और अहम पड़ाव है।

पटना में चमकेगा जेपी गंगा पथ : समग्र उद्यान परियोजना से निखरेगा गंगा तट

नई सोच एक्सप्रेस

» इस वर्ष सितंबर अंत तक तैयार होने की संभावना है

पटना।बिहार सरकार की पहल पर राजधानी पटना के नवनिर्मित रिवरफ्रंट जेपी पथ को एक नया और मनोरम रूप देने का कार्य अंतिम चरण में चल है। इसके इस वर्ष सितंबर अंत तक तैयार होने की संभावना है। जेपी गंगा पथ समग्र उद्यान परियोजना (फेज-1) का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। पथ निर्माण विभाग की ओर से संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना का निर्माण कार्य 25 सितंबर 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि योजना का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी के किनारे को हरा-भरा बनाना और शहरवासियों को विश्वस्तरीय सार्वजनिक स्थान उपलब्ध कराना है। समग्र उद्यान परियोजना पटना शहर अंतर्गत जेपी गंगा पथ के दोनों तरफ दीघा से गांधी मैदान के बीच लगभग 6 किलोमीटर की लंबाई में विकसित की जा रही है। राज्य सरकार की ओर से परियोजना के तहत फेज-1 के निर्माण कार्यों के लिए 387.40 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में चिन्हित क्षेत्र में निर्माण का कार्य प्रगति पर है। पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पा बताते हैं कि परियोजना के लागू होने के बाद गंगा तट इलाके का सौंदर्यीकरण बढ़ेगा। आधुनिक लैंडस्केपिंग, आकर्षक लाइटिंग और पौधरोपण के जरिए गंगा किनारे के दृश्य को मनमोहक और सुंदर बनाया जा रहा है। साथ ही वॉकिंग एवं साइकिलिंग ट्रैक का निर्माण किया जा रहा है ताकि स्वास्थ्य और फिटनेस प्रेमियों को इसका पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि समग्र उद्यान परियोजना में आधुनिक हरित सार्वजनिक स्थल बनाए जा रहे हैं। यहां शहरी लोगों को पूरे परिवार के साथ, अकेले या फिर बुजुर्गों के बैठने, टहलने और बच्चों के मनोरंजन के लिए हरित पार्क, शेड्स का विकास किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

211 कॉलेजों में भाषा विषयों की पढ़ाई और शिक्षकों की बहाली की मांग को ले राज्यपाल को ज्ञापन

पटना। राजभवन में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के 211 नए डिग्री कॉलेजों में उर्दू, मैथिली, अरबी, फारसी और संस्कृत जैसे महत्वपूर्ण भाषा विषयों की पढ़ाई शुरू कराने तथा इन विषयों के शिक्षकों की अविलंब बहाली को लेकर एक ज्ञापन सौंपा और विस्तृत चर्चा की।मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने ज्ञापन में शामिल सभी मांगों और विषयों को बेहद गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि राज्य के सभी 211 नए डिग्री कॉलेजों में अगले शैक्षणिक सत्र से उर्दू और मैथिली भाषाओं की पढ़ाई अनिवार्य रूप से शुरू की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इस संबंध में शीघ्र आवश्यक नोटिफिकेशन जारी करने का भी भरोसा दिया।प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के समक्ष मदरसा शिक्षकों के लंबे समय से बकाया वेतन का शीघ्र भुगतान कराने और रिक्त पदों पर अविलंब नियुक्ति की मांग प्रमुखता से रखी। इसके अलावा राज्य में उर्दू अनुवादकों के रिक्त पदों पर जल्द से जल्द बहाली प्रक्रिया शुरू करने का भी आग्रह किया गया, ताकि प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों में भाषाई सुगमता बनी रहे।वार्ता के दौरान अतिथि शिक्षकों की ज्वलंत समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने मांग रखी कि अतिथि शिक्षकों की बहाली पूर्व की नियुक्ति नियमावली-2020 के आधार पर ही की जाए। साथ ही अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु सीमा में छूट देने और पूर्व से अपनी सेवाएं दे रहे अतिथि शिक्षकों के पदों को नियमित करने की दिशा में राज्य सरकार से ठोस पहल कराने का अनुरोध किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक और ज्ञापन सौंपने केदौरान प्रतिनिधिमंडल में कई प्रमुख लोग शामिल रहे। राज्यपाल से हुई इस सकारात्मक वार्ता के अवसर पर विधान पार्षद आफाक अहमद और मोहम्मद तनवीर अंसारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। सभी नेताओं ने राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि इन मांगों पर जल्द ही सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

"बाकीपुर विधानसभा चुनाव क्षेत्र अब महाभारत के कुरुक्षेत्र जैसा रणक्षेत्र बनता दिखाई दे रहा है

फतुहा। सभी लोग, सभी दल सब कुछ देख और समझ रही है। कौन पांडव की भूमिका में है और कौन कौरव की ।इसका निर्णय अंततः जनता अपने मत के माध्यम से करेगी। लोकतंत्र में मतदाता ही अंतिम निर्णायक होता है।" "बाकीपुर विधानसभा का चुनावी मुकाबला अब महाभारत के कुरुक्षेत्र की याद दिला रहा है। दोनों पक्ष पूरे दमखम के साथ मैदान में हैं। जनता सब जानती है—कौन सत्य और नीति के पक्ष में है और कौन सत्ता के अहंकार के साथ खड़ा है। अंतिम फैसला जनता के हाथ में है।"

83 प्रतिशत उपयोगकर्ता रिवॉर्ड्स के लिए बदल रहे प्लेटफॉर्म

पटना। भारत के यूपीआई इकोसिस्टम अब रोजाना 66 करोड़ से अधिक लेनदेन प्रोसेस कर रहा है और ग्राहकों की वफादारी को बढ़ावा देने में इसमें एक बुनियादी बदलाव देखने को मिल रहा है। एम्पावर इंडिया द्वारा प्राथमिक और द्वितीयक शोध के आधार पर, जिसमें कांतार का एक अध्ययन भी शामिल है से पता चला है कि 89 प्रतिशत यूपीआई उपयोगकर्ता भुगतान ऐप चुनते समय रिवॉर्ड्स और कैशबैक पर विचार करते हैं। वहीं, 83 प्रतिशत उपयोगकर्ता बेहतर रिवॉर्ड्स के लिए ऐप बदलने के लिए तैयार हैं, जबकि 94 प्रतिशत लोग ऐप बदलते समय रिवॉर्ड्स को महत्वपूर्ण मानते हैं। 88 प्रतिशत लोग बेहतर विकल्पों की पहचान करने के लिए यूपीआई ऐप्स की सक्रिय रूप से तुलना करते हैं। यह दर्शाता है कि रिवॉर्ड्स अब केवल प्रमोशनल प्रोत्साहन नहीं रह गए हैं, बल्कि भुगतान से जुड़े निर्णयों को प्रभावित करने वाला एक मुख्य कारक बन चुके हैं। इन निष्कर्षों के बारे में बात करते हुए एम्पावर इंडिया के डायरेक्टर जनरल के गिरी ने कहा कि भारत ने दुनिया का एक सबसे बेहतरीन और तेज़ डिजिटल पेमेंट सिस्टम तैयार किया है। लेकिन यूपीआई की तरक्की का अगला दौर इस बात पर निर्भर नहीं करेगा कि कितने लोग इसे अपना रहे हैं, बल्कि इस बात पर निर्भर करेगा कि लोग ऐप का इस्तेमाल कितना ज़्यादा कर रहे हैं। हमारी रिसर्च बताती है कि ग्राहक अब हर पेमेंट पर किसी न किसी फायदे की उम्मीद रखते हैं। इसीलिए रिवॉर्ड्स अब सिर्फ एक स्कीम नहीं, बल्कि पेमेंट करने का एक जरूरी हिस्सा बन चुके हैं। आने वाले समय में जैसे-जैसे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, वही ऐप्स ग्राहकों को अपने साथ जोड़े रख पाएँगे जो भरोसेमंद पेमेंट के साथ-साथ उन्हें रोजाना बढ़िया फ़ायदे भी देंगे।

इस्कॉन मंदिर सभागार में आज से नेशनल सिल्क एक्सपो, सिल्क साड़ियों और शूट की मिलेगी शानदार रेंज

पटना। राजधानी के बुद्धमार्ग स्थित इस्कॉन मंदिर सभागार में 23 से 29 जुलाई 2026 तक नेशनल सिल्क एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। वीवर्स एंड दस्तकार डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी एवं सेल में देशभर के 150 से अधिक बुनकर अपनी पारंपरिक एवं आधुनिक डिजाइनों वाली विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध साड़ियां, ड्रेस मटेरियल और फैशन ज्वेलरी सहित अन्य हस्तकला उत्पाद सीधे के लिए लेकर आ रहे हैं। वीवर्स एंड दस्तकार डेवलपमेंट फाउंडेशन के सचिव जयस कुमार गुप्ता ने बताया कि यह प्रदर्शनी शादी और त्योहारों के सीजन को ध्यान में रखकर आयोजित की जा रही है, जहाँ ग्राहकों को देशभर के बुनकरों द्वारा तैयार किए गए हस्तनिर्मित उत्पाद उचित कीमत पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि एक्सपो में कई उत्पादों पर बुनकरों द्वारा 50 प्रतिशत तक कि विशेष छूट भी दी जाएगी। जयस गुप्ता ने पटना वासियों से अपील की कि वो इस सात दिवसीय सिल्क एक्सपो में परिवार सहित पहुँचकर देश के बुनकरों की उत्कृष्ट हस्तकला का अनुभव लें और सीधे बुनकरों से खरीदारी कर उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्होंने बताया कि इस एक्सपो में ग्राहकों का प्रवेश निशुल्क है।

बच्चों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें शिक्षक-अभिभावक : शिक्षा मंत्री

» 25 को सभी प्रारंभिक विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी

» समावेशी शिक्षा : हमारा हर बच्चा महत्वपूर्ण' थीम पर होगा संवाद

पटना। प्रदेश के सभी प्रारंभिक विद्यालयों में 25 जुलाई को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष संगोष्ठी की थीम 'समावेशी शिक्षा : हमारा हर बच्चा महत्वपूर्ण' तय की गई है। कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों और समुदाय के बीच समावेशी शिक्षा की अवधारणा को मजबूत बनाना और हर बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए साझी जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।माननीय शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने निर्देश दिया है कि संगोष्ठी के जरिये अभिभावक और शिक्षक बच्चों के लिए ऐसा अनुकूल वातावरण तैयार करें, जहां हर बच्चा सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास के साथ सीख सके। संगोष्ठी के दौरान विद्यालयों में वर्गवार बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिनमें अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, नियमित उपस्थिति, स्वास्थ्य एवं पोषण, घर पर अध्ययन का वातावरण तथा सीखने में सहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा और उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार पर भी संवाद किया जाएगा।कार्यक्रम में अधिक से अधिक अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालयों को जरूरी सहयोग और मार्गदर्शन दें।

खेत बचाओ अभियान से मिट्टी, जल और खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ कर रही है बिहार सरकार : विजय

नई सोच एक्सप्रेस

» दूषित जल एवं रसायनों के खतरे को लेकर सरकार पूरी तरह सजग, प्रभावित क्षेत्रों में लैब टेस्टिंग और आवश्यक कार्रवाई होगी तेज

» जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपये की योजनाओं को मिली स्वीकृति

पटना। बिहार विधान सभा में कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राजद के विधायक कुमार सर्वजीत के ध्यानाकर्षण सूचना पर उत्तर देते हुए आज सदन को आश्वस्त किया कि दूषित जल से सिंचित सब्जियों तथा रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अनियंत्रित उपयोग से उत्पन्न खतरों के प्रति राज्य सरकार पूर्णतः सजग है। इस दिशा में केंद्र तथा राज्य, दोनों स्तरों पर ठोस, दूरदर्शी एवं दीर्घकालिक कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री श्री सिन्हा ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के नेतृत्व में देश के सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ इस विषय पर निरंतर समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसी उद्देश्य से 1 जून, 2026 से खेत बचाओ अभियान संचालित किया जा रहा है। इसका मूल उद्देश्य राज्य की कृषि भूमि, जल स्रोत तथा खाद्य पदार्थों को रासायनिक दुष्प्रभावों से मुक्त रखते हुए आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ एवं सुरक्षित मृदा उपलब्ध कराना है। अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिक सीधे किसानों के खेतों तक पहुँचकर उन्हें जागरूक कर रहे हैं। पिछले एक माह में ही 6 लाख 26 हजार से अधिक किसानों तक कृषि वैज्ञानिक एवं विभागीय पदाधिकारी पहुँचकर उन्हें जागरूक कर चुके हैं।मृदा स्वास्थ्य सुधार और किसान रजिस्ट्री पर विशेष जोर उन्होंने बताया कि खेतों की मिट्टी की जाँच कर मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार किया जा रहा है, ताकि आवश्यकतानुसार ही उर्वरकों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। इसके साथ ही एग्रीस्टैक - फार्मर रजिस्ट्री के अंतर्गत किसानों की यूनिक फार्मर आईडी बनाई जा रही है, जिसमें अब तक 55 लाख से अधिक किसान पंजीकृत हो चुके हैं।उन्होंने बताया कि राज्य के 629 पीएम श्री एवं उच्च विद्यालयों में मिट्टी जाँच प्रयोगशालाओं की स्थापना की जा रही है, ताकि छात्रों को मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सके तथा उनके माध्यम से किसान परिवारों तक भी मिट्टी जाँच एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन का संदेश पहुँचाया जा सके। मंत्री श्री सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुरूप देशभर के किसानों को प्राकृतिक एवं परंपरागत खेती से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि परंपरागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत 30.60 करोड़ रूपया की योजना स्वीकृत की गई है, जिसके माध्यम से राज्य के सभी 38 जिलों में 30,000 हेक्टेयर भूमि पर जैविक खेती की जाएगी। इसी प्रकार, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के तहत वर्ष 2025-26 के लिए 25 करोड़ तथा वर्ष 2026-27 के लिए 10.30 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है।उन्होंने बताया कि वर्मी कम्पोस्ट, गोमूत्र, बेसन एवं गुड़ जैसे स्थानीय संसाधनों पर आधारित जैविक उपादान स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध है। इसके प्रयोग से मिट्टी का स्वास्थ्य सुधरेगा, खेती की लागत घटेगी तथा आम जनता को सुरक्षित एवं शुद्ध भोजन उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि धरती माता को स्वस्थ रखने तथा आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य सौंपने के उद्देश्य से सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।श्री सिन्हा ने सभी ।दस्यों से आग्रह किया कि वे स्वयं भी अपनी कृषि भूमि के कम-से-कम एक-तिहाई हिस्से में प्राकृतिक खेती अपनाएं तथा अपने-अपने क्षेत्रों के किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन का स्वरूप देकर ही मिट्टी, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

समस्या निवारण शिविर से रनिंग कर्मचारियों को मिली त्वरित राहत

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। छपरा जंक्शन पर रनिंग कर्मचारियों के परिवाद एवं विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एनईआरएमसी के प्रयास से 21 एवं 22 जुलाई को दो दिवसीय विशेष परिवाद निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सैकड़ों रनिंग कर्मचारियों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस अवसर पर डीईई सहित संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। शिविर के दौरान कर्मचारियों को परिवाद दर्ज कराने की प्रक्रिया, आवेदन करने की विधि, आवश्यक दस्तावेज एवं समस्याओं के शीघ्र समाधान की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कई कर्मचारियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान भी किया गया।एनईआरएमसी के शाखा मंत्री दीपक कुमार ने कहा कि पहले कर्मचारियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए वाराणसी मंडल कार्यालय जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की अनावश्यक खपत होती थी। छपरा जंक्शन पर शिविर आयोजित होने से कर्मचारियों को काफी सुविधा मिली है। संयुक्त शाखा मंत्री अभिनव कुमार एवं शांतनु कुमार ने कर्मचारियों के हित में इस प्रकार के परिवाद निवारण शिविर का आयोजन प्रत्येक माह नियमित रूप से कराने की मांग की।

बैंक ऑफ इंडिया की सीएसआर पहल: एम्स पटना में नवजात शिशुओं के लिए बढ़ेंगी बेहतर इलाज की सुविधाएं

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। नवजात शिशुओं को बेहतर और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एम्स पटना में बुधवार को बैंक ऑफ इंडिया की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत उपलब्ध कराए गए अत्याधुनिक नवजात चिकित्सा उपकरणों का उद्घाटन किया गया। इस सहयोग से संस्थान के नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) की क्षमता और अधिक मजबूत होगी तथा गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं को बेहतर उपचार मिल सकेगा। उद्घाटन समारोह में एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल, मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार सिंह, उप निदेशक (प्रशासन) नितोत्पल बल, बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने बैंक ऑफ इंडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नए उपकरणों के जुड़ने से गंभीर रूप से बीमार नवजातों का उपचार बेहतर ढंग से किया जा सकेगा, रेफरल की आवश्यकता कम होगी तथा बेड की कमी के कारण मरीजों को वापस लौटाने की स्थिति में भी कमी आएगी। प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया द्वारा छह अत्याधुनिक रेडिएंट वार्मर और छह पल्स ऑक्सीमीटर उपलब्ध कराए गए हैं। इनकी मदद से एनआईसीयू में छह नए बेड जल्द ही शुरू किए जाएंगे जिससे अधिक संख्या में गंभीर नवजात शिशुओं का इलाज संभव हो सकेगा। उप निदेशक (प्रशासन) नितोत्पल बल ने कहा कि एनआईसीयू के विस्तार से मौजूदा संसाधनों पर दबाव कम होगा और बिहार सहित आसपास के राज्यों से आने वाले मरीजों को समय पर बेहतर नवजात चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। समारोह में बैंक ऑफ इंडिया की ओर से उप महाप्रबंधक एस. मलाया दास, जोनल मैनेजर ओ. पी. चौधरी, ब्रांच मैनेजर (एम्स पटना) अमितेश कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मौसमी खांसी में आयुर्वेदिक कफ सिरप फायदेमंद: डॉ. सुजाता चौधरी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बदलते मौसम, बढ़ते प्रदूषण और मौसमी संक्रमणों के बीच आयुर्वेद विशेषज्ञों ने खांसी और गले की खराश के प्रबंधन में आयुर्वेदिक कफ सिरप की उपयोगिता पर जोर दिया है। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सुजाता चौधरी ने कहा कि खांसी शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया है और आयुर्वेद केवल लक्षणों को दबाने के बजाय उसके मूल कारणों को संतुलित करने का प्रयास करता है। उन्होंने बताया कि तुलसी, मुलेठी, बनफ्शा, कंटकारी, सोंठ और वासा जैसी औषधीय जड़ी-बूटियां गले को आराम पहुंचाने, कफ निकालने और श्वसन तंत्र को सहयोग देने में सहायक मानी जाती हैं। डॉ. चौधरी के अनुसार, डाबर हॉनिटस जैसे आयुर्वेदिक कफ सिरप इन पारंपरिक जड़ी-बूटियों के गुणों से युक्त हैं और मौसमी खांसी व गले की जलन से राहत देने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक और सुरक्षित स्वास्थ्य विकल्पों की बढ़ती मांग के बीच आयुर्वेदिक कफ सिरप आज भी परिवारों की पसंद बने हुए हैं। हालांकि, लगातार खांसी, तेज बुखार या सांस लेने में तकलीफ होने पर चिकित्सक से परामर्श लेना आवश्यक है।

चार महिला खिलाड़ियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए किया क्वालिफाई

नई सोच एक्सप्रेस

» एक्सिस बैंक और आईआईएस ने भारत में जूडो टैलेंट को निखारा

पटना। एक्सिस बैंक और देश के बेहतरीन ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) की साझेदारी रंग ला रही है। एक्सिस बैंक जूडो डेवलपमेंट प्रोग्राम के जरिए दोनों संस्थान मिलकर भारतीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय सफलता में बदल रहे हैं। जमीनी स्तर से लेकर हाई-परफॉर्मेंस तक 500 से अधिक एथलीटों की मदद करने के बाद इस कार्यक्रम ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत की 4 महिला जूडो खिलाड़ियों ने ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। 57 किग्रा भार वर्ग की मध्य प्रदेश की यामिनी मौर्या, 63 किग्रा भार वर्ग की उत्तराखंड की उन्नति शर्मा, 78 किग्रा भार वर्ग की पंजाब की इशरूप नारंग और 70 किग्रा भार वर्ग की मणिपुर की तखेलंबम इनुंगनबी ने भारत की कॉमनवेल्थ खेलों की टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। विजय मुलबगल, ग्रुप हेड, होलसेल बैंक कवरेज, कॉर्पोरेट सैलरी, एक्सिस बैंक ने कहा कि इसके जरिए हम होनहार खिलाड़ियों को बेहतरीन कोचिंग, आधुनिक ट्रेनिंग और बड़े स्तर पर खेलने के लिए हर जरूरी मदद दे रहे हैं। चार खिलाड़ियों का कॉमनवेल्थ गेम्स में चुनकर आना यह साबित करता है कि जब सही माहौल, एक्सपर्ट्स, अच्छी सुविधाएं और मदद मिले, तो प्रतिभा को निखारकर बड़ी से बड़ी सफलता पाई जा सकती है।

पुनपुन थाना पुलिस की 'दीदी टीम' ने छात्राओं को महिला सुरक्षा और साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

नई सोच एक्सप्रेस

पुनपुन। पुनपुन थाना पुलिस की दीदी टीम द्वारा बुधवार को राम गोविंद सिंह हाई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण तथा साइबर अपराध से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में दीदी टीम की सदस्य अभया बी ग्रेड ने छात्राओं को 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन पुलिस सेवा तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर ठगी की स्थिति में बिना घबराए इन हेल्पलाइन नंबरों पर तुरंत संपर्क करें।पुनपुन थाना अध्यक्ष बेबी कुमारी ने बताया कि दीदी टीम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा और आत्मविश्वास की भावना को मजबूत करना, उन्हें उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा शिकायत मिलने पर त्वरित सहायता एवं कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि समाज में संवेदनशील और अपराधमुक्त वातावरण का निर्माण करना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने छात्राओं से अपील करते हुए कहा, "आपकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। किसी भी प्रकार की छेड़खानी या उत्पीड़न को कभी भी सहन न करें, आवाज़ उठाएं और तुरंत पुलिस से सहायता लें। साइबर अपराध से बचने के लिए अनजान लिंक, कॉल और संदेशों से सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।" कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को सुरक्षित समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया गया।

सैमसंग ने लॉन्च की गैलेक्सी Z फोल्डेबल की 8वीं पीढ़ी, तीन नए स्मार्टफोन पेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने गैलेक्सी Z फोल्ड8, गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा और गैलेक्सी Z फ्लिप8 लॉन्च कर अपनी आठवीं पीढ़ी की फोल्डेबल स्मार्टफोन सीरीज़ पेश की है। कंपनी के अनुसार, नई सीरीज़ में उन्नत गैलेक्सी एआई, बेहतर डिज़ाइन, दमदार कैमरा और मल्टीटास्किंग के लिए नए फीचर्स दिए गए हैं। गैलेक्सी Z फोल्ड8 को हल्के और पतले डिज़ाइन, स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 प्रोसेसर, 4800mAh बैटरी और डुअल 50MP कैमरे के साथ पेश किया गया है। वहीं, गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा में 8 इंच का डिस्प्ले, 200MP कैमरा, 5000mAh बैटरी और 45W फास्ट चार्जिंग दी गई है। गैलेक्सी Z फ्लिप8 कंपनी का सबसे स्लिम फ्लिप स्मार्टफोन है, जिसमें नया एआई आधारित FlexWindow, 50MP कैमरा और कई स्मार्ट कैमरा फीचर्स शामिल हैं। नई गैलेक्सी Z सीरीज़ में Galaxy AI, Samsung Knox और One UI 9 के साथ बेहतर सुरक्षा, प्राइवेसी और एआई आधारित स्मार्ट अनुभव भी उपलब्ध कराए गए हैं। कंपनी का दावा है कि नई सीरीज़ फोल्डेबल स्मार्टफोन सेगमेंट में प्रोडक्टिविटी और एआई उपयोग का नया मानक स्थापित करेगी।

बंटी यादव हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग को लेकर एक दिवसीय अनशन एवं धरना-प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। बुधवार को गैर राजनीतिक संगठन सेवा, बिहार इकाई द्वारा बंटी यादव हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग को लेकर एक दिवसीय अनशन एवं धरना-प्रदर्शन का आयोजन दानापुर प्रखण्ड कार्यालय के पास किया गया।अनशन की अध्यक्षता करते हुए पीटी गजेन्द्र कुमार ने कहा कि पटना की धरती जो ऐतिहासिक क्रांति की गवाह रह चुकी है, अगर सरकार ने हत्याकांड की सीबीआई जांच की घोषणा नहीं करती है तो अगले पन्द्रह दिनों के बाद पटना हाईकोर्ट में जनहित याचिका की जाएगी। कार्यक्रम के संयोजक पप्पू यादव ने कहा कि सरकार पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपया एवं सरकारी मुआवजा देने का कार्य करें। वहीं प्रखण्ड अध्यक्ष राजद दानापुर के सत्या राय ने पीड़ित परिवार के मुआवजा के लिए सभी लोगों से आगे आने को कहा।समाज सेवी धीरज यादव ने कहा कि सर्व समाज को एक होकर ही सरकार के खिलाफ संघर्ष किया जा सकता है। इस मौके पर नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राजू जायसवाल, मोलवी हसन उर्फ मक्खन, विधानसभा प्रत्याशी वर्षा सिंह, राजद प्रवक्ता रियाज अहमद, भाजपा के विपिन बिहारी, वकील राय, पूर्व प्रखंड प्रमुख मनोज कुमार यादव, कालिका यादव, समाजसेवी धीरज यादव,अर्जुन पासवान, नर्मदेश्वर पासवान, चन्दबोध राय, विकाश यादव, संजय यादव, केशव प्रसाद, रजनीश कुमार, विशाल प्रताप सिंह आदि ने भी लोगों को संबोधित कियावहीं धन्यवाद ज्ञापन सनोज कुमार राय ने किया ।

चित्रांश समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सिवान में मृतक मुकेश श्रीवास्तव के परिजनों से की मुलाकात

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। चित्रांश समाज का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को समाजसेवी सीतेश रमण के नेतृत्व में सिवान स्थित दिवंगत मुकेश श्रीवास्तव के गांव पहुंचा और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले में दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए राज्य सरकार से न्याय दिलाने की अपील की।सीतेश रमण ने कहा कि पुलिस की छापेमारी के दौरान मुख्य आरोपी के घर से कथित तौर पर नोट छापने की मशीन, शराब, गांजा तथा बड़ी मात्रा में नकद राशि बरामद हुई है। इसके बावजूद आरोपी अब तक फरार है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस मामले में केवल औपचारिक कार्रवाई कर रही है, जबकि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी अभी तक नहीं हो सकी है।उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा, मामले की न्यायिक जांच तथा मुख्य आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की।सीतेश रमण ने कहा कि इस घटना से पूरा चित्रांश समाज आहत है। उन्होंने कहा कि मृतक के छोटे-छोटे बच्चों के भविष्य और उनके भरण-पोषण की गंभीर चिंता है तथा समाज इस संबंध में मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कर पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह करेगा।

संक्षिप्त समाचार

विद्युत ऊर्जा चोरी करनेवालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

वैशाली।कनीय विद्युत अभियंता बसंतपुर मनीष कुमार द्वारा बिजली चोरी करने वालों के विरुद्ध राजापाकर थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। जिसमें बखरी सुपायन निवासी सुरेंद्र पासवान पिता महावीर पासवान शामिल है।इनके द्वारा विद्युत बिल बकाया होने के कारण बिजली काट दी गई थी फिर भी इनके द्वारा मीटर बायपास कर बिजली चोरी की जा रही थी। इसी गांव के नागेंद्र पासवान पिता महावीर पासवान द्वारा भी बिजली चोरी की जा रही थी।इनके द्वारा भी बकाया भुगतान किए बिना मीटर बायपास कर बिजली चोरी की जा रही थी। सहबीर पासवान पिता रामजी पासवान ग्राम बखरी सुपायन इनके द्वारा भी बकाया राशि होने के कारण बिजली कनेक्शन विच्छेद हो गया था. इनके द्वारा बिना बकाया राशि भुगतान किया स्मार्ट मीटर को बाईपास करते हुए ऊर्जा चोरी की जा रही थी। तीनों व्यक्ति के विरुद्ध विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए आवश्यक कार्रवाई की बात कही गई है।छापामार दल में शामिल सहायक विद्युत अभियंता विवेक कुमार, कनीय विद्युत अभियंता मनीष कुमार, टेक्नीशियन शशिकांत कुमार, मानव बल धर्मेंद्र कुमार व सुबोध कुमार शामिल हैं।

विधायक अजीत कुमार का पहल लाया रंग, रौतिनिया कचरा प्रोसेसिंग यूनिट का एक अगस्त को होगा उद्घाटन

कांटी/मुज़ाफ़रपुर। मड़वन प्रखंड के रौतिनिया स्थित कचरा प्रोसेसिंग यूनिट का उद्घाटन एक अगस्त को किया जाएगा। इसकी जानकारी मिलते ही क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार ने बताया कि उद्घाटन समारोह में डीएम, नगर निगम के अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। विधायक ने बताया कि रौतिनिया डंपिंग यार्ड की समस्या के समाधान को लेकर लगातार प्रयास किए गए। उन्होंने नगर निगम को 31 जुलाई तक कार्य में प्रगति नहीं होने पर एक अगस्त से शहर का कचरा डंप करने पर रोक लगाने का अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद स्वच्छता निदेशक सह अपर सचिव विजय मीणा ने स्थल का निरीक्षण कर एक सप्ताह के भीतर कार्य शुरू कराने तथा आधुनिक प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने का आश्वासन दिया। वर्तमान में यूनिट के लिए बिजली समेत अन्य आवश्यक कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। विधायक ने कहा कि वर्षों से पूरे मुजफ्फरपुर शहर का कचरा रौतिनिया में डंप होने के कारण आसपास के ग्रामीणों को दुर्गंध, मक्खियों और मच्छरों के प्रकोप से भारी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। प्रदूषण के कारण लोगों के स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक जीवन और आसपास संचालित निजी विद्यालय भी प्रभावित हो रहे थे। उन्होंने बताया कि पूर्व में डीएम के निरीक्षण और विधानसभा की प्राक्कलन समिति में मामला उठाने के बाद विभागीय मंत्री के निर्देश पर स्वच्छता निदेशक एवं नगर आयुक्त ने स्थल का निरीक्षण किया था। अधिकारियों ने यहां करीब एक लाख मीट्रिक टन कचरा जमा होने की पुष्टि की थी। प्रोसेसिंग यूनिट शुरू होने के बाद यहां आधुनिक मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) प्लांट में सूखे और गीले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जाएगा। विभाग की योजना के अनुसार गीले कचरे से गैस तैयार कर तेल कंपनियों को उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे क्षेत्र में स्वच्छ वातावरण के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

चकिया नगर परिषद के सैरात बंदोबस्ती मामले में ठेकेदार की रिट पर सुनवाई

हाईकोर्ट ने अधिकारियों से किया जवाब तलब

मोतिहारी।पटना उच्च न्यायालय में चकिया नगर परिषद के सैरात वसूली से जुड़े मामले में दायर रिट याचिका पर सुनवाई हुई। माननीय न्यायमूर्ति राजीव रॉय की एकल पीठ ने मामले में संबंधित अधिकारियों को 6 सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। यह मामला सिविल रिट याचिका संख्या 10195/2026 से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ईशांत कुमार ने याचिका दायर कर मांग की है कि उन्हें नगर परिषद, चकिया द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जारी संक्षिप्त निविदा सैरात निपटान / निविदा सूचना संख्या 05/2025-26 के क्रमांक 2 पर उल्लेखित स्थानों से राजस्व संग्रह करने की अनुमति दी जाए। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता को दिनांक 22.04.2026 के कार्य आदेश ज्ञापन संख्या 474 के तहत कार्यादेश प्राप्त हुआ था। याचिकाकर्ता ने 12 महीने की अवधि के लिए ईएमडी सहित 50 लाख 46 हजार 300 रुपये जमा भी कर दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें बिना किसी बाधा के वसूली नहीं करने दी जा रही है।याचिकाकर्ता ने अदालत से तीन मुख्य राहतें मांगी हैं,जिसमें बिना रोक-टोक राजस्व संग्रह करने की अनुमति देने के लिए परमादेश जारी करना, अनुबंध निष्पादन की तिथि से वसूली की अवधि बढ़ाने एवं वित्तीय नुकसान की भरपाई करते हुए ब्याज सहित 50,46,300 रुपये की राशि लौटाने एवं प्रतिवादी अधिकारियों के मनमाने और अवैध आचरण के कारण हुए वित्तीय नुकसान के लिए मुआवजा दिलाना शामिल है। **कोर्ट ने आदेश दिया:**दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने आदेश पारित किया। अदालत ने जिला पदाधिकारी मोतिहारी ,अनुमंडल पदाधिकारी चकिया,प्रखंड विकास पदाधिकारी चकिया एवं कार्यपालक पदाधिकारी चकिया को आदेश दिया है कि वे 6 सप्ताह के भीतर प्रति-हलफनामा दाखिल करें। इसके बाद याचिकाकर्ता के अधिवक्ता दो सप्ताह में जवाब दाखिल करेंगे। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रतिवादी द्वारा हलफनामा दाखिल करने में विफल रहने पर पटना उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के पास 2000 रुपये का जुर्माना जमा करना होगा। मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 सितंबर 2026 को सूचीबद्ध किया गया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वाई. वी. गिरी और अधिवक्ता सूरज कुमार तिवारी उपस्थित हुए, जबकि प्रतिवादी की ओर से महाधिवक्ता, व अधिवक्ता सुमित कुमार झा और राचिका शेखर उपस्थित रहीं।

अकड़ाहा नदी में डूबने से दो मासूम की मौत, गांव में मातम

बेतिया।मझौलिया प्रखंड अंतर्गत धोकराहा पंचायत के वार्ड संख्या-6 के समीप पुरैना सरेह स्थित अकड़ाहा नदी में बुधवार सुबह दर्दनाक हादसे में दो मासूम छात्राओं की डूबने से मौत हो गई। एक ही गांव की दो बच्चियों की असमय मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।मृतक छात्राओं की पहचान बरवा सेमरा घाट पंचायत के ओझा मठिया गांव वार्ड संख्या-15 निवासी शत्रोहन साह की 13 वर्षीय पुत्री राधा कुमारी तथा दशरथ साह की 12 वर्षीय पुत्री गुंजा कुमारी के रूप में हुई है। दोनों राजकीय प्राथमिक विद्यालय, ओझा मठिया की कक्षा चार की छात्राएं थीं।मृतका राधा की मां शोभा देवी ने बताया कि दोनों बच्चियां बुधवार सुबह विद्यालय नहीं गईं और अन्य साथियों के साथ पुरैना सरेह में चारा काटने चली गई थीं। इसी दौरान अकड़ाहा नदी के किनारे पैर फिसलने से दोनों गहरे पानी में चली गईं। साथ मौजूद बच्चों के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल एसडीआरएफ टीम को सूचना दी।परिजनों ने आरोप लगाया कि सूचना मिलने के करीब एक घंटे बाद एसडीआरएफ टीम घटनास्थल पहुंची। उनका कहना है कि यदि समय पर बचाव कार्य शुरू होता तो दोनों बच्चियों की जान बचाई जा सकती थी। बाद में टीम ने दोनों के शव नदी से बाहर निकाले।थानाध्यक्ष अमर कुमार ने बताया कि दोनों शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम कराने से इंकार करने पर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव उन्हें सौंप दिया गया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

छह अनाथ बच्चों से मिलकर हरसंभव सहायता का मंत्री ने दिया आश्वासन

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। मखदुमपुर प्रखंड के नवगढ़ गांव में बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन ने स्वर्गीय शक्लदेव मांझी के छह अनाथ बच्चों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार से आत्मीय बातचीत की और हरसंभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। इस दौरान मांझी समाज के सैकड़ों लोग और स्थानीय ग्रामीण भी मौजूद रहे। मंत्री ने कहा कि स्वर्गीय शक्लदेव मांझी के निधन के बाद उनके आश्रित परिवार को जो सरकारी मुआवजा और सहायता राशि समय पर मिल जानी चाहिए थी, उसमें लगभग दो वर्षों की देरी होना अत्यंत गंभीर मामला है। उन्होंने इसे प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए कहा कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करायी जायेगी। यह पता लगाया जायेगा कि आखिर किन कारणों से पीड़ित परिवार को समय पर योजनाओं का लाभ नहीं मिला और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। संतोष कुमार सुमन ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के कल्याण के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी अनाथ बच्चे की पढ़ाई आर्थिक अभाव के कारण नहीं रुकेगी। बच्चों की शिक्षा, पालन-पोषण, आवास, सामाजिक सुरक्षा और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिलाया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परिवार से जुड़े सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों और मांझी समाज के प्रतिनिधियों ने सड़क, आवास, पेयजल, पेंशन, राशन कार्ड तथा अन्य विकास योजनाओं से जुड़ी समस्याएं मंत्री के समक्ष रखी। मंत्री ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई कर समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि उनका दौरा केवल औपचारिकता नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि एक महीने बाद वह स्वयं नवगढ़ गांव का दोबारा दौरा करेंगे और समीक्षा करेंगे कि अधिकारियों ने उनके निर्देशों पर कितना अमल किया तथा पीड़ित परिवार और गांव के लोगों को सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ मिला या नहीं? मंत्री के इस दौरे से ग्रामीणों में नई उम्मीद जगी है। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय बाद किसी जनप्रतिनिधि ने गांव पहुंचकर न सिर्फ पीड़ित परिवार का दुख-दर्द साझा किया बल्कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान का भरोसा भी दिया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, समाज के गणमान्य लोग तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जहानाबाद मुख्य डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।मुख्य डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद गया डाक प्रमंडल मुख्यालय ने तत्काल जहानाबाद मुख्य डाकघर को सतर्क रहने का निर्देश जारी किया। इसके बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस सक्रिय हो गयी है तथा मुख्य डाकघर की सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से कड़ा कर दिया गया। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे डाकघर परिसर की सघन तलाशी शुरू कर दी। सुरक्षा एजेंसियां भवन के प्रत्येक हिस्से की बारीकी से जांच कर रही हैं। एहतियात के तौर पर डाकघर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जांच की जा रही है और तलाशी के बाद ही उन्हें परिसर में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। प्रशासन इस बात की भी जांच कर रहा है कि धमकी भरा ई-मेल किसने भेजा और इसके पीछे क्या उद्देश्य है? साइबर माध्यम से ई-मेल की तकनीकी जांच भी शुरू कर दी गई है। फिलहाल डाकघर में कोई संदिग्ध वस्तु मिलने की सूचना नहीं है लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों से अपील की है कि वह किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और जांच में प्रशासन का सहयोग करें। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि धमकी वास्तविक थी या किसी की शरारत ?

भारत-अमेरिका कृषि व्यापार नीति समझौते के विरोध में पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का पुतला दहन

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। अखिल भारतीय किसान सभा और खेत मजदूर सभा (खेमस) के बैनर तले भारत-अमेरिका कृषि व्यापार नीति समझौते के विरोध में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने अंबेडकर चौक के समीप देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला दहन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संगठन के नेताओं ने इस समझौते को किसानों के हितों के खिलाफ बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। अखिल भारतीय किसान सभा और खेमस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में अंबेडकर चौक पहुंचे, जहां उन्होंने भारत-अमेरिका कृषि व्यापार नीति समझौते के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि प्रस्तावित कृषि व्यापार नीति देश के किसानों के हितों के प्रतिकूल है और इसे लागू किए जाने से भारतीय कृषि व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस मौके पर अखिल भारतीय किसान सभा के नेता जगदीश प्रसाद ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ कृषि व्यापार नीति समझौता भारतीय किसानों के हित में नहीं है। उनका कहना था कि भारत में किसानों को कृषि उत्पादन पर अपेक्षित सरकारी सहायता और सब्सिडी नहीं मिलती, जबकि अमेरिका में किसानों को भारी सब्सिडी उपलब्ध कराई जाती है। ऐसे में दोनों देशों के किसानों के बीच प्रतिस्पर्धा समान नहीं हो सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नीति को लागू करने से भारतीय किसान आर्थिक रूप से और अधिक कमजोर होंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि प्रस्तावित कृषि व्यापार नीति समझौते को तत्काल रद्द किया जाए। साथ ही किसानों को खेती की बढ़ती लागत के अनुरूप अधिक सब्सिडी, उचित समर्थन मूल्य तथा आवश्यक सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जाये ताकि किसानों की आय बढ़ सके और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिले।

सीपीएम का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री व केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की सुगौली लोकल कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को स्टेशन चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन कर विरोध-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विभिन्न मुद्दों को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम का नेतृत्व सीपीएम सुगौली लोकल कमेटी के मंत्री एवं पूर्वी चंपारण जिला सचिव मंडल सदस्य कामरेड धनंजय पुरी ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 18 जुलाई को अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुग की गिरफ्तारी लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे लोगों के साथ बलपूर्वक कार्रवाई करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।कामरेड तुफैल अहमद ने व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर भी केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों पर जवाबदेही तय करने के बजाय छात्रों के संसद मार्च पर बल प्रयोग किया गया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों पर गंभीरता से कार्रवाई करने तथा लोकतांत्रिक आंदोलनों का सम्मान करने की मांग की। पुतला दहन कार्यक्रम में कामरेड तुफैल अहमद,अनिल सिंह,रमेश सिंह,ललन चौधरी, शंभु सिंह कुशवाहा,प्रेमचंद सहनी,सुमंत कुमार,राजदेव हाजरा,जगदीश यादव,सुरेश सिंह,विनोद झा, विश्वनाथ साह सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

विधायक माधव आनंद ने ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से सरकार से की त्वरित पहल की मांग, कहा:किसानो का हक और चीनी उद्योग का पुनर्जीवन दोनों जरूरी

नई सोच एक्सप्रेस

» विधायक माधव आनंद ने विधानसभा में किसानो के बकाया भुगतान और लोहट चीनी मिल के पुनरुद्धार की मांग उठाई

मधुबनी/बिहार।मधुबनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक माधव आनंद ने बुधवार को बिहार विधानसभा में ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से मधुबनी की ऐतिहासिक लोहट चीनी मिल के पुनरुद्धार, गन्ना किसानो के वर्षो से लंबित बकाया भुगतान तथा चीनी उद्योग के पुनर्जीवन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।सदन में उन्होंने कहा कि लोहट चीनी मिल कभी मिथिला के हजारों गन्ना किसानों, खेतिहर मजदूरों और स्थानीय युवाओं की आजीविका का प्रमुख आधार थी, लेकिन वर्षोंसे बंद रहने के कारण किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है और क्षेत्र का औद्योगिक विकास भी प्रभावित हुआ है।विधायक ने सरकार से लोहट चीनी मिल के पुनरुद्धार की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा गन्ना किसानों के लंबित बकाया भुगतान का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत की कमाई का समय पर भुगतान उनका अधिकार है और सरकार को इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।मधुबनी विधायक माधव आनंद ने सकरी एवं रैयाम चीनी मिलों को पुनः चालू करने के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय बिहार के चीनी उद्योग के पुनर्जीवन और गन्ना किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होने विश्वास जताया कि सरकार लोहट चीनी मिल के पुनर्जीवन और किसानों के बकाया भुगतान के संबंध में भी जल्द सकारात्मक निर्णय लेगी, जिससे मधुबनी सहित पूरे मिथिला क्षेत्र के किसानो, मजदूरो और युवाओं को लाभ मिलेगा।विधायक ने कहा कि किसानों, मजदूरों, युवाओं और मिथिला के विकास से जुड़े हर मुद्दे को वे सदन से लेकर सड़क तक पूरी मजबूती के साथ उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समृद्ध किसान, सशक्त चीनी उद्योग, समृद्ध मिथिला और विकसित बिहार ही उनका संकल्प है।

सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो वायरल, सुगौली पुलिस ने दो युवकों को किया गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली पुलिस ने गुप्त सूचना एवं सोशल मीडिया पर वायरल हुए फोटो के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो युवकों को अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर दो युवकों की हथियार के साथ तस्वीर वायरल हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।इस संबंध में डीएसपी दिलीप कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुगौली नगर पंचायत के नौवाडीह निवासी अरविंद यादव के पुत्र रोहित कुमार, टुन्नी राम के पुत्र सूरज कुमार के रूप में हुई है। साथ ही हथियार भी बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।डीएसपी ने कहा कि सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार निगरानी रख रही है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

स्थानांतरण उपरांत विदाई समारोह

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली।पीएम श्री राजकीय कृत मध्य विद्यालय राजापाकर के परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रभात कुमार चौधरी ने की। एवं संचालन शिक्षक राजेश कुमार एवं मो० इफ्तिखार अहमद उर्फ पप्पू ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के छात्राओं द्वारा स्वागत गान से हुआ। कार्यक्रम में पूर्व एमडीएम बीआरपी नवल किशोर व लेखापाल राजेश कुमार सिंह को अंग वस्त्र, फुल माला एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं नये एमडीएम बीआरपी प्रवेज आलम एवं लेखापाल राशिद अहमद को अंग वस्त्र, फुल माला स्वागत किया गया। कार्यक्रम को अनेकों वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय का प्रधानाध्यापक प्रभात कुमार चौधरी ने दोनों पदाधिकारी के कार्यों की सराहना की किया। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रारंभिक शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष वकील राय ने बताया कि राजेश कुमार सिंह के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह मृदु भाषी एवं उच्च व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्होंने विषम से विषम परिस्थिति में भी शिक्षकों को मार्गदर्शन किया। तथा कठिन से कठिन कार्य को भी सहजता पूर्वक उन्होंने निष्पादित किया। वक्ताओ ने दोनों पदाधिकारी के स्वास्थ्य एवं दिर्घायु जीवन की कामना की। वही नव पदस्थापित दोनों पदाधिकारी को उपस्थित शिक्षक समाज ने गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। तथा आशा व्यक्त किया कि जिस प्रकार से दोनों पूर्व पदाधिकारी मार्गदर्शन देते रहे हैं एवं कार्य में सहयोग करते रहे हैं। उसे तरह नव पदस्थापित दोनों पदाधिकारी भी सहयोग करेंगे। ज्ञात हो कि लेखपाल राजेश कुमार सिंह का स्थानांतरण चेहरा कालां प्रखंड में हुआ है जबकि एमडीएम बीआरपी नवल किशोर का स्थानांतरण सहदेई प्रखंड में हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रभात कुमार चौधरी, प्रारंभिक शिक्षा संघ के प्रखंड अध्यक्ष वकील राय, प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार, राज वीरेंद्र राय, रविंद्र राय, अर्जुन कुमार, प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष उत्तपलकांत, उपाध्यक्ष राणा अभय कुमार, प्रमोद कुमार सहनी, राजकुमार राय, अजय कुमार, शत्रुघन राम, धर्मेंद्र कुमार, राजेश कुमार, नंदेश कुमार, अरविंद कुमार, केशव नारायण राय आदि उपस्थित थे।

नीट परीक्षा में पारदर्शिता की मांग को लेकर छात्रों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

» कारगिल चौक पर उठी निष्पक्ष परीक्षा की आवाज

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।देशभर में नीट परीक्षा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच बिहार के जहानाबाद में भी छात्रों और युवाओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग उठायी है। शहर के कारगिल चौक पर आयोजित इस प्रदर्शन में छात्रों ने पोस्टर और बैनर के साथ अपनी आवाज बुलंद की और सरकार से प्रतियोगी परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने की अपील की। बुधवार को जहानाबाद के कारगिल चौक पर बड़ी संख्या में छात्र और युवा एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें रखते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार सामने आने वाली अनियमितताओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उनका कहना था कि मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को तभी न्याय मिलेगा, जब परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त होगी। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने किसी प्रकार का हंगामा नहीं किया। वे हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर शांतिपूर्वक नारे लगाते रहे। एक बड़े पोस्टर के माध्यम से छात्रों ने संदेश दिया कि वे अपनी बहनों और आने वाली पीढ़ी के लिए ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहते हैं, जहां सफलता केवल मेहनत और योग्यता के आधार पर मिले, न कि किसी प्रकार की गड़बड़ी या भ्रष्टाचार के कारण किसी का भविष्य प्रभावित हो। हम चाहते हैं कि सभी प्रतियोगी परीक्षाएं पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी हो। मेहनत करने वाले हर छात्र को उसका उचित अधिकार मिले और भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ न हो।" कुछ देर तक चले इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने आम लोगों से भी शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग का समर्थन करने की अपील की। प्रदर्शन समाप्त होने के बाद सभी छात्र शांतिपूर्वक वहां से रवाना हो गए। उल्लेखनीय है कि नीट परीक्षा में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार शांतिपूर्ण प्रदर्शन किये जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

गया में कांग्रेस का विरोध मार्च, पंचायत कर वापस लेने की मांग

गया। जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को जिला अध्यक्ष रजनीश कुमार की अध्यक्षता में बैठक के बाद विरोध मार्च निकाला। इस दौरान विभिन्न प्रखंडों के नवनिर्वाचित अध्यक्षों का सम्मान किया गया और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितताओं, बिहार सरकार के पंचायत कर तथा दिल्ली में कांग्रेस नेताओं और छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया। पार्टी ने 25 जुलाई को जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने की घोषणा की। बैठक के बाद निकाले गए विरोध मार्च के दौरान कलेक्ट्रेट के समीप पुलिस ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, जिन्हें बाद में बेल बॉन्ड पर रिहा कर दिया गया। जिला अध्यक्ष रजनीश कुमार ने कहा कि कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी, किसानों, युवाओं और छात्रों के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेगी। बैठक और मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में आगामी 27 एवं 28 जुलाई को होगा विशेष शिविर का आयोजन

बिहार लोक भवन, पटना के निर्देशानुसार ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में दिनांक 27 एवं 28 जुलाई, 2026 को विश्वविद्यालय के डॉ एपीजे अब्दुल कलाम डब्ल्यूआईटी के 'कल्पना चावला सभागार' में पूर्वाह्न 11:00 से अपराह्न 3:00 बजे के बीच विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कार्यरत एवं सेवानिवृत कर्मियों के लंबित बकाये से संबंधित आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। कार्यरत एवं सेवानिवृत कर्मी अपने आवेदन में वेतन सत्यापन कोषांण से निर्धारित वेतन बिन्दु की प्रति के साथ नाम, पदनाम, कार्यालय का नाम (जहां से वे सेवानिवृत हुए हों), जन्मतिथि, सेवानिवृत्ति की तिथि तथा लंबित बकाये से संबंधित सूचना आदि की जानकारी शामिल हो, के साथ शिविर में जमा कर सकते हैं। कर्मी अपना आवेदन डाक या ई-मेल- fo@ lnmu.ac.in या registrar@ lnmu.ac.in के माध्यम से भी भेज सकते हैं। उक्त विशेष शिविर में कुलसचिव, वित्त पदाधिकारी एवं लेखा शाखा के कर्मी उपस्थित रहेंगे।

सहयोग शिविर से ग्रामीणों की समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान : प्रवीण सिंह

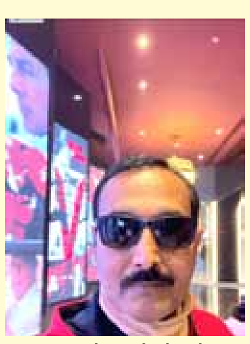

मोतिहारी। बिहार सरकार द्वारा पंचायत स्तर पर आयोजित किए जा रहे सहयोग शिविर की सराहना करते हुए सुगौली प्रखंड के भटहा पंचायत के पूर्व मुखिया एवं प्रखंड मुखिया संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रवीण सिंह उर्फ चुनचुन सिंह ने कहा कि यह पहल ग्रामीण जनता के लिए काफी लाभदायक साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड और जिला मुख्यालय के कई चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध रहने से अधिकांश मामलों का निपटारा शिविर में ही हो जा रहा है। इससे आम लोगों का समय और पैसा दोनों बच रहे हैं तथा सरकारी योजनाओं का लाभ भी पारदर्शी तरीके से मिल रहा है।प्रवीण सिंह ने कहा कि सरकार की इस पहल से ग्रामीणों को राहत मिली है और प्रशासन तथा जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे सहयोग शिविरों का नियमित आयोजन होने से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित होगा।

नियमावली के अनुरूप शिक्षकों की प्रोन्नति सुनिश्चित करने की उठी मांग

छपरा। सारण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों को सम्मानजनक कार्य वातावरण के साथ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। शिक्षक नेता ने कहा कि 2012 की नियमावली के अनुसार शिक्षकों को मिलने वाली प्रोन्नति एवं अन्य मान्य सुविधाओं की प्रक्रिया पहले पूरी की जानी चाहिए। इसके बाद सरप्लस शिक्षकों सहित अन्य संबंधित समस्याओं का विभागीय स्तर पर उचित समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को उनका नियमानुसार अधिकार और सुविधाएं मिलने से उनका मनोबल बढ़ेगा। मौके पर संजय यादव, सत्यनारायण साह, विनोद राय, इंद्रजीत महतो, अनुज यादव, हवलदार मांझी, अनिल दास, निजाम अहमद, रणजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, एहसान अंसारी, अशोक यादव, राहुल रंजन, विनायक यादव, संतोष सिंह, शौकत अली, सुमन कुशवाहा, रविन्द्र ठाकुर, पंकज प्रकाश, फिरोज इकबाल, संजय पांडेय, मिथलेश सिंह सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

सीएचसी मझौलिया में 15 महिलाओं का सफल बंध्याकरण, परिवार नियोजन को मिला बढ़ावा

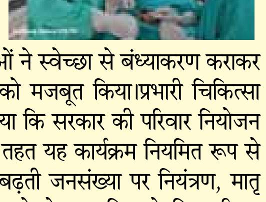

बेतिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मझौलिया में बुधवार को परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत 15 महिलाओं का सफल बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित परिवार नियोजन अभियान के अंतर्गत महिलाओं ने स्वेच्छा से बंध्याकरण कराकर छोटे और स्वस्थ परिवार के संदेश को मजबूत किया।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनुपम प्रसाद ने बताया कि सरकार की परिवार नियोजन एवं जनसंख्या स्थिरीकरण योजना के तहत यह कार्यक्रम नियमित रूप से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार तथा परिवार के बेहतर भविष्य के लिए परिवार नियोजन के साधनों को अपनाना आवश्यक है।उन्होंने बताया कि ऑपरेशन से पहले सभी महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई तथा चिकित्सकीय मानकों का पालन करते हुए सुरक्षित तरीके से बंध्याकरण किया गया। ऑपरेशन के बाद महिलाओं को आवश्यक दवाएं, परामर्श एवं देखभाल संबंधी निर्देश भी दिए गए।स्वास्थ्य विभाग ने अधिक से अधिक पात्र दंपतियों से परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों की जानकारी लेकर अपनी आवश्यकता के अनुसार विकल्प अपनाने की अपील की है। कार्यक्रम के सफल संचालन में सीएचसी के चिकित्सकों, एएनएम, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय भूमिका रही।

जिला जनगणना हस्तपुस्तिका निर्माण को लेकर क्षेत्र पदाधिकारियों का प्रशिक्षण शुरू

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। आगामी जनगणना को लेकर जिला जनगणना हस्तपुस्तिका निर्माण के लिए क्षेत्र पदाधिकारियों का प्रशिक्षण बुधवार को जिला अतिथि गृह के सभागार एवं मीटिंग हॉल में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन जिला जनगणना अधिकारी सह अपर समाहर्ता मुकेश कुमार ने किया। प्रथम दिन दरियापुर एवं मांझी के क्षेत्र पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। एडीएम ने कहा कि जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के निर्माण में क्षेत्र पदाधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। राजस्व ग्रामों के विकास की योजनाएं तैयार करने के लिए सटीक एवं विश्वसनीय आंकड़े आवश्यक हैं। उन्होंने प्रशिक्षण मैनुअल का गहन अध्ययन करने और आगामी एक अगस्त से शुरू होने वाले क्षेत्रीय कार्य के दौरान सही आंकड़े एकत्र करने का निर्देश दिया। जनगणना निदेशालय के सहायक निदेशक रवि रंजन ने बताया कि 1951 से जिला जनगणना हस्तपुस्तिका का निर्माण किया जा रहा है। इसमें ग्राम एवं नगर स्तर पर शिक्षा, रोजगार, सड़क सहित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्र की जाती हैं। उन्होंने बताया कि डीसीएचबी निर्माण के लिए ग्राम स्तर पर करीब 400 और नगर स्तर पर 420 प्रकार के आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। एसएलएमटी सह भूमि सुधार उप समाहर्ता आलोक राज ने बताया कि पहली बार यह कार्य डिजिटल मोड में किया जाएगा। डेटा संग्रह मोबाइल ऐप के माध्यम से होगा। जिला नोडल अदिति आनंद ने बताया कि एक अगस्त से 31 अगस्त तक क्षेत्र पदाधिकारी राजस्व ग्राम एवं नगर क्षेत्रों में डेटा संग्रह करेंगे। इस दौरान मोबाइल ऐप के संचालन का प्रैक्टिस भी कराया गया। इस अवसर पर जिला जनगणना कोषांग के सुनील कुमार, प्रवीण कुमार, विजयेंद्र कुमार विजय,राकेश कुमार सिन्हा, संतोष कुमार, डॉ विनय प्रताप, अरुण कुमार सिंह, अरविंद कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह, अजीत सिंह उपस्थित रहे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विद्यालय में पौधारोपण

नई सोच एक्सप्रेस

परबत्ता (खगड़िया)। परबत्ता प्रखंड के मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के शिक्षकों, यूथ क्लब और इको क्लब के सदस्यों ने परिसर में फूल एवं तुलसी के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का संदेश दिया। प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान ने बताया कि विद्यालय में पोषण वाटिका विकसित की जाएगी तथा प्रत्येक पौधे के साथ उसे लगाने वाले का नाम अंकित किया जाएगा। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि यह अभियान केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि मां के सम्मान और प्रकृति संरक्षण का प्रतीक है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। शिक्षक निरंजन कुमार ने कहा कि मां और प्रकृति दोनों जीवन का आधार हैं, इसलिए इस मानसून में सभी को कम से कम एक पौधा अपनी मां के नाम अवश्य लगाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने पौधों की नियमित देखभाल तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

तिलावे नदी का तटबंध टूटने से सैकड़ों एकड़ धान की फसल बर्बाद, निजी खर्च से शुरू हुई मरम्मत

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। रामगढ़वा प्रखंड के उचिभटिया गांव में तिलावे नदी का तटबंध टूट जाने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। तटबंध टूटने के कारण सैकड़ों एकड़ में लगी धान की फसल और बिचड़े जलमग्न होकर बर्बाद हो गए हैं। वहीं पानी के साथ आए बालू से करीब 50 एकड़ कृषि भूमि बालू से पट गई है, जबकि सैकड़ों एकड़ खेत तेज बहाव के कारण तालाब में तब्दील हो गए हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार तिलावे नदी पर लघु सिंचाई विभाग द्वारा बनाए गए स्लुइस गेट की लंबे समय से सफाई नहीं कराई गई थी। गेट पर जलकुंभी और गाद जमा होने के कारण बारिश के दौरान पानी की निकासी बाधित हो गई। इससे तटबंध पर अत्यधिक दबाव बना और अंततः तटबंध टूट गया, जिससे आसपास के खेतों में बाढ़ का पानी फैल गया।घटना की सूचना मिलने के बाद प्रखंड स्तरीय अधिकारियों, रक्सौल के एसडीओ, मनरेगा एवं लघु सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि निरीक्षण के बावजूद सरकारी स्तर पर तटबंध की मरम्मत के लिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।मंगलपुर पटनी पंचायत के मुखिया अशोक कुमार सिंह ने बताया कि तटबंध टूटने से पटनी, शिवनगर और बैरिया पंचायत के बड़े भूभाग में जलजमाव हो गया है, जिससे किसानों की धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों द्वारा मरम्मत कार्य शुरू नहीं किए जाने के कारण अब निजी कोष से स्लुइस गेट पर जमी जलकुंभी की सफाई और तटबंध की मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। इस कार्य में स्थानीय ग्रामीण भी बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं।मुखिया ने प्रशासन से शीघ्र तटबंध की स्थायी मरम्मत, जल निकासी की समुचित व्यवस्था तथा प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।

प्रधानमंत्री आवास के बाहर राहुल गांधी का ऐतिहासिक संघर्ष, देश की सबसे बुलंद आवाज हैं - कामरान हुसैन

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। बिहार प्रदेश कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष और सोशल मीडिया विभाग के सह प्रभारी कामरान हुसैन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि देश की राजनीति में ऐसे क्षण बहुत कम आते हैं, जब कोई नेता सत्ता के सबसे शक्तिशाली केंद्र के सामने बैठकर सीधे जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ने का निर्णय लेता है। छात्रों के समर्थन में प्रधानमंत्री आवास के बाहर राहुल गांधी का धरना ऐतिहासिक बन गया है। पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था और छात्रों के भविष्य को लेकर देशभर में उठ रहे आक्रोश के बीच राहुल गांधी ने छात्रों के साथ खड़े होकर स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में युवाओं की आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता। प्रधानमंत्री आवास के बाहर जाकर धरना देना राहुल गांधी के राजनीतिक साहस का सबसे बड़ा उदाहरण है। यह दर्शाता है कि राहुल गांधी केवल संसद के भीतर भाषण देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जनता के मुद्दों के लिए सत्ता के सर्वोच्च केंद्र तक जाने का साहस रखते हैं। इसे भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष की एक ऐतिहासिक राजनीतिक कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। धरने के दौरान राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की हुई। उन्हें घसीटा गया, समाचार रिपोर्टों और वायरल तस्वीरों में उनकी नाक से खून निकलता हुआ साफ दिखाई दे रहा है। मोदी सरकार की इतनी बर्बरता के बावजूद राहुल गांधी ने पीछे हटने से इनकार कर दिया और छात्रों के लिए न्याय की मांग पर डटे रहे। जब देश के लाखों छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं, तब विपक्ष के नेता का उनके साथ सड़क पर उतरना लोकतंत्र की मूल भावना को मजबूत करता है। राहुल गांधी का यह संघर्ष कोई एक दिन की राजनीति नहीं है। भारत जोड़ो यात्रा से लेकर बेरोज़गारी, महंगाई, किसानों, खिलाड़ियों, सामाजिक न्याय और पेपर लीक जैसे मुद्दों तक वह लगातार सरकार से जवाब मांगते रहे हैं। उन्होंने बार-बार कमज़ोर वर्गों की आवाज़ उठायी है, जिनकी आवाज़ सत्ता तक नहीं पहुंची पायी है।लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है बल्कि जनता के अधिकारों की रक्षा करने का भी नाम है। आखिर वो कौन लोग हैं जिनका चेहरा पुलिस वर्दी पहने सोशल मीडिया पर वायरल है? इसकी जांच कौन करेगा? इतनी बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज और सूट एंड साईट का आदेश देकर फिर एक बार जालियां वाला बाग बनाने का प्रयास किस का है? लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व होता है की वह देश की जनता का बुलन्द आवाज बनकर सरकार से सीधे संवाद करें।

जयनगर में एसएसबी की अंतर- वाहिनी खेल प्रतियोगिता का आगाज, पांच वाहिनियो के खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

नई सोच एक्सप्रेस

» पांच टीमों के खिलाड़ी ले रहे भाग, खेल भावना व अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन का आह्वान

मधुबनी। जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर परिसर में बुधवार को अंतर-वाहिनी बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता- 2026 का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह की शुरुआत वंदे मातरम् की प्रस्तुति और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कमांडेंट राजेन्द्र कुमार ने प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए खिलाड़ियों से खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया।प्रतियोगिता में क्षेत्रक मुख्यालय एसएसबी, मुजफ्फरपुर के अलावा 20वीं, 48वीं, 51वीं और 71वीं वाहिनी की कुल पांच टीमें हिस्सा ले रही हैं। समारोह में द्वितीय- कमान-अधिकारी, अन्य अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, खिलाड़ी तथा विभिन्न वाहिनियों से आए प्रतिभागी मौजूद रहे। कमांडेंट राजेन्द्र कुमार ने कहा कि खेल केवल शारीरिक और मानसिक क्षमता का विकास ही नहीं करते, बल्कि टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आपसी समन्वय को भी मजबूत बनाते हैं। प्रतियोगिता के पीठासीन अधिकारी उप कमांडेंट विमल गुप्ता ने प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं अधिकारी वर्ग तथा अधीनस्थ अधिकारी एवं अन्य रैंक के लिए अलग-अलग वर्गों में आयोजित की जा रही हैं। बैडमिंटन के मुकाबले 21 अंकों तथा टेबल टेनिस के मैच 11 अंकों के होंगे। सभी मुकाबले बेस्ट ऑफ थ्री सेट के आधार पर खेले जाएंगे, जबकि समग्र चैंपियनशिप का फैसला निर्धारित अंक प्रणाली के अनुसार किया जाएगा। समारोह के अंत में द्वितीय- कमान-अधिकारी हरेन्द्र सिंह ने सभी प्रतिभागी टीमों, अधिकारियों, निर्णायक मंडल एवं आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। उद्घाटन समारोह के बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बैडमिंटन और टेबल टेनिस प्रतियोगिता के मुकाबले शुरू हो गए।

डीएम और एसपी ने वेयरहाउस की स्थिति की जानकारी हेतु ई.वी.एम.वेयरहाउस का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी छिरिड• वाई भूटिया और पुलिस अधीक्षक के.किरण कुमार ने संयुक्त रुप से जहानाबाद जिला अंतर्गत ई.वी.एम. वी.वी. पैट वेयरहाउस का मासिक बाह्य निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की स्थिति, साफ-सफाई एवं रख-रखाव का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक के साथ साथ निदेशक, डी. आर. डी. ए. डॉ.रोहित कुमार मिश्रा, जिला अग्निशमन पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी, ई.वी.एम./वी.वी.पैट वेयरहाउस राहुल कुमार, कार्यपालक अभियंता, विद्युत प्रमंडल सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जहानाबाद में ओपीडी सेवा रही बंद अरवल सिविल सर्जन के समर्थन में

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। अरवल जिले के सिविल सर्जन डॉ.राजकिशोर प्रसाद के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार और चिकित्सक पर हमले के विरोध में बुधवार को जहानाबाद सदर अस्पताल में एक दिवसीय ओपीडी सेवा का बहिष्कार किया गया। बिहार स्वास्थ्य सेवा संघ के आह्वान पर सिविल सर्जन के नेतृत्व में डॉक्टरों ने ओपीडी बंद रखकर विरोध जताया जबकि मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इमरजेंसी, प्रसूति एवं शिशु रोग विभाग की सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होती रहीं। अस्पताल परिसर में डॉक्टरों ने चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। अस्पताल में लगाए गए पोस्टर के माध्यम से भी चिकित्सकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का संदेश दिया गया। ओपीडी सेवा बंद रहने के कारण इलाज कराने पहुंचे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई मरीज बिना इलाज कराये वापस लौटते नजर आये। मरीजों का कहना था कि उन्हें पहले से इस बंद की जानकारी नहीं थी। कुछ मरीजों ने बताया कि डॉक्टर ने उन्हें आज दोबारा आने के लिए कहा था लेकिन अस्पताल पहुंचने पर ओपीडी बंद मिली। उनका कहना था कि यदि एक दिन पहले इसकी सूचना मिल जाती, तो वह किसी दूसरे अस्पताल में इलाज करा लेते और अनावश्यक परेशानी से बच जाते। वहीं जहानाबाद सदरअस्पताल कार्यकारी अधीक्षक डॉ चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि अरवल के सिविल सर्जन के साथ हुई घटना के विरोध में केवल ओपीडी सेवा का बहिष्कार किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों की गंभीर जरूरतों को देखते हुए इमरजेंसी सेवा, प्रसूति वार्ड, शिशु रोग विभाग सहित सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं पूर्ववत चालू रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है तथा दोषियों के विरुद्ध शीघ्र और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। डॉक्टरों के इस एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन का असर सबसे अधिक ओपीडी में इलाज कराने पहुंचे मरीजों पर देखने को मिला। हालांकि अस्पताल प्रशासन की ओर से यह सुनिश्चित किया गया कि इमरजेंसी और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि यदि चिकित्सकों की सुरक्षा को लेकर प्रभावी कदम नहीं उठाए गये तो आगे आंदोलन और तेज किया जा सकता है।

डीआरसीसी मुजफ्फरपुर में विदाई सह सम्मान समारोह, संध्या कुमारी ने संभाला जिला निबंधन प्रबंधक का पदभार

नई सोच एक्सप्रेस

मुजफ्फरपुर। जिला परामर्श एवं निबंधन केंद्र (डीआरसीसी), मुजफ्फरपुर में बुधवार को निवर्तमान जिला निबंधन प्रबंधक मनोज कुमार प्रधान के सम्मान में विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कार्यालय के अधिकारियों और कर्मियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए अंगवस्त्र, बुके और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि मनोज कुमार प्रधान के नेतृत्व में केंद्र ने स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) और अन्य युवा कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। कर्मचारियों ने उनके सरल, मिलनसार और कार्यकुशल व्यक्तित्व की प्रशंसा की। इस अवसर पर नवपदस्थापित जिला निबंधन प्रबंधक संध्या कुमारी ने विधिवत रूप से मनोज कुमार प्रधान से पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उनका कार्यालय परिवार ने गर्मजोशी से स्वागत किया। संध्या कुमारी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विशेषकर स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) और स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ पारदर्शिता और तत्परता के साथ अधिक से अधिक पात्र युवाओं तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने सभी कर्मियों से टीम भावना और बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (परियोजना एवं लेखा) रूना श्री ने किया। उन्होंने निवर्तमान प्रबंधक के कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए नई जिला निबंधन प्रबंधक का स्वागत किया। समारोह के अंत में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने मनोज कुमार प्रधान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए संध्या कुमारी को नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डीआरसीसी के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संसद या सियासी अखाड़ा?

विचारधारा, नीति, कार्यक्रम, चुनाव घोषणापत्र आदि का आज क्या औचित्य रह गया है? अगर ये राजनीति के प्रेरक तत्व ना रहें, तो फिर पहलवानी के अखाड़े और संसद के बीच क्या फर्क रह जाएगा? मानसून सत्र की शुरुआत के साथ संसद का नज़ारा कुछ बदला नजर आएगा। यह संभवतः पहला मौका है, जब बिना चुनाव हुए सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के संख्या बल में गुणात्मक बदलाव हुआ दिखेगा। बजट सत्र के बाद तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) बड़ी टूट-फूट हो चुकी है, जबकि एनसीपी (शरद पवार गुट) के रुख में बदलाव के संकेत मिले हैं। इससे बिना नया जनादेश आए ही सत्ताधारी एनडीए मजबूत हो गया है। इस हद तक कि अभी दो महीने पहले लोकसभा सीटों के परिसीमन के मकसद से लाया गया जो विधेयक गिर गया था, सत्ता पक्ष उसे फिर से लाने की तैयारी में दिखा है। इसी तरह विवादास्पद विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025 और गिरफ्तारी होने पर 30 दिन के अंदर मुख्यमंत्री/ मंत्री पद खत्म करने का प्रावधान करने वाले विधेयक को भी लाने की चर्चा थी (जिसका इरादा शायद टाल दिया है)। पिछले सत्र तक इन विधेयकों के पारित होने की संभावना बेहद कमजोर थी। अभी भी इनके लिए सरकार संख्या बल का पूरा इंतजाम नहीं कर पाई है, लेकिन कुछ और जोड़-तोड़ में कामयाब रही, तो इनके पारित होने की संभावना बन सकती है। मगर यही समस्या है। वह संभावना 2024 में आए जनादेश की भावना के विपरीत होगी। मुद्दा है कि दांव-पेच से जनादेश की भावना को इस तरह धता बताने का चलन आम हो जाता है, तो फिर विचारधारा, नीति, कार्यक्रम, चुनाव घोषणापत्र आदि का क्या औचित्य रह जाएगा? ये राजनीति के प्रेरक तत्व ना रहें, तो फिर पहलवानी के अखाड़े में होने वाली जोर-आजमाईश और संसदीय प्रक्रियाओं के बीच क्या फर्क रहेगा? क्या उसके बाद भी संसद को बहस के जरिए अधिकतम संभव सहमति निर्माण का मंच माना जा सकेगा? दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में इन प्रश्नों के उत्तर लगातार नकारात्मक होते गए हैं। संसद शोर, हंगामे, वॉकआउट, बहिष्कार, और कई बार तो शारीरिक बल के जरिए झड़पों का स्थल बनती चली गई है। नतीजतन, अधिवेशनों से पहले गंभीर बहस से ज्यादा अपेक्षा टकराव और तू तू-मैं- मैं की रहने लगी है। मानसून सत्र के पहले भी राजनीतिक क्षितिज पर यही माहौल हावी नजर आया है।

गांवों का समग्र विकास ही विकसित भारत की मजबूत नींव

आरती कुमारी

महात्मा गांधी ने कहा था, "भारत की आत्मा गांवों में बसती है।" यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता आंदोलन के समय था। भारत की पहचान केवल उसके महानगरों, औद्योगिक शहरों और आधुनिक तकनीक से नहीं बनती, बल्कि उन लाखों गांवों से बनती है जहां आज भी देश की बड़ी आबादी निवास करती है। कृषि, पशुपालन, कुटीर उद्योग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था आज भीकरोड़ों लोगों के जीवन का आधारहैं। यदि गांव मजबूत होंगे तो देश मजबूत होगा, लेकिन यदि गांव बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहेंगे तो विकास का सपना अधूरा ही रहेगा। पिछले कुछ वर्षों में ग्रामीण विकास को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों ने अनेक योजनाएं शुरू की हैं। बिजली, सड़क, पेयजल, आवास, शौचालय, स्वास्थ्य और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बावजूद अनेक गांव ऐसे हैं जहां विकास का लाभ पूरी तरह नहीं पहुंच पाया है। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले का चरकोरिया गांव इसी वास्तविकता का एक उदाहरण है। यहां कई बुनियादी सुविधाओं का अभाव ग्रामीणों के दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। यह केवल एक गांव की कहानी नहीं, बल्कि उन हजारों गांवों की स्थिति को सामने लाती है जहां योजनाएं तो पहुंची हैं, लेकिन उनका प्रभाव अभी अधूरा है। ग्रामीण विकास का अर्थ केवल भवन निर्माण या योजनाओं की घोषणा नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य गांव के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार लाना है। यदि किसी गांव में पक्की सड़क नहीं है, पुल नहीं है, बिजली नियमित नहीं मिलती, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था अधूरी है, स्वास्थ्य सेवाएं कमजोर हैं और बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध नहीं है, तो वहां विकास की तस्वीर अधूरी ही कही जाएगी। चरकोरिया गांव में भी ग्रामीणों को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। गांव के कुछ हिस्सों तक जाने वाली सड़कें अभी भी जर्जर हैं। बरसात के मौसम में कीचड़ और जलभराव के कारण आवागमन कठिन हो जाता है। कई जगहों पर पुलों के अभाव में लोगों को लंबा रास्ता तय करना पड़ता है। इसका सबसे अधिक असर किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों और गर्भवती महिलाओं पर पड़ता है। समय पर अस्पताल पहुंचना कई बार चुनौती बन जाता है, जबकि किसानों की उपज भी समय पर बाजार तक नहीं पहुंच पाती। बिजली ग्रामीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुकी है। आज खेती से लेकर शिक्षा और छोटे व्यवसाय तक बिजली पर निर्भर हैं। हालांकि बिहार में विद्युत पहुंच का दायरा पिछले वर्षों में तेजी से बढ़ा है, लेकिन कई गांवों में आज भी नियमित आपूर्ति नहीं हो पाती। चरकोरिया जैसे गांवों में बार-बार बिजली कटने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है। छोटे दुकानदार, वेल्डिंग, आटा चक्की, सिलाई-कढ़ाई और अन्य घरेलू उद्योग भी इससे प्रभावित होते हैं। डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन सेवाओं का लाभ भी नियमित बिजली के बिना संभव नहीं है। स्वच्छ पेयजल किसी भी समाज के स्वास्थ्य की आधारशिला है। जल जीवन मिशन के तहत बिहार में बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवारों तक नल का जल पहुंचा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019 में जहां केवल लगभग 1 से 2 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की सुविधा थी, वहीं वर्ष 2025 तक यह बढ़कर 97 प्रतिशत से अधिक परिवारों तक पहुंच गई। यह निश्चित रूप से बड़ी उपलब्धि है। लेकिन केवल पाइपलाइन बिछा देना पर्याप्त नहीं है। कई स्थानों पर जलापूर्ति की नियमितता, पानी की गुणवत्ता और रखरखाव अब भी चिंता का विषय बने हुए हैं। जहां स्वच्छ पानी नहीं पहुंचता, वहां जलजनित बीमारियों का खतरा बना रहता है। ग्रामीण सड़कें केवल परिवहन का माध्यम नहीं बल्कि विकास की धुरी हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से बिहार में हजारों किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण हुआ है। इससे अनेक गांवों को सर्व मौसम सड़क संपर्क मिला है। फिर भी कुछ गांव ऐसे हैं जहां सड़कें अधूरी हैं या उनकी गुणवत्ता कमजोर है। यदि सड़क बनी है लेकिन पुल नहीं है, तो उसका लाभ सीमित रह जाता है। यदि सड़क है लेकिन बरसात में टूट जाती है, तो विकास का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता। इसलिए निर्माण के साथ-साथ गुणवत्ता और रखरखाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। शिक्षा किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की संख्या बढ़ी है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब भी चुनौती बनी हुई है। कई सरकारी विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों की कमी है तथा डिजिटल शिक्षा के संसाधन सीमित हैं। बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए शहरों की ओर जाना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह संभव नहीं हो पाता। परिणामस्वरूप ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच का अंतर बना रहता है। यदि गांवों में प्रशिक्षित शिक्षक, आधुनिक पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई जाए तो बच्चों का भविष्य अधिक उज्ज्वल हो सकता है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण पैमाना है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना के बावजूद कई गांवों में डॉक्टरों, दवाइयों और आवश्यक उपकरणों की कमी बनी रहती है। गंभीर मरीजों को जिला मुख्यालय या बड़े अस्पतालों तक ले जाना पड़ता है। यदि सड़कें खराब हों तो यह समस्या और गंभीर हो जाती है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना, नियमित टीकाकरण, पोषण कार्यक्रम और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बना सकता है। ग्रामीण महिलाओं की भूमिका गांव की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। रोजगार के सीमित अवसरों के कारण लाखों युवा अपने गांव छोड़कर महानगरों या अन्य राज्यों में काम करने जाते हैं। इससे गांव की उत्पादक शक्ति कमजोर होती है और परिवार सामाजिक रूप से भी प्रभावित होते हैं। यदि गांवों में कृषि आधारित उद्योग, डेयरी, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, हस्तशिल्प, डिजिटल सेवा केंद्र और कौशल विकास संस्थान स्थापित किए जाएं तो स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे पलायन कम होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। बिहार सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 और विभिन्न सरकारी रिपोर्टों से स्पष्ट है कि पिछले दशक में ग्रामीण सड़क, बिजली और पेयजल के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाखों गरीब परिवारों को पक्के घर मिले हैं। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस का विस्तार हुआ है। शौचालय निर्माण से स्वच्छता अभियान को मजबूती मिली है। डिजिटल इंडिया अभियान के कारण पंचायत स्तर तक इंटरनेट और ऑनलाइन सेवाओं का दायरा बढ़ा है। यह उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक समान रूप से पहुंचे, यही सबसे बड़ी चुनौती है। विकास केवल औसत आंकड़ों से नहीं मापा जा सकता। किसी राज्य का औसत बेहतर होने का अर्थ यह नहीं कि हर गांव विकसित हो चुका है। जब तक चरकोरिया जैसे गांवों की समस्याएं दूर नहीं होंगी, तब तक विकास की तस्वीर पूरी नहीं मानी जा सकती। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता, सामाजिक निगरानी और जनभागीदारी को प्राथमिकता देना आवश्यक है। पंचायतों को अधिक अधिकार, पर्याप्त संसाधन और तकनीकी सहयोग देकर स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों की गुणवत्ता बेहतर बनाई जा सकती है। आज समय की मांग है कि ग्रामीण विकास को केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यावरण, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा को भी समान महत्व दिया जाए। गांवों में इंटरनेट आधारित सेवाएं, ई-गवर्नेंस, ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन और डिजिटल भुगतान जैसी सुविधाएं तेजी से पहुंचाई जाएं। कृषि में आधुनिक तकनीक, सिंचाई, भंडारण और बाजार व्यवस्था को मजबूत किया जाए ताकि किसानों की आय में वास्तविक वृद्धि हो सके। ग्रामीण विकास में जनता की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। यदि स्थानीय लोग योजनाओं की निगरानी करें, पंचायतें पारदर्शी तरीके से काम करें और प्रशासन नियमित समीक्षा करे, तो विकास कार्य अधिक प्रभावी होंगे। जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और ग्रामीण समुदाय के बीच बेहतर समन्वय से ही विकास की योजनाएं जमीन पर सफल हो सकती हैं। अंततः यह समझना होगा कि भारत का भविष्य गांवों के भविष्य से जुड़ा हुआ है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब प्रत्येक गांव में अच्छी सड़कें, मजबूत पुल, नियमित बिजली, स्वच्छ पेयजल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं और सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध होंगे। चरकोरिया जैसे गांव हमें याद दिलाते हैं कि विकास की यात्रा अभी पूरी नहीं हुई है। योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। गांवों को आत्मनिर्भर, समृद्ध और आधुनिक बनाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय समुदाय की साझा जिम्मेदारी है। जब विकास की नीतियां स्थानीय जरूरतों के अनुरूप बनेंगी, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित होगी, युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को बुनियादी ढांचे के साथ समान प्राथमिकता मिलेगी, तभी भारत का गांव वास्तव में सशक्त बनेगा। और जब गांव सशक्त होंगे, तभी भारत एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के रूप में दुनिया के सामने अपनी नई पहचान स्थापित कर सकेगा।

लोकतंत्र - विरोध का अधिकार या अराजकता का विस्तार?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता की उस स्वतंत्रता में निहित होती है, जिसके माध्यम से वह अपनी असहमति व्यक्त कर सके, सरकार की नीतियों पर प्रश्न उठा सके और आवश्यकता पड़ने पर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज करा सके। यही कारण है कि भारत संविधान ने नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा करने का अधिकार तथा संगठन बनाने का अधिकार प्रदान किया है। इन अधिकारों के बिना लोकतंत्र केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था बनकर रह जाएगा, जिसमें जनता की भागीदारी सीमित हो जाएगी। संविधान ने अधिकारों के साथ-साथ उनकी सीमाएँ भी निर्धारित की हैं। किसी भी अधिकार का उद्देश्य दूसरे नागरिक के अधिकारों का हनन करना नहीं हो सकता। यदि विरोध के नाम पर सड़कें स्थायी रूप से बंद कर दी जाएँ, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाया जाए, पुलिस या प्रशासन पर हमला किया जाए अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित किया जाए, तो वह लोकतांत्रिक विरोध नहीं है, बल्कि कानून-व्यवस्था की चुनौती बन जाता है। यही वह बिंदु है जहाँ राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी प्रारंभ होती है। हाल के वर्षों में देश ने अनेक बड़े आंदोलन देखे हैं। कुछ आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहे और उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत किया, जबकि कुछ ऐसे भी रहे जहाँ आंदोलन धीरे-धीरे अपने मूल उद्देश्य से भटककर हिंसा, टकराव और अराजकता का रूप लेते दिखाई दिए। प्रत्येक ऐसी घटना के बाद वही प्रश्न फिर सामने आता है- लोकतंत्र में विरोध की सीमा क्या है? सरकार को कितनी सहनशीलता दिखानी चाहिए और कब कठोर कार्रवाई आवश्यक हो जाती है? इसी संदर्भ में राजधानी दिल्ली में जंतर-मंतर से शुरू हुआ हालिया घटनाक्रम व्यापक चर्चा का विषय बन गया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान जब प्रदर्शनकारियों का एक समूह निर्धारित क्षेत्र से आगे बढ़ते हुए संसद की ओर कूच करने लगा, तब प्रशासन ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। प्रारंभिक स्तर पर समझाइश, बैरिकेडिंग और चेतावनी जैसे उपाय अपनाए गए, लेकिन स्थिति तेजी से तनावपूर्ण होती चली गई। देखते ही देखते टकराव, धक्का-मुक्की, पत्थरबाजी, लाठीचार्ज और आंसू गैस के प्रयोग तक बात पहुँच गई। कई लोगों को हिरासत में लिया गया और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए। घटनाओं के अलग-अलग पक्षों की अपनी-अपनी व्याख्या हो सकती है, किंतु इतना स्पष्ट है कि किसी भी लोकतंत्र के लिए ऐसी स्थिति चिंताजनक होती है। इस प्रकार की घटनाएँ केवल प्रशासनिक चुनौती नहीं होती है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति की भी परीक्षा होती हैं। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना आवश्यक है, किंतु उतना ही आवश्यक यह भी है कि विरोध अपनी वैधानिक सीमाओं के भीतर रहे। यदि विरोध का स्वरूप ऐसा हो जाए कि संसद, न्यायालय, अस्पताल, स्कूल, सार्वजनिक परिवहन या सामान्य नागरिकों का जीवन प्रभावित होने लगे, तो लोकतांत्रिक अधिकार और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बिगड़ जाता है। भारत का संविधान अनुच्छेद 19(1)(क) के अंतर्गत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 19(1)(ख) के अंतर्गत शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। किंतु अनुच्छेद 19(2) और 19(3) यह भी स्पष्ट करते हैं कि सार्वजनिक व्यवस्था, राज्य की सुरक्षा, नैतिकता तथा देश की अखंडता के हित में इन अधिकारों पर युक्तिसंगत प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। अर्थात संविधान स्वयं यह स्वीकार करता है कि स्वतंत्रता पूर्णतः निरंकुश नहीं हो सकती है। यही कारण है कि किसी भी आंदोलन के लिए प्रशासन अनुमति, स्थान, समय और मार्ग निर्धारित करता है। इन नियमों का उद्देश्य आंदोलन को रोकना नहीं है, बल्कि उसे व्यवस्थित बनाए रखना होता है ताकि आम नागरिकों के अधिकार भी सुरक्षित रहे। यदि कोई समूह इन निर्धारित सीमाओं को तोड़कर संवेदनशील क्षेत्रों की ओर बढ़ता है या सुरक्षा घेरा भेदने का प्रयास करता है, तो प्रशासन के पास हस्तक्षेप करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पुलिस की भूमिका भी अत्यंत कठिन होती है। एक ओर उसे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी होती है, दूसरी ओर कानून-व्यवस्था भी बनाए रखनी होती है। यदि पुलिस समय रहते हस्तक्षेप न करे और हिंसा फैल जाए, तो उसकी आलोचना होती है, यदि वह बल प्रयोग करे, तो भी उसके निर्णय पर प्रश्न उठते हैं। इसलिए प्रत्येक कार्रवाई की वैधता इस बात पर निर्भर करती है कि परिस्थितियाँ क्या थी, बल प्रयोग कितना आवश्यक था और क्या उससे पहले संवाद तथा अन्य शांतिपूर्ण उपायों का पूरा प्रयास किया गया था। विरोध प्रदर्शनों की एक बड़ी चुनौती यह भी है कि उनमें शामिल प्रत्येक व्यक्ति समान उद्देश्य लेकर नहीं आता है। प्रारंभिक आयोजकों की मंशा शांतिपूर्ण हो सकती है, लेकिन जैसे-जैसे भीड़ बढ़ती है, विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक अथवा अवसरवादी तत्व उसमें शामिल हो जाते हैं। कई बार ऐसे लोग आंदोलन का उपयोग अपने अलग एजेंडे के लिए करने लगते हैं। परिणामस्वरूप आंदोलन का स्वरूप बदल जाता है और नेतृत्व भीड़ पर अपना नियंत्रण खो बैठता है। इतिहास गवाह है कि अनेक आंदोलनों में हिंसा की शुरुआत उन्हीं परिस्थितियों में हुई जब नेतृत्व और भीड़ के बीच संवाद समाप्त हो गया। ऐसे समय में सबसे अधिक नुकसान उन लोगों को होता है जो केवल अपनी बात रखने के उद्देश्य से आंदोलन में शामिल हुए थे। वे न तो हिंसा चाहते हैं और न ही कानून तोड़ना, लेकिन भीड़ का हिस्सा बनने के कारण वे भी पुलिस कार्रवाई, गिरफ्तारी या लंबी कानूनी प्रक्रिया का सामना करने को विवश हो जाते हैं। कई निर्दोष लोग वर्षों तक अदालतों के चक्कर लगाते रहते हैं, जबकि वास्तविक उपद्रवी अक्सर भीड़ का लाभ उठाकर निकल जाते हैं। लोकतंत्र में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विरोध का अधिकार सुरक्षित रहे, लेकिन अराजकता को वैधता न मिले। यदि हर आंदोलन हिंसक होने लगे, तो सरकारें कठोर होती जाएँगी और यदि हर सरकारी कार्रवाई को दमन कहकर खारिज कर दिया जाए, तो कानून का शासन कमजोर पड़ जाएगा। दोनों ही स्थितियाँ लोकतंत्र के लिए घातक हैं। महात्मा गांधी ने सत्याग्रह को केवल विरोध का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मानुशासन का मार्ग माना था। उनके लिए आंदोलन की सफलता भीड़ की संख्या से नहीं, बल्कि उसके नैतिक बल से तय होती थी। गांधीजी का मानना था कि आंदोलनकारी स्वयं कानून का सम्मान करेगा, हिंसा से दूर रहेगा और अपने आचरण से समाज का विश्वास अर्जित करेगा। यही कारण है कि उनके नेतृत्व में हुए अधिकांश आंदोलनों ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया और नैतिक शक्ति के आधार पर सत्ता को झुकने के लिए विवश किया।

भारतीय मजदूर संघ : राष्ट्रहित, श्रमहित और उद्योगहित की 71 वर्ष की प्रेरणादायी यात्रा

आचार्य अशोक चौधरी "प्रियदर्शी"
कटिहार, बिहार

भारत के श्रमिक आंदोलन का इतिहास केवल वेतन, बोनस और सेवा-शर्तों के संघर्ष का इतिहास नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण, सामाजिक न्याय, आर्थिक प्रगति और श्रम की गरिमा की सतत यात्रा का भी इतिहास है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में औद्योगिकीकरण के विस्तार के साथ श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से अनेक केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का गठन हुआ। इन संगठनों ने अपने-अपने स्तर पर श्रमिक हितों के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया, किंतु समय के साथ अधिकांश संगठन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से विभिन्न राजनीतिक दलों अथवा वैचारिक धाराओं से जुड़ते चले गए। अनेक अवसरों पर श्रमिकों के मूल प्रश्न राजनीतिक प्राथमिकताओं के पीछे छूटते दिखाई दिए। ऐसे वातावरण में एक ऐसे श्रमिक संगठन की आवश्यकता अनुभव की गई, जो भारतीय संस्कृति, राष्ट्रचेतना, सामाजिक समरसता और श्रमिक सम्मान को आधार बनाकर पूर्णतः स्वतंत्र एवं स्वायत्त रूप से कार्य करे तथा किसी राजनीतिक दल का श्रमिक प्रकोष्ठ न होकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च मानने वाला संगठन बने। इसी राष्ट्रीय आवश्यकता की पूर्ति के उद्देश्य से 23 जुलाई 1955 को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रख्यात चिंतक, संगठनकर्ता एवं श्रमिक नेता श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की गई। यह केवल एक नए श्रमिक संगठन का जन्म नहीं था, बल्कि भारतीय श्रमिक आंदोलन को भारतीय जीवन-दर्शन पर आधारित वैचारिक दिशा देने का ऐतिहासिक प्रयास था। स्थापना के समय ही यह स्पष्ट किया गया कि भारतीय मजदूर संघ स्वयं को एक स्वतंत्र, स्वायत्त एवं राष्ट्रनिष्ठ केंद्रीय श्रमिक संगठन के रूप में विकसित करेगा और किसी राजनीतिक दल का श्रमिक प्रकोष्ठ नहीं बनेगा। यही कारण है कि संगठन ने अपनी स्थापना से लेकर आज तक प्रत्येक सरकार का मूल्यांकन केवल राष्ट्रहित, श्रमहित और उद्योगहित की कसौटी पर किया है। भारतीय मजदूर संघ ने वर्ग संघर्ष की अवधारणा के स्थान पर भारतीय परंपरा के अनुरूप वर्ग समन्वय, औद्योगिक परिवार और राष्ट्रीय सहभागिता की अवधारणा को प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया। संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी का स्पष्ट मत था कि भारत की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना पश्चिमी देशों से भिन्न है। यहाँ उद्योगपति, प्रबंधन और श्रमिक परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्र रूपी परिवार के पूरक अंग हैं। यदि इन तीनों के बीच विश्वास, संवाद और सहयोग स्थापित हो जाए तो उद्योग प्रगति करेगा, श्रमिक सम्मानपूर्वक जीवन जी सकेगा और राष्ट्र आर्थिक रूप से सशक्त बनेगा। इसी विचार ने भारतीय मजदूर संघ को अन्य ट्रेड यूनियनों से अलग वैचारिक पहचान प्रदान की। भारतीय मजदूर संघ का मूल मंत्र—"देश के हित में करेंगे काम, काम के लेंगे पूरे दाम"—उसकी कार्यसंस्कृति का सार है। इसी प्रकार उसका वैचारिक सूत्र—"राष्ट्र का औद्योगीकरण, उद्योगों का श्रमिकीकरण तथा श्रमिकों का राष्ट्रीयकरण"—स्पष्ट करता है कि संगठन का उद्देश्य केवल वेतन वृद्धि या सेवा शर्तों में सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रमिकों में राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व, अनुशासन, उत्पादकता, गुणवत्ता और राष्ट्रीय चेतना का विकास करना भी है। यहाँ "श्रमिकों का राष्ट्रीयकरण" का आशय सरकारीकरण नहीं, बल्कि राष्ट्रहित के प्रति श्रमिकों की संवेदनशीलता और सहभागिता से है। भारतीय मजदूर संघ की सबसे बड़ी विशेषता उसकी राजनीतिक स्वतंत्रता है। जहाँ अधिकांश केंद्रीय ट्रेड यूनियन किसी-न-किसी राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित रही हैं, वहीं भारतीय मजदूर संघ ने अपनी संगठनात्मक स्वायत्तता बनाए रखी। उसने श्रमिक हितैषी नीतियों का समर्थन किया और जहाँ आवश्यक समझा, वहाँ लोकतांत्रिक एवं तथ्यपरक ढंग से असहमति भी व्यक्त की। यही संतुलित दृष्टिकोण उसकी विश्वसनीयता का आधार बना। स्थापना के समय एक छोटे संगठन के रूप में प्रारंभ हुआ भारतीय मजदूर संघ आज सदस्यता सत्यापन के विभिन्न चरणों में उपलब्ध आँकड़ों के आधार पर देश के सबसे बड़े केंद्रीय ट्रेड यूनियनों में अग्रणी स्थान रखता है। संगठन के साथ लगभग 44 राष्ट्रीय औद्योगिक महासंघ, 5,300 से अधिक संबद्ध यूनियनें तथा देशभर के विभिन्न औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों से जुड़े लाखों श्रमिक कार्यरत हैं। यह विस्तार किसी राजनीतिक संरक्षण का परिणाम नहीं, बल्कि सात दशकों से अधिक समय तक निरंतर किए गए संगठनात्मक कार्य, अनुशासित कार्यपद्धति और श्रमिकों के विश्वास का प्रमाण है। भारतीय मजदूर संघ की गतिविधियाँ केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। बैंक, बीमा, रेलवे, डाक, दूरसंचार, रक्षा उत्पादन, इस्पात, कोयला, बिजली, परिवहन, बंदरगाह, तेल, सार्वजनिक उपक्रम, निजी उद्योग, निर्माण क्षेत्र, कृषि, असंगठित श्रमिक, संविदा कर्मी, आंगनबाड़ी, आशा कार्यकर्ता, गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्कर्स सहित लगभग प्रत्येक क्षेत्र में उसकी सक्रिय उपस्थिति है। बदलती आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप संगठन ने नए श्रमिक वर्गों को भी अपने संगठनात्मक दायरे में सम्मिलित करने का प्रयास किया है। भारतीय मजदूर संघ का स्पष्ट मत है कि श्रमिक केवल उत्पादन का साधन नहीं, बल्कि उत्पादन प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण भागीदार है। इसलिए उसे उचित वेतन, सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण, स्वास्थ्य सुविधाएँ, कौशल विकास और सम्मानजनक जीवन का अधिकार मिलना चाहिए। साथ ही संगठन यह भी मानता है कि उत्पादकता, गुणवत्ता, अनुशासन और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता भी समान रूप से आवश्यक हैं। यही संतुलित दृष्टिकोण भारतीय मजदूर संघ को भारतीय श्रमिक आंदोलन में विशिष्ट स्थान प्रदान करता है। ... भारतीय मजदूर संघ का स्पष्ट मत है कि श्रमिक केवल उत्पादन का साधन नहीं, बल्कि उत्पादन प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण भागीदार है। इसलिए उसे उचित वेतन, सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण, स्वास्थ्य सुविधाएँ, कौशल विकास और सम्मानजनक जीवन का अधिकार मिलना चाहिए। साथ ही संगठन यह भी मानता है कि उत्पादकता, गुणवत्ता, अनुशासन और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता भी समान रूप से आवश्यक हैं। यही संतुलित दृष्टिकोण भारतीय मजदूर संघ को भारतीय श्रमिक आंदोलन में विशिष्ट स्थान प्रदान करता है। भारतीय मजदूर संघ की कार्यपद्धति उसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है। संगठन का विश्वास है कि किसी भी औद्योगिक विवाद का पहला समाधान संघर्ष नहीं, बल्कि संवाद, समन्वय और न्यायपूर्ण वार्ता होना चाहिए। इसलिए वह प्रत्येक समस्या के समाधान के लिए सर्वप्रथम द्विपक्षीय एवं त्रिपक्षीय संवाद, सामूहिक विचार-विमर्श, श्रम कानूनों के अनुरूप संवैधानिक प्रक्रिया तथा औद्योगिक सौहार्द का मार्ग अपनाता है। जब सभी लोकतांत्रिक प्रयास निष्फल हो जाते हैं, तभी आंदोलन, धरना अथवा हड़ताल जैसे संवैधानिक उपायों का सहारा लिया जाता है। इस संतुलित कार्यसंस्कृति ने भारतीय मजदूर संघ को संघर्ष और सहयोग—दोनों के बीच व्यावहारिक संतुलन स्थापित करने वाला संगठन बनाया है। संगठन का स्पष्ट मत है कि उद्योगों का विकास और श्रमिकों का कल्याण परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि उद्योग प्रगति करेगा तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, उत्पादन में वृद्धि होगी, राष्ट्रीय आय सुदृढ़ होगी और श्रमिकों का जीवन स्तर भी बेहतर होगा। इसलिए भारतीय मजदूर संघ श्रमिकों को केवल अधिकारों के प्रति ही जागरूक नहीं करता, बल्कि कर्तव्यबोध, अनुशासन, गुणवत्ता, समयपालन, उत्पादकता और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने पर भी समान बल देता है। यही कारण है कि संगठन श्रमिक आंदोलन को केवल विरोध की राजनीति नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सकारात्मक प्रक्रिया के रूप में देखता है। बीते 71 वर्षों में भारतीय मजदूर संघ ने श्रमिकों के जीवन से जुड़े लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण प्रश्न पर सक्रिय भूमिका निभाई है। न्यूनतम मजदूरी, समान कार्य के लिए समान वेतन, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, बोनस, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, महिला श्रमिकों के अधिकार, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का संरक्षण, संविदा कर्मियों की समस्याएँ, औद्योगिक सुरक्षा, कौशल विकास तथा श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे अनेक विषयों पर संगठन ने लोकतांत्रिक और तथ्यपरक ढंग से अपनी भूमिका निभाई है। संगठन का प्रयास केवल माँग प्रस्तुत करना नहीं, बल्कि व्यवहारिक समाधान सुझाना भी रहा है।समय के साथ श्रम जगत की चुनौतियाँ भी तेजी से बदली हैं। वैश्वीकरण, उदारीकरण, निजीकरण, स्वचालन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, प्लेटफ़ॉर्म आधारित रोजगार तथा गिग अर्थव्यवस्था ने श्रमिकों के सामने नए अवसरों के साथ नई चुनौतियाँ भी प्रस्तुत की हैं। पारंपरिक श्रम संबंधों का स्वरूप बदल रहा है और रोजगार के नए मॉडल विकसित हो रहे हैं।

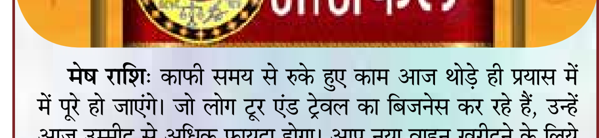

मेष राशिः काफी समय से रुके हुए काम आज थोड़े ही प्रयास में में पूरे हो जाएंगे। जो लोग टूर एंड ट्रेवल का बिजनेस कर रहे हैं, उन्हें आज उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आप नया वाहन खरीदने के लिये जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। माता-पिता के साथ किसी तीर्थस्थल पर जाने का योग बन रहा है। बच्चे आज आउट डोर गेम खेलने की लिए जिद्द करेंगे साथ ही उनकी गतिविधि पर नजर बनाए रखें। शुभ अंक- 4

वृष राशि : आज का आपके लिए दिन खास रहने वाला है। जो शिक्षक हैं, वो आज छात्रों को कुछ नया सिखायेंगे। आज घर में किसी दूर के रिश्तेदार के आने की संभावना बन रही है। आज शाम का समय परिवार के साथ बीतेगा और नई टेक्नोलाजी से अपडेट होने का प्रयास करेंगे। जो लोग स्वीट्स ,कैफे आदि के बिजनेस से जुड़े हैं, उनको अच्छा मुनाफा होगा। शुभ अंक- 9

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आपको खुद पर ध्यान देने की जरूरत है, आज अपने गुस्से पर काबू रखें, वरना आपके काम बिगड़ सकते हैं। साझेदारी में व्यवसाय कर रहे लोगों को उनके सहयोगी और कर्मचारियों के पूर्ण सहयोग से आज व्यावसायिक गतिविधियों को और अधिक बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। आज बच्चे घर पर खेल-कूद में समय बितायेंगे। शुभ अंक- 4

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला वाला रहेगा। कर्क लग्न और राशि वालों आपका पूरा दिन भाग-दौड़ में बीतेगा। आज के दिन आयात-निर्यात संबंधी व्यवसाय में अच्छा लाभ होने की स्थिति बन रही है। पेपर वर्क पूरा न होने से जरूरी काम बनते-बनते रुक सकता है। आज नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो बेहतर होगा कि पिता जी से विचार विमर्श कर लें। शुभ अंक- 1

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज अपना कॉन्फिडेंस कम न होने दें, मन लगाकर काम करें। प्रॉपर्टी से संबंधित रुका हुआ मामला आपसी सहमति से आज हल हो सकता है। आज जो लोग कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं, नौकरी कर रहे लोग अपने स्थानांतरण संबंधी कार्यों के लिए आज अपने उच्च अधिकारियों से विचार-विमर्श अवश्य करें। शुभ अंक- 3

कन्या राशि : आज का दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज अपनी दैनिक गतिविधियों में कुछ नयापन लाने का प्रयास करेंगे। पुरानी समस्याओं से आज राहत मिलेगी। इस समय अतिरिक्त आय प्राप्ति के भी योग बन रहे हैं जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नए बिजनेस में निवेश करने का विचार बना सकते हैं। जहां जरूरत लगे, वहां समझौता करने के लिए तैयार रहेंगे। शुभ अंक- 2

तुला राशि : आज का दिन सामान्य रहने वाला है। काम को लेकर किसी तरह का डर मन में न रखें। कार्यस्थल पर अपने काम के प्रति सतर्क रहें कुछ लोग आज आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं, आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना होगा। रुके हुए पैसों की वापसी आज संभव है। बातचीत करके आप अपना काम निकालने में सक्षम रहेंगे। आज वाहन चलाते समय आपको थोड़ा ध्यान रखना होगा। शुभ अंक- 8

वृश्चिक राशि : आज आपका का दिन उत्साह से भरा रहेगा। परिवार के किसी खास व्यक्ति के बारे में आपको कुछ रोचक बात पता चल सकती है और आज कुछ विशेष बातें सीखने को मिलेगी, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। आज आप ज्यादातर काम आसानी से निपटाने में सफल रहेंगे। अपनी प्रेजेंटेशन और प्लान किसी के सामने रखने से पहले एक बार रिचेक जरूर कर लें। शुभ अंक- 5

धनु राशि : आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज आपकी सोच और प्लानिंग स्पष्ट रहेगी। आज आपकी कल्पना शक्ति का विस्तार होगा। आपकी कार्यकुशलता से उम्मीद के अनुरूप लाभ होगा। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम बनेगा। आज पारिवारिक मामलों में बड़ा फैसला ले सकते हैं।जो लोग बिजनेसमैन है,। शुभ अंक- 4

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपकी कार्यप्रणाली में नयापन देखने को मिलेगा। इस राशि के जो लोग लेखन के क्षेत्र में आगे जाना चाहते हैं उनके लिए आज अपनी प्रतिभा को निखारने का दिन है। आज किसी से बेवजह की बातें न करें, जितना हो सके विवाद से दूर रहें। अगर आप खुद की फर्म खोलना चाहते हैं, तो आपको अपने बड़े भाई से सहयोग मिल सकता है। शुभ अंक- 7

कुंभ राशि : आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आज आपकी इनकम बढ़ने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी नये बिजनेस में साझेदारी का प्रस्ताव मिल सकता है, इसका आपको आने वाले दिनों में काफी फायदा होगा। आज कुछ अनुभवी लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा और आपको कई तरह के अनुभव मिलेंगे। शुभ अंक- 1

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज बिजनेस में नये एग्रीमेंट होने की संभावना है। आज कार्यक्षेत्र में आप जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। अपनी व्यवसायिक कार्यप्रणाली को आज दूसरों के समक्ष उजागर न करें। कई दिनों से घर में चल रही समस्या आज सुलझ जाएगी। शुभ अंक- 9

संक्षिप्त समाचार

मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए सभी विभागों में नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी प्रशासनिक विभागों, पुलिस, केंद्रीय संस्थानों, बैंकों, रेलवे, एयरपोर्ट, शैक्षणिक बोर्डों एवं विश्वविद्यालयों से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के लिए नोडल पदाधिकारी नियुक्त करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार झारखंड में 5 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया चलेगी, जबकि 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 तक उनका निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन नागरिकों का नाम प्रारूप मतदाता सूची में नहीं होगा, वे स्वयं या अपने परिजनों के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) या सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) के पास जमा कर सकते हैं। दस्तावेजों के त्वरित और पारदर्शी सत्यापन के लिए ईआरओ/एईआरओ संबंधित विभागों को प्रमाणपत्रों की सॉफ्ट कॉपी ईमेल से भेजेंगे। संबंधित विभागों को ईमेल प्राप्त होने के दिन ही सत्यापन कर रिपोर्ट वापस भेजनी होगी। यह व्यवस्था अवकाश के दिनों में भी लागू रहेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए एक समर्पित ईमेल आईडी जारी करते हुए सभी विभागों एवं संस्थानों से शीघ्र नोडल अधिकारी नामित कर उसका विवरण उपलब्ध कराने का आग्रह किया है, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और शुद्ध एवं सुदृढ़ मतदाता सूची तैयार की जा सके।

झारखंड में 2 करोड़ मतदाताओं ने जमा किया इन्यूमरेशन फॉर्म, चक्रधरपुर में डिजिटाइजेशन 100% पूरा

रांची। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अब तक 2 करोड़ मतदाताओं ने अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा कर दिया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि इन सभी फॉर्मों का डिजिटाइजेशन भी पूरा हो चुका है, जिससे इन मतदाताओं का नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के प्रारूप (ड्राफ्ट) में शामिल होना सुनिश्चित हो गया है। उन्होंने बताया कि चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र ने इन्यूमरेशन फॉर्म के 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के मतदाताओं, बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, ईआरओ, बीएलए-2 और निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों को बधाई दी गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि राज्य में शेष मतदाता भी जल्द से जल्द अपना भरा हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म संबंधित बीएलओ को जमा करें, ताकि उनका डिजिटाइजेशन समय पर पूरा हो सके और उनका नाम भी 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के प्रारूप में शामिल हो सके। उन्होंने कहा कि फॉर्म भरने या जमा करने में किसी भी प्रकार की सहायता के लिए मतदाता अपने बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं।

14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा रद्द कर सीबीआई जांच कराए सरकार : आजसू

रांची। आजसू पार्टी ने 14वीं जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) को रद्द कर पूरे मामले की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। बुधवार को हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक डॉ. लम्बोदर महतो और मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने आरोप लगाया कि परीक्षा संचालन में ब्लैकलिस्टेड निजी एजेंसी की सेवाएं ली गईं, जिससे परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। डॉ. लम्बोदर महतो ने कहा कि आयोग के अध्यक्ष का इस्तीफा, जेपीएससी कार्यालय में सीआईडी की छापेमारी और निजी एजेंसी की भूमिका पूरे मामले को संदेहास्पद बनाती है। उन्होंने परीक्षा परिणाम और ओएमआर शीट सहित कई बिंदुओं पर पारदर्शिता की मांग की। डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि सरकार, आयोग और परीक्षा एजेंसी की भूमिका पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं, जिनका जवाब राज्य के युवाओं को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जेपीएससी कार्यालय के बाहर अभ्यर्थियों का लगातार प्रदर्शन युवाओं के घटते विश्वास का संकेत है। आजसू नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार के अधीन एजेंसी से जांच कराने पर निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी ने मांग की कि परीक्षा रद्द कर पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच कराई जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आजसू युवाओं के न्याय के लिए आंदोलन तेज करेगी। प्रेस वार्ता में युवा आजसू महानगर अध्यक्ष अमित यादव, खूंटी जिला अध्यक्ष जयकांत कश्यप और युवा नेता प्रताप सिंह भी मौजूद थे।

जेपीएससी मुद्दे पर भाजपा ने कांग्रेस कार्यालय का घेराव, सीबीआई जांच की मांग तेज

रांची। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और जेपीएससी विवाद को लेकर बुधवार को भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस तथा राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जेपीएससी और अन्य विवादित भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि पिछले छह वर्षों में राज्य की कांग्रेस समर्थित सरकार के कार्यकाल में जेपीएससी, जैसे जेएससी सीजीएल, उत्पाद सिपाही और शिक्षक नियुक्ति सहित कई भर्ती परीक्षाओं पर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने 14वीं जेपीएससी परीक्षा समेत सभी विवादित भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जेपीएससी मामले में चल रही सीआईडी जांच केवल औपचारिकता है और पूरे मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार वास्तविक दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है तथा जेपीएससी और जेएसएस से जुड़े सभी विवादों की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। भाजपा नेताओं ने कहा कि पार्टी युवाओं के अधिकारों और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के लिए आंदोलन जारी रखेगी। घेराव कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, रविंद्र राय सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

झारखंड में फिल्म एवं मीडिया शिक्षा को नई उड़ान, SRFTI के साथ राज्य सरकार का एमओयू

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड में फिल्म, टेलीविजन और डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में युवाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में बुधवार को झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (JFDC) और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (SRFTI), कोलकाता के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समझौता झारखंड के प्रतिभावान युवाओं, फिल्मकारों और कलाकारों के लिए नई तकनीक, आधुनिक सुविधाओं और राष्ट्रीय स्तर का मंच उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि झारखंड फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (JFTI) राज्य के युवाओं के कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि संस्थान के प्रारंभिक चरण में साउंड डिजाइनिंग, फिल्म एडिटिंग, एनिमेशन, स्क्रिप्ट एवं स्क्रीनप्ले राइटिंग, सिनेमैटोग्राफी, निर्देशन और फिल्म प्रोडक्शन जैसे विषयों पर अल्पकालिक व्यावहारिक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इन प्रशिक्षणों से युवाओं को पारंपरिक सिनेमा के साथ-साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएशन के क्षेत्र में भी रोजगार और करियर के नए अवसर मिलेंगे। हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड प्रतिभाओं का धनी राज्य है। यहां कई कलाकारों को उचित मंच और तकनीकी प्रशिक्षण नहीं मिल पाता। उन्होंने हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित संथाली फिल्म 'आंगेन' का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रकाश झा सहित कई प्रसिद्ध फिल्मकारों का झारखंड से गहरा जुड़ाव रहा है और राज्य की प्राकृतिक सुंदरता फिल्म निर्माण के लिए उपयुक्त है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की यह पहल राज्य के रचनात्मक युवाओं के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगी और आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। कार्यक्रम में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष सचिव राजीव लोचन बक्शी, एसआरएफटीआई के कुलपति समीरन दत्ता सहित कई विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि, फिल्मकार और विद्यार्थी मौजूद रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त फिल्मकार बीजू टोप्पो, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित रविराज मुर्मू, अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अनुज कुमार तथा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निरंजन कुजूर को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।

ग्रामीण क्षेत्रों तक तकनीक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : हेमंत सोरेन

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि डिजिटल सेवाओं का लाभ राज्य के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि तकनीक की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक होने पर ही "डिजिटल झारखंड" का सपना साकार होगा। बैठक में डिजिटल झारखंड विजन-2029, आईटी पार्क, चीफ मिनिस्टर डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म, साइबर सुरक्षा, ई-गवर्नेंस, स्टेट डेटा सेंटर और सरकारी सेवाओं के डिजिटलीकरण की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के डेटा का केंद्रीकरण, नियमित साइबर सुरक्षा ऑडिट तथा प्रत्येक विभाग और जिले में आईटी अधिकारियों की नियुक्ति के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मैपिंग कराने, इंटरनेट शैडो क्षेत्रों की पहचान कर वहां नेटवर्क विस्तार करने तथा अगले तीन वर्षों में सभी पंचायतों को 5जी नेटवर्क से जोड़ने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा। भारतनेट फेज-3, झारनेट 2.0 और कनेक्टिंग झारखंड परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों में डिजिटल सक्सेशन चार्ट नियमित अपडेट करने, पुलिस थानों में सीसीटीवी नेटवर्क और आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ाने तथा जिला न्यायालयों में उच्च गुणवत्ता वाले साउंड सिस्टम लगाने के सुझाव दिए। उन्होंने आईटी इकोसिस्टम, स्टार्टअप, कौशल विकास और आईटी निवेश को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर भी जोर दिया। बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

लंबित परिणाम जारी करने की मांग को लेकर उर्दू अभ्यर्थियों ने मंत्री हफीजुल हसन को सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) की माध्यमिक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2025 (उर्दू) के दस्तावेज सत्यापन (DV) पूरा कर चुके लेकिन अंतिम परिणाम से वंचित अभ्यर्थियों ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन से मुलाकात कर लंबित परिणाम शीघ्र जारी कराने की मांग की। अभ्यर्थियों ने मंत्री को बताया कि दस्तावेज सत्यापन पूरा होने के बावजूद कई अभ्यर्थियों का परिणाम लंबित है। उन्होंने विशेष रूप से ईडब्ल्यूएस (EWS) प्रमाण-पत्र संबंधी विवाद का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भर्ती विज्ञापन में वर्ष 2025 के प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता का स्पष्ट उल्लेख नहीं था। इसके अलावा फाजिल डिग्री की समकक्षता, आलिम के साथ एमए की मान्यता, MANUU की पासिंग डेट, पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमी लेयर) प्रमाण-पत्र तथा अन्य तकनीकी कारणों से भी परिणाम रोके जाने की शिकायत की गई। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जिन अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन पूरा हो चुका है, उनके मामलों की नियमसम्मत समीक्षा कर पात्र अभ्यर्थियों का परिणाम जल्द घोषित किया जाए। मंत्री हफीजुल हसन ने अभ्यर्थियों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभाग और जेएसएससी से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद अभ्यर्थियों ने झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग को भी ज्ञापन सौंपकर हस्तक्षेप की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में वहीदा बशीर, मोहम्मद इज़हार आलम, मोहम्मद मंजूर सलफी, शबाना शोएब, सना फ़ातिमा सहित अन्य अभ्यर्थी शामिल थे।

14वीं जेपीएससी परिणाम रद्द करने और सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजयुमो का जेपीएससी कार्यालय घेराव

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने मंगलवार को 14वीं जेपीएससी परीक्षा परिणाम में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के विरोध में जेपीएससी कार्यालय का घेराव किया। राज्यभर से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए 14वीं जेपीएससी का परिणाम रद्द करने तथा पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता से समझौता किया है और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी चेयरमैन का इस्तीफा पूरे मामले को संदेह के घेरे में खड़ा करता है। उन्होंने राज्य सरकार की सीआईडी जांच पर भी सवाल उठाते हुए इसे निष्पक्ष नहीं बताया और सीबीआई जांच की मांग दोहराई। शशांक राज ने यह भी आरोप लगाया कि अभ्यर्थियों को आरटीआई के माध्यम से उत्तर पुस्तिकाओं की प्रतियां उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं तथा नियमित परीक्षा कैलेंडर भी जारी नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। भाजयुमो प्रदेश प्रभारी विनय जायसवाल ने राज्य सरकार को युवा विरोधी बताते हुए कहा कि सरकार रोजगार देने के बजाय युवाओं के अधिकारों से खिलवाड़ कर रही है। वहीं, भाजयुमो रांची महानगर जिलाध्यक्ष रोमित नारायण सिंह ने कहा कि पुलिस बल के सहारे युवाओं की आवाज नहीं दबाई जा सकती और संगठन का आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। प्रदर्शन में मनीष दुबे, विश्वजीत पाठक, संजय महतो, रणधीर दास, प्रिंस कुमार, राहुल चौबे, धीरज अग्रवाल, श्वेता सिंह, चंदन प्रजापति सहित प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

झारखंड में शुरू होगा पूर्वी भारत का पहला सरकारी एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग संस्थान

नई सोच एक्सप्रेस

» झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने वेन्योर और एआईएसईसीटी के साथ किया एमओयू, नवंबर में मुख्यमंत्री करेंगे पाठ्यक्रमों का शुभारंभ

रांची। झारखंड सरकार राज्य में विमानन क्षेत्र को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। झारखंड जल्द ही पूर्वी भारत का पहला राज्य बनेगा, जहां सरकारी स्तर पर एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग (एएमई) और एयर होस्टेस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। दोनों पाठ्यक्रमों का औपचारिक शुभारंभ नवंबर में राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर किया जाएगा। एएमई पाठ्यक्रम के संचालन के लिए झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने दिल्ली की संस्था मेसर्स वेन्योर के साथ तथा एयर होस्टेस प्रशिक्षण के लिए एआईएसईसीटी लिमिटेड, भोपाल के साथ एमओयू किया है। दोनों कोर्स धनबाद स्थित झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर संचालित होंगे। सरकार का मानना है कि इन पाठ्यक्रमों से झारखंड के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के युवाओं को भी विमानन क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। एएमई कोर्स तीन वर्ष का होगा, जिसमें 60 सीटें उपलब्ध रहेंगी। इस कोर्स की कुल फीस 6 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जिसका भुगतान तीन वार्षिक किस्तों में किया जाएगा। एयर होस्टेस प्रशिक्षण के तहत छह माह और 12 माह के दो कोर्स संचालित होंगे। दोनों में 60-60 सीटें होंगी। छह माह के कोर्स की फीस 1,00,500 रुपये तथा 12 माह के डिप्लोमा कोर्स की फीस 1,55,500 रुपये तय की गई है। शुल्क में ड्रेस, ग्रूमिंग किट और स्विमिंग प्रशिक्षण भी शामिल रहेगा। इन पाठ्यक्रमों का संचालन नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की अनुमति मिलने के बाद शुरू होगा। एयर होस्टेस प्रशिक्षण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 जुलाई निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के प्रबंध निदेशक कैप्टन एस.पी. सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ये पाठ्यक्रम झारखंड के युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर खोलेंगे और देश के विमानन क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

भाजपा अपनी जनविरोधी नीतियों का जवाब दे, कांग्रेस कार्यालय घेरने से जनता के सवाल नहीं दबेंगे : विजय शंकर नायक

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने भाजपा द्वारा कांग्रेस कार्यालय के घेराव कार्यक्रम को राजनीतिक हताशा का प्रतीक बताते हुए कहा कि भाजपा को कांग्रेस नहीं, अपनी जनविरोधी नीतियों का घेराव करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष पर हमले कर रही है। नायक ने कहा कि भाजपा एथेनॉल नीति, छात्र आंदोलनों के दौरान लाठीचार्ज, किसानों की समस्याओं, नीट परीक्षा विवाद और चुनावी चंदे जैसे गंभीर मुद्दों पर जवाब देने से बच रही है। उनका कहना था कि जब भी जनता रोजगार, महंगाई, शिक्षा और युवाओं के भविष्य पर सवाल उठाती है, भाजपा राजनीतिक विमर्श को दूसरी दिशा में मोड़ने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जनता के अधिकारों की लड़ाई जारी रखेगी तथा विपक्ष को डराने या बदनाम करने की कोशिशों से पीछे नहीं हटेगी। नायक ने कहा कि देश का युवा रोजगार, किसान सम्मानजनक आय, छात्र निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था और आम नागरिक महंगाई से राहत चाहता है, लेकिन इन मुद्दों पर जवाब देने के बजाय भाजपा कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर रही है। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है और अब जनता नारों नहीं, बल्कि जवाबदेही की राजनीति चाहती है।

झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने रांची के कई बूथों का किया निरीक्षण, बीएलओ से जानी मतदाता सूची अद्यतन की प्रक्रिया

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने बुधवार को रांची विधानसभा, खिजरी, हटिया और कांके विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रांची विधानसभा के बूथ संख्या 329, 332, 334, 336, खिजरी के बूथ 363, हटिया के बूथ 172, 175, 176, 191 तथा कांके के बूथ 463 सहित अन्य मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान के. राजू ने बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) से बातचीत कर मतदाता सूची अद्यतन की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बीएलओ-1 और बीएलओ-2 की जिम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान एएसडीडी (ASDD) सूची का भी वाचन किया गया। के. राजू ने बीएलओ से पूछा कि एक आवेदन (फॉर्म) को सिस्टम पर अपलोड करने में कितना समय लगता है। इस पर बीएलओ ने बताया कि एक फॉर्म अपलोड करने में सामान्यतः 1 से 5 मिनट का समय लगता है। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि यदि कोई मतदाता एक से अधिक मतदान केंद्रों पर पंजीकृत हो तो उसकी पहचान कैसे की जाती है। बीएलओ ने बताया कि मतदाता का ईपीआईसी (EPIC) नंबर ऐप में दर्ज करते ही उसकी पूरी जानकारी उपलब्ध हो जाती है, जिससे दोहरे पंजीकरण की पहचान की जा सकती है। इस अवसर पर रांची जिला कांग्रेस के प्रभारी धर्म दास, कुमार राजा और सूर्यकांत शुक्ला सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

झारखंड के सभी मतदान केंद्रों पर BLO-BLA-2 की तीसरी बैठक, मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 अभियान के तहत बुधवार को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर BLO एवं BLA-2 की तीसरी संयुक्त बैठक और चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। बैठक में बीएलओ, विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए-2 और मतदाताओं ने भाग लेकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने हजारीबाग जिले के कई मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने ASDD (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लीकेट एवं हस्ताक्षर से इनकार) सूची को अंतिम रूप देने, गणना प्रपत्रों के सत्यापन, एक परिवार के सभी सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर सुनिश्चित करने तथा गैर-भारतीय नागरिकों से संबंधित प्राप्त सूचनाओं को ईआरओ/एईआरओ तक भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पूरी तरह सहभागी और पारदर्शी प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य सभी पात्र भारतीय नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र व्यक्तियों को सूची से बाहर रखना है। उन्होंने बीएलओ, बीएलए-2, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों से अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक में मतदाता सूची के सत्यापन, बीएलए-2 से प्राप्त सुझावों पर विचार तथा सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन और पारदर्शी बनाने के लिए समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ आदित्य पांडेय और उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी भी मौजूद थीं।

संक्षिप्त समाचार

तीन दिवसीय भव्य प्रमंडल स्तरीय 'हजारीबाग खेल महोत्सव को लेकर बैठक आयोजित'

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में खेल संघों की बैठक में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 27 से 29 अगस्त 2026 तक "हजारीबाग खेल महोत्सव" आयोजित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस महोत्सव का आयोजन ओलंपिक संघ, हजारीबाग के तत्वावधान में किया जाएगा, जिसमें प्रमंडल के सभी जिलों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल, कराटे, शूटिंग, ताइक्वांडो, लॉन टेनिस, तीरंदाजी और एथलेटिक्स जैसी प्रतियोगिताओं में सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विजेताओं को नगद पुरस्कार मिलेगा। खिलाड़ियों के रहने, खाने व पेयजल के पुख्ता इंतजाम के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने स्केटिंग रिंक की मरम्मत कराने और बास्केटबॉल कोर्ट को शीघ्र दुरुस्त करने के भी कड़े निर्देश दिए।

हजारीबाग लोकभवन समीप कांग्रेस का धरना प्रदर्शन:मुन्ना सिंह

हजारीबाग। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा लोकभवन के समीप एक विशाल धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस प्रभारी के. राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने किया। इसमें कई मंत्री, विधायक और पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। मुन्ना सिंह ने कहा कि नीट और यूजीसी नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक और अनियमितताओं से लाखों युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार से परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी व निष्पक्ष बनाने, दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने, रिक्त पड़े सरकारी पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने और युवाओं को रोजगार देने की मांग की।

युवा कांग्रेस के 'गूंज' कार्यक्रम में मुन्ना सिंह ने शिक्षा, संविधान युवाओं के अधिकारों पर उठाई आवाज

हजारीबाग। हजारीबाग जिला मुख्यालय स्थित अंबेडकर छात्रावास में युवा कांग्रेस द्वारा 'गूंज' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मो. जाबीर ने की। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। प्रमुख अतिथिः विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप मुख्य अतिथि के रूप में, जबकि राजीव रंजन प्रसाद और जय प्रकाश भाई पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था का मुद्दा उठाया। उन्होंने दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने राहुल गांधी द्वारा उठाए गए पेपर लीक के मुद्दों और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के लोकतांत्रिक संवाद के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा साहेब का संविधान सभी को न्याय व अभिव्यक्ति की आजादी देता है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक अंबा प्रसाद सहित कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कटकमसांडी से दीपक मेहता के नेतृत्व में रांची रवाना हुए भाजयुमो कार्यकर्ता

जेपीएससी कार्यालय का करेंगे घेराव

कटकमसांडी । झारखंड में रोजगार और युवाओं के अधिकारों को लेकर भाजयुमो (भाजपा युवा मोर्चा) ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित जेपीएसी कार्यालय घेराव में शामिल होने के लिए कटकमसांडी पूर्वी मंडल अध्यक्ष दीपक मेहता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की टीम रांची रवाना हुई। युवा कार्यकर्ताओं ने पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया और निष्पक्षता की मांग करते हुए कहा कि युवाओं के हक और भविष्य के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने हुंकार भरी कि अधिकारों की यह लड़ाई सड़क से सदन तक मजबूती से जारी रहेगी।

झामुमो जिला कमिटी की बैठक में कई निर्णय, जनसमस्याएँ सीएम तक पहुँचाने का संकल्प

चौपारण (हजारीबाग)। जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया की अध्यक्षता में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला कमिटी की अहम बैठक आयोजित हुई। इसमें संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में चौपारण प्रखंड अध्यक्ष उज्जवल सिंह ने क्षेत्र की जनसमस्याओं और विकास कार्यों को प्रमुखता से उठाया। जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने आश्वस्त किया कि इन सभी समस्याओं को समाधान हेतु मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक पहुँचाया जाएगा। अंत में, कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क अभियान तेज़ करने और सरकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

दिव्या हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता राहुल यादव गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। हंटरगंज थाना क्षेत्र के जजलो गांव स्थित बंद पत्थर खदान से 26 जून को बरामद युवती दिव्या कुमारी के शव मामले में चतरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्या के मुख्य अभियुक्त और दिव्या के प्रेमी राहुल यादव को गिरफ्तार कर लिया है। यह जानकारी बुधवार को चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। मौके पर हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार उपस्थित थे। गिरफ्तार राहुल गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र के कुबड़ी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसे शेरघाटी इलाके से गिरफ्तार किया। इस मामले में पहले ही हत्या को अंजाम देने वाले आरोपी नेपाली गंझू को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। पुलिस जांच में सामने आया कि दिव्या कुमारी और राहुल यादव के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। इस दौरान राहुल ने शादी का झांसा देकर दिव्या के साथ संबंध बनाए, लेकिन बाद में शादी से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद दिव्या ने राहुल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कराया था। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन था। जांच में यह भी सामने आया कि राहुल लगातार दिव्या पर दर्ज मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहा था। हालांकि दिव्या किसी भी कीमत पर केस वापस लेने को तैयार नहीं थी। इसी बीच न्यायालय में दिव्या का बयान होने वाला था। राहुल को आशंका थी कि यदि दिव्या अदालत में उसके खिलाफ बयान दे देती है तो उसे सजा हो सकती है।

दो लाख की सुपारी देकर रची हत्या की साजिशःसजा से बचने के लिए राहुल यादव ने दिव्या की हत्या की साजिश रची। पुलिस के अनुसार राहुल ने गया जिले के बांकेबाजार थाना क्षेत्र के खरांटी गांव निवासी नेपाली गंझू को दो लाख रुपये की सुपारी देकर दिव्या की हत्या कराने की योजना बनाई। योजना के तहत दिव्या की हत्या कर शव को जजलो गांव स्थित बंद पत्थर खदान में फेंक दिया गया, ताकि घटना को दुर्घटना या अज्ञात हत्या का रूप दिया जा सके।

पहले नेपाली गंझू, अब मुख्य आरोपी राहुल गिरफ्तार

घटना के खुलासे के दौरान पुलिस ने पहले नेपाली गंझू को गिरफ्तार किया था। पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हत्या की पूरी साजिश का खुलासा हुआ। इसके बाद मुख्य साजिशकर्ता राहुल यादव की तलाश शुरू की गई। लगातार छापेमारी के बाद पुलिस ने उसे शेरघाटी से गिरफ्तार कर लिया।

पुरस्कार-विजेता फिल्मकारों से मिले मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, फिल्म विकास में हरसंभव सहयोग का भरोसा

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड के पुरस्कार-विजेता युवा फिल्मकारों बीजू टोप्पो, सेराल मुर्मू, निरंजन कुजूर, रवि राज मुर्मू, अनुज कुमार और मानसिंह बास्के ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने फिल्म क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि राज्य के कलाकार और फिल्मकार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का नाम रोशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार फिल्म निर्माण, शूटिंग, तकनीकी प्रशिक्षण और स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड की समृद्ध जनजातीय, सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत को फिल्मों के माध्यम से देश-दुनिया तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है। मुलाकात के दौरान फिल्मकारों ने राज्य में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने, स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने और झारखंड को उभरते फिल्म गंतव्य के रूप में विकसित करने संबंधी सुझाव भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखे।

कुम्हरथान में खुला प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र - अब सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ गांव में ही उपलब्ध

नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड। प्रखंड मयूरहंड के ब्लॉक मेन रोड स्थित ग्राम कुम्हरथान में आज प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का शुभ उद्घाटन बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर केंद्र से आवश्यक दवाइयों की खरीदारी की गई तथा केंद्र के संचालन, उपलब्ध सुविधाओं एवं दवा वितरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की गई। प्रधानमंत्री जन औषधि योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी जनकल्याणकारी योजना है जिसके अंतर्गत आमजन को ब्रांडेड दवाइयों के समान गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयाँ 50% से 90% तक कम दामों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य यह है कि कोई भी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति महंगाई के कारण अपना इलाज बीच में न छोड़े। बीपी, शुगर, हृदय रोग, बुखार, दर्द निवारक के साथ-साथ सर्जिकल सामान और स्वास्थ्य से जुड़ी 2000 से अधिक दवाइयाँ अब कुम्हरथान वासियों को उनके घर के पास ही किफायती दरों पर मिल सकेंगी। इस केंद्र के खुलने से मयूरहंड क्षेत्र के लोगों को अब महंगी दवाइयों के लिए शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी और हर महीने दवा पर होने वाले खर्च में भारी बचत होगी। साथ ही यह केंद्र स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार का एक नया अवसर भी लेकर आया है। इस शुभ अवसर पर उपस्थित सभी सम्मानित जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों के सहयोग और समर्थन के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता/करती हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह जन औषधि केंद्र क्षेत्र के स्वास्थ्य और जनकल्याण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

लावालौंग प्रखंड में यूरिया खाद की कालाबाजारी से किसान परेशान,266 की खाद 420 में बिकने का आरोप

नई सोच एक्सप्रेस

लावालौंग। खरीफ फसल के महत्वपूर्ण समय में लावालौंग प्रखंड के किसानों को यूरिया खाद की किल्लत और अधिक कीमत के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि सरकार द्वारा निर्धारित 266 प्रति बोरी की यूरिया खाद कई दुकानों पर 420 प्रति बोरी तक बेची जा रही है। इससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है और खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है।किसानों का कहना है कि धान सहित अन्य फसलों में इस समय यूरिया की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। ऐसे समय में निर्धारित मूल्य पर खाद उपलब्ध नहीं होने से वे मजबूरी में अधिक कीमत देकर खाद खरीद रहे हैं। कई किसानों ने बताया कि यदि समय पर खाद नहीं मिली तो फसल उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है।ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ खाद विक्रेता किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर मनमाने दाम वसूल रहे हैं। किसानों ने संबंधित विभाग से खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने वाले दुकानदारों के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।किसानों का कहना है कि सरकार किसानों के हित में खाद पर सब्सिडी देती है, लेकिन यदि किसानों को निर्धारित मूल्य पर खाद नहीं मिले तो इस योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल पाता। उन्होंने प्रशासन से नियमित निरीक्षण करने, कालाबाजारी पर रोक लगाने तथा सभी लाइसेंसधारी दुकानों पर निर्धारित मूल्य सूची प्रदर्शित कराने की भी मांग की है।इस संबंध में किसानों को उम्मीद है कि कृषि विभाग एवं जिला प्रशासन शीघ्र हस्तक्षेप कर उचित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद उपलब्ध कराएगा, ताकि खरीफ खेती प्रभावित न हो और किसानों को राहत मिल सके।

लावालौंग-पांकी मुख्य सड़क नहीं बनने से पांच हजार ग्रामीणों के साथ आंदोलन की दी चेतावनी

नई सोच एक्सप्रेस

लावालौंग। आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी लावालौंग से पांकी मुख्य सड़क का निर्माण नहीं होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है।इस मुद्दे को लेकर बुधवार को मंधनियां पंचायत सचिवालय के समीप ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गई,जिसमें लोगों ने सड़क निर्माण में की जा रही अनदेखी पर नाराजगी जताई।ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष जुलाई माह में सांसद द्वारा उन्हें आश्वासन दिया गया था कि 15 अगस्त को सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ के लिए फीता काटने आ रहा हूं।बावजूद एक वर्ष बीत जाने के बाद भी न तो सड़क निर्माण शुरू हो सका और न ही किसी जनप्रतिनिधि अथवा विभागीय अधिकारी ने इस दिशा में कोई पहल की। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि बरसात का मौसम उनके लिए किसी जिल्लत से कम नहीं होता।सड़क नहीं होने के कारण लोगों को कीचड़युक्त और जर्जर रास्तों से होकर आवागमन करना पड़ता है।मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।गर्भवती महिलाओं,बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है।कई बार एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती,जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क की बदहाली का असर बच्चों की शिक्षा,किसानों की आजीविका और स्थानीय व्यापार पर भी पड़ रहा है।किसान अपनी उपज समय पर बाजार तक नहीं पहुंचा पाते,जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।वहीं,बरसात के दिनों में कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से लगभग कट जाता है। आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को घंटों पैदल चलकर मुख्य सड़क तक पहुंचना पड़ता है।ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यदि नेता, मंत्री और विभागीय अधिकारी उन्हें कीड़ा-मकोड़ा समझकर विकास की मुख्यधारा से दूर रखना चाहते हैं तो अब वे उनकी इस मानसिकता को बदलने के लिए तैयार हैं।उन्होंने कहा कि अब ग्रामीण केवल आश्वासनों से संतुष्ट होने वाले नहीं हैं,बल्कि उन्हें हर हाल में एक सुदृढ़ और आवागमन योग्य सड़क चाहिए।ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि शीघ्र ही क्षेत्र के लगभग पांच हजार ग्रामीण मंधनियां पंचायत भवन के समीप मैदान में एकत्रित होकर चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेंगे।उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस बार उनका उद्देश्य केवल आश्वासन प्राप्त करना नहीं,बल्कि सड़क निर्माण कार्य शुरू होने का ठोस परिणाम देखना है।यदि उनकी मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

हजारीबाग सांसद ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की मुलाकात

सड़क परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। सांसद मनीष जायसवाल ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर एनएच-33 पर चुटुपालु घाटी, चौपारण-बाराचट्टी मार्ग और चरही घाटी के ब्लैक स्पॉट्स के स्थायी समाधान का मुद्दा उठाया। केंद्रीय मंत्री ने जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया। चरही घाटो मोड़ पर घाटो मोड़ पर प्रस्तावित फ्लाईओवर के लिए केंद्रीय मंत्री ने तत्काल डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया। स्टेट हाईवे-7 (कारगिल पेट्रोल पंप से बड़कागांव-टंडवा होते हुए बिजूपाड़ा) को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग रखी गई, ताकि औद्योगिक व कोयला क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके। लगभग 26 किमी लंबी रिंग रोड परियोजना (एनएच-522 सिलवार बाईपास से सलगा गांव तक) पर चर्चा हुई। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार से मंजूरी मिलते ही इस पर काम शुरू होगा। एनएच-522 पर सलगा से चतरा तक प्रस्तावित सड़क परियोजना की भी समीक्षा की गई और अधिकारियों को इसकी डीपीआर बनाने के निर्देश दिए गए।

सहयोग शिविर में साइबर मंगलवार मुहिम के तहत लगाए गए स्टॉल लोगों को सचेत रहने के लिए किया गया प्रेरित

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई। जन-समस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी निष्पादन के उद्देश्य से जमुई जिले के सभी दस प्रखंडों के सूचीबद्ध पंचायतों में 'सहयोग शिविर' का सफल आयोजन किया गया। डीएम श्री नवीन और एसपी विश्वजीत दयाल ने संयुक्त रूप से सिकंदरा प्रखंड अंतर्गत मंजोष तथा खैरा प्रखंड के तहत बिशनपुर पंचायत में आयोजित शिविर का जायजा लिया। पदस्थ द्वय ने इस दरम्यान दूर-दराज से आए ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और पूर्व में प्राप्त आवेदनों के सफल निष्पादन के उपरांत लाभुकों के हाथों में स्वीकृति और प्रमाण पत्र सौंपा। सहयोग शिविर में साइबर मंगलवार अभियान के तहत साइबर सुरक्षा के लिए विशेष स्टॉल लगाए गए। साइबर अपराध से पीड़ित लोग यहां अपनी समस्याओं के लिए आवेदन दिया और न्याय की गुहार लगाई। इसके अलावे शिविर में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को साइबर सुरक्षा नशामुक्ति एवं सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। डीएम ने सहयोग पोर्टल की चर्चा करते हुए कहा कि जिला प्रशासन तय समय के भीतर वैध आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यदि कोई व्यक्ति जिला स्तरीय समाधान से संतुष्ट नहीं होते हैं तो वे राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री के सहयोग शिविर में समाधान हेतु सहयोग पोर्टल के माध्यम से आवेदन दे सकते हैं। वहीं एसपी ने लोगों को साइबर अपराध के आधुनिक एवं नए तौर-तरीकों के प्रति सचेत किया। साथ ही मोबाइल व्हाट्स एप और फेसबुक के माध्यम से किए गए साइबर अपराधों से जुड़ी वास्तविक घटनाओं का उदाहरण देते हुए समझाया कि थोड़ी सी सतर्कता और जागरूक सोच से वित्तीय धोखाधड़ी से आसानी से बचा जा सकता है। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से 'संचार साथी' पोर्टल और राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 नंबर का उपयोग करने का आह्वान किया

परियोजना बालिका उच्च विद्यालय इटखोरी का होगा कायाकल्प 3.20 करोड़ की लागत से होगा पुनर्निर्माण, निर्माण हेतु ई-निविदा जारी

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी। प्रखंड क्षेत्र में बालिकाओं की उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले परियोजना बालिका उच्च विद्यालय का अब कायाकल्प होगा। विद्यालय भवन को लेकर वर्षों से बनी हुई समस्या का निराकरण होने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। इटखोरी प्रखंड क्षेत्र में बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और जर्जर भवनों की समस्या को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने इटखोरी प्रखंड अंतर्गत परियोजना बालिका उच्च विद्यालय के जर्जर भवनों के संपूर्ण पुनर्निर्माण को हरी झंडी दे दी है। परियोजना बालिका उच्च विद्यालय के नए भवन के निर्माण पर कुल 3.20 करोड़ की लागत आएगी। इस राशि से विद्यालय के छात्राओं के लिए नए भवन का निर्माण होगा और बरसात के दिनों में विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं को जर्जर भवन में पढ़ने से निजात मिल सकेगा। इस बालिका उच्च विद्यालय का वर्तमान भवन काफी पुराना और जर्जर हो चुका है। बरसात के दिनों में छात्राओं को कक्षाओं में पानी टपकने और छत के प्लास्टर गिरने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अलावे वर्ग कक्ष के कमरों की कमी के कारण छात्राओं की पढ़ाई बाधित होती है। छत का प्लास्टर टूटकर नीचे गिरता है जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और भय के साए में छात्राएं अध्ययन करने को मजबूर होती रही है। विद्यालय के जर्जर भवनों के निर्माण को ले कर यहां अध्ययनरत छात्राओं ने कई बार सड़क पर उतरकर आंदोलन भी किया है। समय-समय पर विभिन्न समाचार पत्रों में भी परियोजना बालिका उच्च विद्यालय की छात्राओं की समस्याओं को उजागर किया जाता रहा है। छात्राओं की इस समस्या को देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विद्यालय प्रबंधन ने सरकार से नए भवन की मांग की थी। इस आलोक में सरकार ने परियोजना बालिका उच्च विद्यालय के भवन निर्माण दिशा में सकारात्मक कदम उठाते हुए निर्माण के लिए हरी झंडी दे दी है। जिला परिषद, चतरा द्वारा भवन निर्माण के लिए ई निविदा निकाल दी गई है। कार्य को पूर्ण करने के लिए 18 माह की समय-सीमा निर्धारित की गई है। प्रस्तावित 2 मंजिला भवन में 10 अतिरिक्त वर्ग कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष, पुस्तकालय, प्रधानाध्यापिका कक्ष, शिक्षक कक्ष के साथ-साथ छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय और सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था होगी। परिसर में चारदीवारी और खेल का मैदान भी विकसित किया जाएगा। विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकों,छात्राओं ,अभिभावकों ने इस स्वीकृति पर खुशी जताते हुए सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही चतरा सांसद कालीचरण सिंह, सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल दास,भाजपा जिला महामंत्री डॉ.मृत्युंजय सिंह, सहित सभी जनप्रतिनिधियों के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित की है। नए भवन से न केवल पढ़ाई का वातावरण बेहतर होगा, बल्कि छात्राओं की संख्या में भी वृद्धि होगी। और, सबसे बड़ी बात यह होगी कि वर्षों से जो समस्या बनी हुई थी उसका निराकरण संभव हो सकेगा। स्थानीय लोगों ने इस योजना को लेकर इटखोरी क्षेत्र की बालिकाओं के शिक्षा के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि इससे प्रखंड क्षेत्र में बालिका शिक्षा को नई दिशा मिलेगी और विद्यालय की छात्राएं नए भवन का निर्माण होने से भयमुक्त वातावरण में निर्भय होकर शिक्षा प्राप्त करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

नेटफ्लिक्स पर 7 अगस्त से रिलीज होगी कारगिल युद्ध पर आधारित सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर'

मुंबई। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना के ऐतिहासिक अभियान पर आधारित अपनी सैन्य ड्रामा सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है। वास्तविक घटनाओं से प्रेरित यह सीरीज 7 अगस्त 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। सीरीज 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सफेद सागर' पर आधारित है, जिसे दुनिया का सबसे ऊंचाई पर संचालित हवाई अभियान माना जाता है। इसमें भारतीय वायु सेना की गोल्डन एरोज स्क्वॉड्रन की अब तक अनकही कहानी को पर्दे पर दिखाया गया है। सीरीज का निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इसे अभिजीत सिंह परमार और कुशल श्रीवास्तव ने विकसित किया है, जबकि निर्माण मैचबॉक्स शॉट्स एलएलपी के संजय रौत्रे, सरिता पाटिल और फील गुड फिल्म्स के मेहबूब पाल सिंह बराड़ ने किया है। सीरीज में सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दिया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्नव भसीन और अमृता बागची प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। जिमी शेरगिल ने विंग कमांडर बी.एस. धनोआ 'टोनी' और सिद्धार्थ ने स्क्वॉड्रन लीडर अजय आहूजा की भूमिका निभाई है। निर्माताओं के अनुसार, सीरीज के लिए व्यापक शोध किया गया है। भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारियों से बातचीत कर ऐतिहासिक तथ्यों को शामिल किया गया है। शूटिंग वास्तविक वायु सेना के ऑपरेशनल बेस पर की गई है और असली लड़ाकू विमानों व सैन्य संसाधनों का उपयोग किया गया है, जिससे युद्ध और मिशन की वास्तविकता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सके। 'ऑपरेशन सफेद सागर' भारतीय सैनिकों के साहस, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान की कहानी को दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास है। यह सीरीज कारगिल युद्ध के उस महत्वपूर्ण अध्याय को सामने लाएगी, जिसने युद्ध की दिशा बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई थी।

पीएमएफएमई योजना के तहत दो लाख ऋण मंजूरियां, लाखों उद्यमी बन रहे आत्मनिर्भर : चिराग पासवान

वाराणसी। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण (PMFME) योजना के तहत दो लाख से अधिक ऋण मंजूरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि लाखों छोटे उद्यमियों को औपचारिक वित्तीय सहायता मिलने से रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत अब तक 20,300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित हुआ है, करीब छह लाख रोजगार सृजित हुए हैं तथा 75 हजार से अधिक इकाइयां औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़ी हैं। लगभग 44 प्रतिशत ऋण महिला उद्यमियों को मिले हैं और चार लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी लाभ मिला है। चिराग पासवान ने कहा कि पीएमएफएमई योजना का उद्देश्य छोटे उद्यमियों को वित्त, तकनीक, प्रशिक्षण, ब्रांडिंग और बाजार उपलब्ध कराकर उन्हें 'जॉब सीकर' से 'जॉब क्रिएटर' बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अब अधिक से अधिक उद्यमियों को बाजार और निर्यात के अवसरों से जोड़कर उनके व्यवसाय को स्थायी रूप से मजबूत करना है।

"रिश्ते ही पूंजी हैं" मोटिवेशनल सीरीज़ के दूसरे एपिसोड का प्रीमियर शो वाराणसी मे 24 जुलाई को,रिश्तों को मजबूत करने का देगा प्रेरक संदेश

» टूटते रिश्तों को नई सोच और युवाओं को नई दिशा देने आ रही मोटिवेशनल सीरीज़ 'रिश्ते ही पूंजी हैं'

वाराणसी। लोकप्रिय मोटिवेशनल सीरीज़ रिश्ते ही पूंजी हैं के एपिसोड-2 का प्रीमियर शो 24 जुलाई 2026 शुक्रवार को रात्रि 9:45 बजे से 10:45 बजे तक रथयात्रा-महमूरगंज रोड स्थित होटल सेलिब्रेंट में आयोजित किया जाएगा | जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के संस्थापक एवं मोटिवेशनल स्पीकर संजीव अग्रवाल ने बताया कि यह केवल नौ मिनट का प्रेरणादायक एपिसोड है जिसका उद्देश्य आज के दौर में टूटते रिश्तों को नई सोच,युवाओं मे नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करना है कार्यक्रम का सानिध्य सूरज सिंह द्वारा किया जाएगा | संजीव अग्रवाल ने कहा रिश्ता वो नहीं जो बसंत में साथ मुस्कुराए,रिश्ता वो है जो पतझड़ में भी हाथ ना छुड़ाए | एक कप कॉफ़ी,दो बातें और सच्ची मुस्कान में ही रिश्तों की जान बसती है इसी भाव को लेकर हम यह सीरीज़ लेकर आए हैं ||

सांस्कृतिक विरासत संरक्षण में सनातन संस्था को सहयोग देगी छत्तीसगढ़ सरकारः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

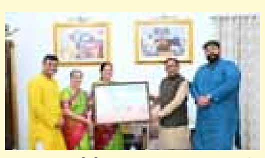

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि राज्य के तीर्थस्थलों, पवित्र नदियों और पौराणिक धरोहरों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार सनातन संस्था को हरसंभव सहयोग देगी। यह आश्वासन उन्होंने सनातन संस्था की आध्यात्मिक उत्तराधिकारी श्रीसत्शक्ति (श्रीमती) बिंदा सिंगबाळ और श्रीचित्शक्ति (श्रीमती) अंजलि गाडगीळ से शिष्टाचार भेंट के दौरान दिया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में सोमनाथ शिवलिंग के सुरक्षित दिव्यांशों के दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ में विशेष आयोजन कराने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने सनातन संस्था द्वारा राष्ट्र, धर्म और आध्यात्मिक अनुसंधान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप जूदेव, हिंदू राष्ट्र समन्वय समिति के अधिवक्ता आशीष शर्मा, हिंदू जनजागृति समिति के राज्य संगठक सुनील घनवट सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

माथुरवैश्य शाखा सभा के रक्तदान शिविर में 105 यूनिट रक्त संग्रह

वाराणसी। माथुरवैश्य शाखा सभा, वाराणसी द्वारा रथयात्रा स्थित कन्हैया लाल गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित 10वें रक्तदान शिविर में 105 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि चीफ फायर ऑफिसर आनंद सिंह राजपूत एवं अखिल भारतीय माथुरवैश्य महासभा के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने किया। एसएसपीजी मंडलीय जिला चिकित्सालय की चिकित्सकीय टीम की देखरेख में रक्तदान संपन्न हुआ। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र, उपहार और जलपान देकर सम्मानित किया गया, वहीं चिकित्सकों और रक्तवीरों का भी सम्मान किया गया। शिविर के संयोजक गौरव गुप्ता एवं सह-संयोजक मनीष गुप्ता रहे। कार्यक्रम में शाखा सभा के अध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता, मंत्री मयंक सोनी, महिला मंडल, सेवा दल तथा समाज के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि "रक्तदान महादान है" और यह किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है।

विद्यालय और समुदाय के बीच सशक्त सेतु बनीं छात्राएँ, घर-घर हस्ताक्षर अभियान से जगाई जनजागरूकता

नई सोच एक्सप्रेस

» शांति सोनी के मार्गदर्शन में शिक्षा, जल संरक्षण, नशा मुक्ति और मासिक धर्म स्वच्छता पर चला व्यापक अभियान; छात्राओं ने जुटाए हजारों हस्ताक्षर

बिलासपुर,छत्तीसगढ़। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महमंद, विकासखंड बिल्हा, जिला बिलासपुर में व्याख्याता एवं नवाचारी शिक्षिका शांति सोनी के मार्गदर्शन में विद्यालय–समुदाय सहभागिता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, जल संचयन–जल संरक्षण तथा "नशा छोड़ो–जीवन जोड़ो" जैसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शिक्षा के प्रति जनभागीदारी बढ़ाना, सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा विद्यालय और समुदाय के बीच विश्वास एवं सहयोग को मजबूत करना है। अभियान के अंतर्गत कक्षा 11वीं की छात्राएँ राधिका निषाद, ममता चौहान एवं हेमलता तथा कक्षा 9वीं की छात्रा दीपा साहू ने अपने अभिभावकों और ग्रामवासियों के सहयोग से घर-घर जाकर लोगों से संवाद स्थापित किया। छात्राओं ने विद्यालय की गतिविधियों, शिक्षा के महत्व और सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेशों का प्रचार करते हुए बड़ी संख्या में हस्ताक्षर एकत्रित किए। अभियान की उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि राधिका निषाद ने अकेले 2,000 से अधिक हस्ताक्षर एकत्र किए। वहीं दीपा साहू ने अपनी माता श्रीमती रूपवती साहू के सहयोग से 2,000 से अधिक हस्ताक्षर जुटाकर प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। अन्य छात्राओं ने भी पूरे उत्साह के साथ अभियान में भाग लेकर जनसंपर्क एवं हस्ताक्षर संग्रह में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शांति सोनी ने कहा कि जब विद्यार्थी विद्यालय की चारदीवारी से बाहर निकलकर समाज के बीच सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनते हैं, तभी शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होता है। उन्होंने कहा कि यह अभियान विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने की दिशा में एक प्रभावी पहल है, जिसे ग्रामीण समुदाय का भरपूर सहयोग और समर्थन मिल रहा है।

वाराणसी रेलवे कॉलोनियों में पीएनजी आपूर्ति के लिए रेलवे-गेल के बीच एमओयू

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल और गेल इंडिया लिमिटेड के बीच रेलवे कॉलोनियों में घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) आपूर्ति के लिए बुधवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। पूर्वोत्तर रेलवे में इस तरह का यह पहला समझौता है। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन की उपस्थिति में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) विकास कुमार सिंह और गेल इंडिया के महाप्रबंधक सुशील कुमार ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। डीआरएम ने पीएनजी को सुरक्षित, किफायती और पर्यावरण अनुकूल ईंधन बताया। समझौते के तहत वाराणसी की रेलवे कॉलोनियों के आवासों और संस्थानों में चरणबद्ध तरीके से पीएनजी कनेक्शन दिए जाएंगे। इससे कर्मचारियों को एलपीजी सिलेंडर की झंझट से राहत मिलेगी, मीटर आधारित बिलिंग होगी और स्वच्छ ईंधन की सुविधा उपलब्ध होगी। एमओयू के बाद रेलवे कॉलोनियों में पीएनजी पाइपलाइन बिछाने का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

प्रेरणा वृद्धाश्रम में सात समुद्र पार बर्लिन से बुज़ुर्गों का आशीर्वाद लेने पहुंची दिव्या सैनी

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के प्रेरणा वृद्धाश्रम की ख्याति विदेश में भी हो रही है। इसी लिए दूसरे देशों से नियमित लोग आते रहते हैं। इसी क्रम में सात समुद्र पार बर्लिन से प्रेरणा वृद्धाश्रम में दिव्या सैनी बुजुर्गों से आशीर्वाद लेने के लिए पहुंची। प्रेरणा वृद्धाश्रम के संस्थापक एवं संचालक डा. जय भगवान सिंगला ने बताया कि प्रेरणा वृद्धाश्रम की ख्याति सुनकर बुजुर्गों से आशीर्वाद लेने के लिए दिव्या सैनी नाम की यह लड़की जर्मनी से प्रेरणा वृद्धाश्रम में पहुंची। यह लड़की बुजुर्गों से मिलकर और उनके दुख दर्द जानकर भावुक हो गई। उसने कहा कि हमारा देश तो समृद्ध परंपराओं, संस्कार और उच्च संस्कृति से ओतप्रोत देश है, फिर हमारे देश में ऐसे संस्कार कहां से आ गए। विदेश की बात तो अलग है वहां तो कोई किसी से लगाव नहीं रखता। एक उम्र के बाद माता पिता बच्चों का मोह छोड़ देते हैं और बच्चों को भी अपने माता पिता से कोई मोह नहीं रहता है। लेकिन हमारा देश भारत तो ऐसा देश है जहां भगवान राम ने पिता का आदेश मानकर अपना राजपाट त्याग दिया था। इस अवसर पर आशा सिंगला और किरण गर्ग ने दिव्या सैनी का अंग वस्त्र से सम्मान किया। प्रेरणा की सक्रिय सदस्य सुरेखा ने एक भजन के माध्यम से अपने विचार रखे और सबको भावुक कर दिया। इस अवसर पर दिव्या सैनी की सास सुमन सैनी भी उसके साथ थी। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी बहू दिव्या पर गर्व है, जो विदेश में रहकर भी जरा नहीं बदली और भारतीय संस्कृति और संस्कारों की हृदय से प्रशंसक है। विदेश में रहकर भी हमारे दुख सुख का ख्याल रखती है। इस अवसर पर सभी बुजुर्गों ने दिव्या से अपने मन की बात साझा की और इस बात पर दुख प्रकट किया कि जिन बच्चों के लिए हमने पूरा जीवन लगा दिया, जब हमें उनकी जरूरत पड़ी तो उन्होंने हमें बेदर्दी से ठुकरा दिया। यह बात सुनकर सभी की आंखें नम हो गईं। इस अवसर पर ऊषा सच्चर, कौशल, बलविंदर कौर, बलदेव श्रीवास्तव, मगत राम, जोगिंदर इत्यादि सभी बुजुर्ग मौजूद रहे। डा. जय भगवान सिंगला ने इस मौके पर अतिथियों को स्वरचित, कई पुस्तकें भेंट की।

इनर व्हील क्लब वाराणसी 'मित्रम' की अध्यक्ष बनीं डाक्टर शालिनी सिंह, पदग्रहण समारोह में हुए कई सेवा प्रकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

» रोटी बैंक को खाद्य सामग्री,विद्यार्थियों को स्टेशनरी और पॉलीथिन मुक्त भारत के लिए जूट के थैले वितरित

वाराणसी। इनर व्हील क्लब वाराणसी 'मित्रम' का पदग्रहण समारोह ककरमत्ता स्थित एक होटल में उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ | कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरार डाक्टर अनुराधा भाटिया तथा क्लब की संस्थापिका पीएटी/पीडीसी डाक्टर अंजलि अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया | इस अवसर पर सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई नई टीम में डाक्टर शालिनी सिंह ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली | इसके अलावा सतरूपा को वाइस प्रेसीडेंट,वंदना श्रीवास्तव को सचिव,डाक्टर ममता तिवारी को कोषाध्यक्ष,गीता अग्रवाल को आईएसओ तथा डाक्टर सरोज राय को एडिटर नियुक्त किया गया | अपने संबोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष डाक्टर शालिनी सिंह ने सेवा,सामाजिक सरोकार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में क्लब की गतिविधियों को और विस्तार देने का संकल्प व्यक्त किया | समारोह के दौरान विभिन्न सामाजिक प्रकल्प भी संचालित किए गए रोटी बैंक को खाद्य सामग्री प्रदान की गई | विद्यार्थियों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई तथा पॉलीथिन मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जूट के थैले और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे वितरित किए गए | कार्यक्रम में श्रेयसी मिश्रा ने गणेश वंदना प्रस्तुत की | समारोह का संचालन डाक्टर अंजलि अग्रवाल ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन सतरूपा ने दिया | इस अवसर पर निशा,श्वेता,शाइस्ता,मंजू केशरी,उमा केशरी सहित क्लब की अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं ||

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 119वां स्थापना दिवस सेवा,स्वास्थ्य,पर्यावरण संरक्षण एवं सांस्कृतिक उत्सव के साथ मनाया

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी। देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक,बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने 119वें स्थापना दिवस के अवसर पर वाराणसी में सेवा,स्वास्थ्य,पर्यावरण संरक्षण एवं सांस्कृतिक एकता को समर्पित विविध कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया | स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत प्रातः छह बजे बैंक ऑफ बड़ौदा गुरुधाम शाखा से आयोजित वॉकाथॉन के साथ हुई | वॉकाथॉन गुरुधाम शाखा से प्रारंभ होकर दुर्गाकुंड एवं रविंद्रपुरी मार्ग से होते हुए पुनः गुरुधाम शाखा पर सम्पन्न हुई | इस दौरान प्रतिभागियों ने स्वास्थ,वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण,साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया | इसके उपरांत प्रातः ग्यारह बजे पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ बाल उद्यान पार्क,बीएलडब्ल्यू एवं कैवल्य धाम पार्क, दुर्गाकुंड में 119 पौधों का वृक्षारोपण किया गया | इस अवसर पर बैंक के कार्यपालक,वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की | सायंकाल स्वतंत्रता भवन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भव्य सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया | कार्यक्रम का शुभारंभ बैंक ऑफ बड़ौदा के संस्थापक सर सियाजीराव गायकवाड़ तृतीय को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई | कार्यक्रम का स्वागत सम्बोधन मनोज कुमार बक्शी, उप महाप्रबंधक (Compliance & Assurance) द्वारा किया गया | कार्यक्रम मिथिलेश कुमार महाप्रबंधक वाराणसी अंचल के अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई इस अवसर पर अपने संबोधन में मिथिलेश कुमार ने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा की 119 वर्षों की गौरवशाली यात्रा ग्राहकों के विश्वास,कर्मचारियों के समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का परिणाम है | उन्होंने कहा कि बैंक केवल उत्कृष्ट बैंकिंग सेवाएं ही नहीं,बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व,पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में भी निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है | उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बैंक की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता बनाए रखने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निरंतर निर्वहन करने का आह्वान किया | इस कार्यक्रम मे बैंक के स्टाफ़ सदस्य एवं सेवानिवृत स्टाफ सदस्य ने भाग लिया | भारत भूषण क्षेत्रीय प्रमुख वाराणसी क्षेत्र ने कार्यक्रम मे सम्बोधन दिया एवं समापन सम्बोधन भोला नाथ त्रिवेदी,उप महाप्रबंधक (Business Development),वाराणसी अंचल द्वारा की गई ||

जलभराव पर सीएम योगी का कड़ा रुखः अफसरों को दिए तुरंत जलनिकासी के निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एनेक्सी भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के दौरान शहर में विकास कार्यों, बाढ़ बचाव और जलनिकासी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी कि मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नगर निगम, सिंचाई और लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि वे आपस में बेहतर समन्वय बनाते हुए समयबद्ध तरीके से सभी नालों की तली झाड़कर सफाई कराएं, जलभराव के प्रति संवेदनशील (हॉटस्पॉट) इलाकों को चिह्नित कर अतिरिक्त पंप तैनात करें और सभी पंपिंग स्टेशनों को पूर्ण क्षमता व पावर बैकअप के साथ संचालित रखें,उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कहीं भी जनता को असुविधा या काम में लापरवाही मिली तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जियोहॉटस्टार ने रिलीज़ किया 'भोजपुरी बवाल' का ऑफिशियल एंथम, 2 अगस्त से होगा प्रीमियर

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई। जियोहॉटस्टार और कलर्स ने आगामी शो 'भोजपुरी बवाल' का ऑफिशियल एंथम रिलीज़ कर दिया है। हाई-एनर्जी म्यूज़िकल एंथम में भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी और तेज प्रताप यादव एक साथ नजर आ रहे हैं। एंथम का संगीत और गायन प्रसिद्ध कंपोज़र-सिंगर स्नेहा खानवलकर ने किया है। भव्य विजुअल्स, दमदार कोरियोग्राफी और जोशीले संगीत से सजा यह एंथम भोजपुरी संस्कृति, गौरव और मनोरंजन जगत की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करता है। कलाकारों ने इसे भोजपुरी समाज के आत्मविश्वास, संघर्ष और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव बताया। स्नेहा खानवलकर ने कहा कि एंथम का उद्देश्य भोजपुरी संगीत की मौलिकता को बरकरार रखते हुए उसे आधुनिक अंदाज़ में देशभर के दर्शकों तक पहुंचाना है। वहीं पवन सिंह, निरहुआ, आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी और तेज प्रताप यादव ने इसे भोजपुरी संस्कृति और मनोरंजन जगत के लिए गर्व का क्षण बताया। 'भोजपुरी बवाल' का प्रीमियर 2 अगस्त से जियोहॉटस्टार और कलर्स पर होगा।

बालघर विद्यालय का भवन निर्माण कार्य आधुनिक तकनीक एवं मेहनत के संगम से प्रगति पर : जीवन मौदगिल

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने किया निरीक्षण

कुरुक्षेत्र। श्रीमद् भगवद गीता प्राथमिक विद्यालय बालघर में नन्हे बच्चों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नए भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। भवन निर्माण के लिए विद्यालय द्वारा स्वयं खरीदकर आधुनिक मशीनों का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण कार्य को गति मिल रही है और समय की बचत हो रही है। प्रबंधन कमेटी के जीवन मौदगिल ने बताया कि निर्माण स्थल पर मशीनों की सहायता से नींव, दीवारों तथा अन्य निर्माण कार्यों को व्यवस्थित और तेजी से पूरा किया जा रहा है। विद्यालय भवन का निर्माण कार्य निर्धारित योजना के अनुसार प्रगति पर है। आधुनिक तकनीक और मशीनों के प्रयोग से भवन का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि नया भवन बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक वातावरण, पर्याप्त कक्षाओं और आवश्यक सुविधाओं के साथ तैयार किया जा रहा है। प्रबंधन समिति के अथक प्रयासों द्वारा निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एक मजबूत विद्यालय भवन बेहतर शिक्षा और उज्जवल भविष्य की आधारशिलाहै।

राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस पर देसी घी की मिठाई खिलाकर मनाया गया उत्सव

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस के अवसर पर थानेसर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राम मेहर शर्मा आचार्य ने कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित नागरिकों को देसी घी की मिठाई खिलाकर बधाई दी और सभी को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं गौरव को बनाए रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर राम मेहर शर्मा आचार्य ने कहा कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया था। तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, बलिदान और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है कि वह तिरंगे का सम्मान करे और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखे। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को केवल विशेष अवसरों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने दैनिक जीवन में भी राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय मूल्यों का पालन करें। कार्यक्रम के दौरान सभी ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के उद्घोष लगाए तथा एक-दूसरे का मुंह मीठा कर राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस की शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

14वीं जेपीएससी मेन्स परीक्षा तत्काल स्थगित हो, निष्पक्ष जांच के बाद ही हो आगे की प्रक्रिया : आजसू

रांची।आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता संजय मेहता ने 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की मेन्स परीक्षा तत्काल स्थगित करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि पीटी परीक्षा से जुड़े विवाद, परीक्षा नियंत्रक व अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई तथा आयोग के अध्यक्ष के इस्तीफे के बाद मौजूदा परिस्थितियों में मेन्स परीक्षा कराना उचित नहीं है। मेहता ने कहा कि अध्यक्ष के बिना मेन्स परीक्षा आयोजित करने की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि जल्दबाजी में नए अध्यक्ष की नियुक्ति कर परीक्षा कराने के बजाय पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच पूरी होने तक मेन्स परीक्षा स्थगित की जाए और नई अधिसूचना जारी कर आगे की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना सरकार और आयोग की जिम्मेदारी है। यदि परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं तो पहले सभी विवादों का समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी छात्रों और युवाओं के हितों की रक्षा के लिए आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करती रहेगी।

चार वर्षीय मासूम से दुष्कर्मः क्या कानून का भय समाप्त हो गया है?

फतुहा।भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने समस्तीपुर और वैशाली में नाबालिग बच्चियों के साथ कथित दुष्कर्म की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएँ समाज के लिए अत्यंत पीड़ादायक हैं और यह कानून-व्यवस्था तथा महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर जिले के रोसड़ा थाना क्षेत्र में चार वर्षीय मासूम बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म तथा वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र में ट्यूशन पढ़ने जा रही 14 वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यदि ऐसे जघन्य अपराध लगातार सामने आते हैं, तो यह आवश्यक है कि अपराधियों के मन में कानून का प्रभावी भय स्थापित हो। डॉ. पटेल ने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में मासूम बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष, त्वरित और वैज्ञानिक जांच कर दोषियों के विरुद्ध शीघ्र आरोपपत्र दाखिल किया जाए तथा न्यायालय में तेजी से सुनवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों पर कठोर दंड और त्वरित न्याय व्यवस्था पर व्यापक राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा होनी चाहिए। उनके अनुसार, कानून का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि अपराधों को रोकने के लिए प्रभावी निवारक वातावरण भी तैयार करना होना चाहिए। अंत में उन्होंने कहा कि परिवार, प्रशासन, समाज, परिवार और शिक्षा व्यवस्था—सभी को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ बेटियाँ और मासूम बच्चे भयमुक्त होकर जीवन जी सकें। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा किसी भी लोकतांत्रिक समाज की सबसे बड़ी कसौटी है।

हजारीबाग अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का लिया जायजा

हजारीबाग। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों (मत्स्य विभाग, इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, केबी हाई स्कूल, कोर्रा एवं दीपगढ़ा) का दौरा किया। उन्होंने बूथ लेवल ऑफिसर और सुपरवाइजरों द्वारा प्रपत्र वितरण, डिजिटाइजेशन की प्रगति सूची (मृतक, डुप्लीकेट, स्थानांतरित मतदाता) के अद्यतनीकरण का अवलोकन किया। बीएलओ और सुपरवाइजरों को राजनीतिक दलों के बीएलए-2 के साथ बैठक कर सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्वक पूरे करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सदर एसडीओ आदित्य पांडेय, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, सहायक नगर आयुक्त और निर्वाचन कर्मी उपस्थित रहे।

पत्रकारों पर हमला बर्दास्त नही करेंगे : प्रेम कुमार

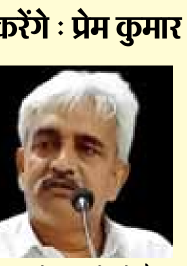

पटना।हाल के दिनों में पत्रकारों पर हमले तेज हो गये है यह बर्दास्त नही किया जायेगा उक्त बातें बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पटना के महासचिव प्रेम कुमार ने कहा । उन्होंने बताया कि दिल्ली से लेकर पटना तक पत्रकारो को टारगेट कर पीटा जा रहा है वही रंगदार एवं थानेदार के गठजोड़ से फर्जी मुकदमे दर्ज हो रहे है यह निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए चिंता का विषय है । सच लिखने के कारण पत्रकारों को निशाना बनाया जाना लोकतंत्र के चौथा स्तम्भ को कमजोर करने का षड्यंत्र है । उन्होंने पटना में एक टीवी चैनल के पत्रकार के ऊपर जानलेवा हमला का घोर निंदा किया है साथ सरकार से पत्रकारो की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है । पत्रकार के ऊपर फर्जी मुकदमे पर रोक लगे । पत्रकारो की बिमा की राशि सरकार वहन करे साथ पत्रकारो का पेंशन तीस हजार किया जाए । पत्रकारों को रेल एवं हवाई यात्रा में रियात मिले । यूनियन अभियान चलाकर ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारो को सदस्य बना रहा है । बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पत्रकारो के हित के लिए संकल्पित है ।

बिहार विधान परिषद में बुधवार को भाजपा और राजद एमएलसी भिड़े

पटना। बिहार विधान परिषद में बुधवार को प्रस्तावित सैटेलाइट टाउनशिप योजना को लेकर चर्चा के दौरान भाजपा और राजद सदस्यों के बीच तीखी बहस हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि सदस्यों के बीच व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल होने लगा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह को सख्त लहजे में सदस्यों को सदन की मयार्दा बनाए रखने की हिदायत देनी पड़ी। मामला बिहार सरकार की ओर से राज्य के 11 शहरों और क्षेत्रों में सुनियोजित सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की योजना से जुड़ा था। चर्चा के दौरान राजद के डॉ. सुनील सिंह ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि टाउनशिप योजना को लेकर नियमों की अस्पष्टता के कारण बड़ी संख्या में भूमि मालिकों को अपनी जमीन बेचने में परेशानी हो रही है। उन्होंने सरकार से नियमों को स्पष्ट करने की मांग की। डॉ. सुनील सिंह के सवाल का समर्थन करते हुए जदयू के नीरज कुमार ने भी किसानों और भूमि मालिकों के बीच पैदा हुए भ्रम का मुद्दा सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि टाउनशिप योजना को लेकर जमीन मालिकों के बीच स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। सदस्यों के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री नीतीश मिश्रा ने सरकार की ओर से नियमों की स्थिति स्पष्ट की। हालांकि, डॉ. सुनील सिंह मंत्री के जवाब से संतुष्ट नजर नहीं आए और इस मुद्दे पर चर्चा आगे बढ़ती रही।इसी दौरान भाजपा एमएलसी नवल किशोर यादव ने कहा कि कोई भी जमीन मालिक टाउनशिप योजना का विरोध नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह का विरोध केवल जमीन के कारोबार से जुड़े लोगों की ओर से किया जा रहा है। नवल किशोर यादव की ओर से ह्यदलालह्ण शब्द का इस्तेमाल किए जाने पर डॉ. सुनील सिंह ने कड़ी आपत्ति जताई। सदन आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने से सदन का माहौल गरमा गया। स्थिति यहां तक पहुंच गई कि बहस व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप में बदल गई। सदन में इसे लेकर कुछ समय तक जमकर हंगामा और नारेबाजी होते रही। स्थिति अराजक होता देख सभापति ने सदस्यों को तल्ख लहजे से सदन की मयार्दा बनाये रखने का निर्देश दिया।

गंगा किनारे बनेंगे अंबिका, विश्वामित्र और नारायणी पथ : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» स्टेट हाईवे पर केवल व्यावसायिक वाहनों से ही टैक्स लिया जाएगा : दामोदर
» बिहार के 6 जिलों को मिलेगी बड़ी राहत! पटना से गोपालगंज-बक्सर तक सफर होगा आसान

पटना।बिहार सरकार राज्य में सड़क कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने की तैयारी में जुट गई है। बिहार में अब जल्द ही तीन नए गंगा पथों का निर्माण किया जाएगा। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के पूरा होने के बाद कई जिलों के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।सरकार ने इन गंगा पथों के निर्माण से पहले सर्वे और तकनीकी अध्ययन की प्रक्रिया तेज कर दी है। बिहार राज्य पथ विकास निगम की ओर से जारी निविदा में आधा दर्जन एजेंसियों ने रुचि दिखाई है। इनमें से एक एजेंसी का चयन अगले सप्ताह तक परामर्शी के रूप में किया जाएगा।इन तीनों प्रस्तावित गंगा पथों में बिदुपुर से दिघवारा तक गंगा अंबिका पथ, मनेर-बक्सर गंगा पथ यानी विश्वामित्र पथ और सारण के दरिहारा (कोन्हुआ) से गोपालगंज के डुमरिया घाट तक नारायणी पथ शामिल हैं। इन परियोजनाओं के लिए चयनित परामर्शी एजेंसी फाइनल एलाइनमेंट, निर्माण लागत, यातायात दबाव और भविष्य की जरूरतों का आकलन करेगी। अधिकारियों के अनुसार अगले 20 से 25 वर्षों में इन सड़कों पर बढ़ने वाले ट्रैफिक दबाव का भी अध्ययन किया जाएगा।इसके अलावा इन पथों से संभावित टोल टैक्स आय का भी अनुमान लगाया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया करीब छह महीने में पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है ।प्रस्तावित गंगा अंबिका पथ बिदुपुर से दिघवारा तक करीब 56 किलोमीटर लंबा होगा। यह गंगा नदी के दक्षिणी किनारे से होकर गुजरेगा।वहीं, मनेर-बक्सर विश्वामित्र पथ की लंबाई करीब 90 किलोमीटर होगी। जबकि सारण के दरिहारा से गोपालगंज के डुमरिया घाट तक बनने वाला नारायणी पथ करीब 73.51 किलोमीटर लंबा होगा।इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद पटना, सारण, सीवान, गोपालगंज, भोजपुर और बक्सर समेत कई जिलों के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी। व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की संभावना है।इधर बिहार सरकार ने स्टेट हाईवे पर टोल टैक्स को लेकर भी स्थिति साफ कर दी है। सरकार ने कहा है कि स्टेट हाईवे पर केवल व्यावसायिक वाहनों से ही टैक्स लिया जाएगा।परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने मंगलवार को विधान परिषद में इसकी जानकारी दी। राजद एमएलसी अब्दुल बारी सिद्दीकी द्वारा टैक्स नहीं लगाने की मांग पर जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि सड़क और आधारभूत संरचना के विकास के लिए शुल्क संग्रह जरूरी है। उन्होंने बताया कि सरकार ने नियमावली अधिसूचित कर दी है, हालांकि अभी लिखित आदेश जारी नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश के अनुसार केवल पीले रंग के नंबर प्लेट वाले व्यावसायिक वाहनों से ही टोल वसूली की जाएगी।सरकार का दावा है कि बेहतर सड़क नेटवर्क के लिए यह कदम जरूरी है, जबकि विपक्ष लगातार आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ को लेकर सवाल उठा रहा है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि तीनों गंगा पथ परियोजनाएं कितनी तेजी से जमीन पर उतरती हैं और बिहार के विकास की रफ्तार को कितना आगे बढ़ाती हैं।

हजारीबाग एसपी ने की बरही थाने के लंबित कांडों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।पुलिस अधीक्षक ने बरही एसडीपीओ और थाना पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने वर्ष 2025 से पूर्व के और वर्तमान में लंबित सभी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द निपटाने का निर्देश दिया। जमानती/गैरजमानती वारंट, इश्तेहार और कुर्की-जब्ती के लंबित मामलों के निष्पादन के लिए विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया गया। थाना प्रभारी और पुलिस अधिकारी हर सोमवार को बैठक कर लंबित मामलों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री वाले ठिकानों को चिन्हित कर इसमें शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। जनसमस्याएं और भूमि थाने में आने वाली आम जनता की समस्याओं को समय पर सुनने व सुलझाने के निर्देश दिए गए। वहीं भूमि विवाद से जुड़े मामलों को 'थाना दिवस' पर अंचलाधिकारी और एसडीओ के साथ समन्वय बनाकर निपटाने को कहा गया।

गरीबों के मसीहा बने डॉ. अरुण कुमार दांगी, मयूरहंड में हर बीमारी का सस्ता इलाज और पुलिसकर्मियों को दे रहे हैं निशुल्क सेवा

नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड, चतरा। मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई पहचान बना रहे हैं डॉ. अरुण कुमार दांगी, जिन्हें स्थानीय लोग अपनी सेवा भावना और मानवीय दृष्टिकोण के कारण "गरीबों का मसीहा" कहकर सम्मान दे रहे हैं। अपनी सादगी और समर्पण से उन्होंने बहुत ही कम समय में क्षेत्र के आम नागरिकों के दिलों में खास जगह बना ली है। **हर वर्ग के लिए सुलभ इलाज की व्यवस्थाः**डॉ. अरुण कुमार दांगी के क्लिनिक में मयूरहंड और आसपास के दर्जनों गांवों से आने वाले मरीजों को बुखार, सर्दी-खांसी, पेट दर्द, शुगर, बीपी, हड्डी रोग, चर्म रोग और अन्य सामान्य से लेकर पुरानी बीमारियों तक का समुचित इलाज एक ही जगह पर उपलब्ध हो रहा है। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे मरीजों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए अनावश्यक महंगे टेस्ट और महंगी दवाएं लिखने के बजाय किफायती और असरदार इलाज पर जोर देते हैं। **पुलिस विभाग के जवानों के लिए निशुल्क सेवाः**डॉ. दांगी की सेवा भावना की सबसे बड़ी मिसाल यह है कि वे पुलिस विभाग में कार्यरत जवानों और अधिकारियों को पूरी तरह निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श और उपचार की सुविधा* उपलब्ध करा रहे हैं। उनका मानना है कि जो लोग दिन-रात हमारी सुरक्षा में लगे रहते हैं, समाज के रूप में उनकी सेवा करना हमारा कर्तव्य है। इसी सोच के साथ वे पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों का इलाज बिना किसी शुल्क के कर रहे हैं, जिसकी पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। **मानवीय दृष्टिकोण और साफ-सुथरा** क्लिनिक में आने वाले हर मरीज से डॉ. दांगी धैर्यपूर्वक बात करते हैं, बीमारी के कारणों को समझाते हैं और बचाव के उपाय भी बताते हैं। जरूरतमंद और गरीब मरीजों के लिए वे परामर्श शुल्क में छूट देने के साथ-साथ कई बार दवाइयों में भी मदद कर देते हैं। क्लिनिक में दवाओं की पूरी उपलब्धता और साफ-सफाई के कारण यह अब मयूरहंड क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा का एक विश्वसनीय केंद्र बन चुका है। **स्थानःकरमा सेवाल रोड मयूरहंड** स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने डॉ. अरुण कुमार दांगी के इस सराहनीय कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है और कहा है कि ऐसे डॉक्टर ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य क्रांति ला सकते हैं।

कारगिल विजय दिवस पर रोशन होंगे शहीद स्मारक और महापुरुषों के चौक

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।नगर निगम 26 जुलाई कारगिल विजय दिवस तक शहर के प्रमुख शहीद स्मारकों और महापुरुषों की प्रतिमाओं को आधुनिक लाइटों से जगमग करेगा। महापौर अरविंद कुमार राणा के अनुरोध पर 'जैगुआर ग्रुप' की टीम ने शहीद स्मारक, विवेकानंद चौक, सिद्धू-कान्हू चौक, सरदार पटेल चौक और नीलांबर-पीतांबर चौक का जायजा लिया। शहर के पार्कों की बेहतर देखरेख और मरम्मत के लिए महापौर ने पंजाब नेशनल बैंक को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। वीर शहीदों और महान विभूतियों के प्रति सम्मान व्यक्त करना तथा नागरिकों को स्वच्छ व सुंदर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना

BPSSC द्वारा आयोजित रेंज ऑफिसर भर्ती परीक्षा में अनिमेष कुमार का चयन

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली प्रखंड के छगराहा निवासी अनिमेष कुमार, पिता राज कुमार झा, का चयन बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग (BPSSC) द्वारा आयोजित रेंज ऑफिसर पद पर हुआ है। इस उल्लेखनीय सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। गाँव लौटने पर अनिमेष कुमार का ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों ने फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत कर उनकी उपलब्धि का सम्मान किया। इस अवसर पर गोपाल जी झा, वरुण कुमार झा, रामनाथ झा, दीनबंधु झा, मितेश झा, गणेश झा, शशि मिश्रा, सार्थक वत्स,राहुल कुमार झा, रजत झा, ऋषभ झा, अंकुश झा, मंजेश मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।ग्रामीणों ने कहा कि अनिमेष कुमार की सफलता पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उनकी मेहनत, लगन और समर्पण ने यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प के साथ किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उनकी इस उपलब्धि से छगराहा सहित पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ा है।

» छगराहा के अनिमेष कुमार ने बढ़ाया क्षेत्र का मान, ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

बिहार विधानमंडल बना छावनी, सभी गेट बंद, विधायक भी फंसे

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना में प्रदर्शनकारी छात्रों के बढ़ते आंदोलन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने बुधवार दोपहर बाद बिहार विधानमंडल की सुरक्षा बढ़ा दी है। छात्रों को विधानमंडल परिसर की ओर बढ़ने से रोकने के लिए विधानसभा और विधान परिषद के दोनों गेट बंद कर दिए गए हैं। पूरे विधानसभा परिसर के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रदर्शन को देखते हुए बिहार विधानमंडल परिसर पूरी तरह छावनी में तब्दील नजर आया। यहाँ तक कि सदन के भीतर मौजूद विधायकों को भी बाहर निकलने नहीं दिया गया क्योंकि बेली रोड पूरी तरह से आंदोलनकारियों के गिरफ्त में रहा। दरअसल, बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के बीच बुधवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के आह्वान पर बड़ी संख्या में छात्र पटना की सड़कों पर उतरे। पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे राजधानी के कई प्रमुख इलाकों तक फैल गया।प्रदर्शनकारी छात्रों ने गांधी मैदान से मार्च शुरू किया। पुलिस ने छात्रों को जेपी गोलंबर के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोकने की कोशिश की। हालांकि, छात्र आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। बैरिकेडिंग तोड़ने के प्रयास के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद आंसू गैस के गोले छोड़े गए और लाठीचार्ज भी किया गया। पुलिस कार्रवाई में कई छात्रों के घायल होने की सूचना है। पुलिस कार्रवाई के बावजूद छात्रों का आंदोलन थमा नहीं। प्रदर्शनकारी डाकबंगला चौराहा होते हुए सचिवालय के पास बेली रोड तक पहुंच गए। यहां छात्रों ने सड़क जाम कर दी, जिससे पटना की यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। कई प्रमुख सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। डाकबंगला चौराहे पर छात्रों को समझाने के लिए जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर सड़क खाली करने की अपील की, लेकिन छात्र अपनी मांगों पर अड़े रहे।छात्रों के आंदोलन के बिहार विधानमंडल के आसपास तक पहुंचने के बाद पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी। प्रदर्शनकारियों को विधानसभा और विधान परिषद की ओर बढ़ने से रोकने के लिए दोनों गेट बंद कर दिए गए।

विधानमंडल परिसर के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया और सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया।डाकबंगला चौराहे पर प्रदर्शन के दौरान वहां से गुजर रहे एक बीजेपी विधायक को भी छात्रों ने रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें आगे जाने नहीं दिया, जिसके बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान कुछ पत्रकारों के साथ भी धक्का-मुक्की और बदसलूकी का आरोप सामने आया है। बताया जा रहा है कि कुछ पत्रकारों की हूटिंग की गई, जबकि एक पत्रकार के सिर में चोट भी लगी। इस घटना के बाद मौके पर कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही।

सीमावर्ती युवाओं को नौकरी की राह दिखाएगा एसएसबी का भर्ती प्रशिक्षण शिविर

नई सोच एक्सप्रेस

» राजनगर की 18वीं वाहिनी की पहल, 50 युवाओं को शारीरिक व लिखित परीक्षा की दी जाएगी तैयारी

मधुबनी/बिहार।मधुबनी सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), सशस्त्र बलों एवं अन्य सरकारी सेवाओं की भर्ती के लिए तैयार करने के उद्देश्य से 18वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), राजनगर की ओर से 15 दिवसीय भर्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को शुभारंभ किया गया। नागरिक कल्याण कार्यक्रम 2026-27 के तहत सीमा चौकी झालौन के कार्यक्षेत्र स्थित सरकार भवन, लक्ष्मीनिया में आयोजित प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन कमांडिंग ऑफिसर कोजा राम लोमरोड़ के मार्गदर्शन में हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लौकहा, श्रीरामपुर, धुनकी, पिपराही, झालौन, लदनिया, मतनाजी, मरनिया, मोहलिया, लगदी सहित आसपास के सीमावर्ती गांवों के 50 युवाओं ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण 22 जुलाई से 7 अगस्त तक ग्राम विकास परिषद, मधुबनी के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा संचालित किया जाएगा। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी ओ. ओकेन्द्रो सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को भर्ती परीक्षाओं के लिए शारीरिक, मानसिक एवं लिखित रूप से सक्षम बनाना है। उन्होने प्रतिभागियों से अनुशासन, नियमित अभ्यास और सकारात्मक सोच के साथ प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने की अपील की। प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को दौड़, शारीरिक दक्षता, शारीरिक मापदंड, सामान्य ज्ञान, गणित, रीजनिंग तथा लिखित परीक्षा की तैयारी सहित भर्ती प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न विषयों का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में ग्राम विकास परिषद के षष्ठी नाथ झा, समाजसेवी प्रमोद कुमार झा एवं प्रशिक्षक दीपक कुमार ने भी युवाओं को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।स्थानीय जनप्रतिनिधियो एवं ग्रामीणो ने एसएसबी की इस पहल की सराहना करते हुए इसे सीमावर्ती युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम का संचालन सहायक उप निरीक्षक मंगलम कुमार झा ने किया।

संत कैरेंस हाई स्कूल को भी मिली बम से उड़ाने की धमकी, एक दिन बाद पुलिस को दी गई खबर

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। नगर के गोला रोड स्थित संत कैरेंस हाई स्कूल को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस मामले में स्कूल प्रशासन ने धमकी मिलने के एक दिन बाद पुलिस को इसकी सूचना दी। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां स्कूल परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और धमकी भरे ईमेल की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ईमेल भेजने वाले की पहचान और धमकी की सत्यता का पता लगाने में जुटी है। दानापुर के डीएसपी अजीत कुमार ने बताया कि ईमेल के माध्यम से धमकी दी। मंगलवार को जो अन्य स्कूलों को धमकी भरा ईमेल मिला था वह वहीं ईमेल है। बम जैसी संवेदनशील धमकी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करना अनिवार्य था। मगर स्कूल प्रशासन द्वारा सूचना देने में एक दिन की देरी से किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां ईमेल के स्रोत और उससे जुड़े सभी तकनीकी पहलुओं की गहन जांच कर रही हैं। सूचना मिलने के बाद छात्रों की छुट्टी कर स्कूल की विस्तृत जांच पड़ताल की गई है।

राम गोपाल की तारीफ और राष्ट्रीय पुरस्कार का आभार जताया यामी गौतम ने

अभिनेत्री यामी गौतम, जो इन दिनों अपनी फिल्म आर्टिकल 370 के लिए मिले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार के कारण सुर्खियों में हैं, ने हाल ही में अपने लंबे फिल्मी सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। यह टिप्पणी उन्होंने दिग्गज फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा के बधाई संदेश के जवाब में की। वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यामी की जीत की सराहना करते हुए उनकी कला की तारीफ की थी, जिसके बाद यामी ने दिल से आभार व्यक्त किया। यामी ने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी और उसी को अपने शुरुआती और सबसे महत्वपूर्ण गुरु के रूप में याद किया। उन्होंने लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद, सर।

आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी। यामी गौतम ने अपनी यात्रा की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी, जहाँ उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता को निखारा और धीरे-धीरे हिंदी सिनेमा में अपनी एक मजबूत पहचान बनाई। उनकी यह यात्रा दृढ़ता, लगन और प्रतिभा का एक शानदार उदाहरण है, जिसने उन्हें आज एक सफल और प्रशंसित अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। उनकी हालिया फिल्म आर्टिकल 370, जो 2024 में रिलीज हुई थी, एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर ज़बरदस्त सफलता हासिल की। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के उन्मूलन की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में यामी ने जूनी हक्सर नामक एक तेजतर्रार खुफिया अधिकारी का जटिल और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है, जिसके लिए उन्हें समीक्षकों और दर्शकों दोनों से भरपूर सराxहना मिली है। फिल्म में यामी के अलावा, प्रियमणि ने पीएमओ सचिव राजेश्वरी स्वामीनाथन की मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि अरुण गोविल ने प्रधानमंत्री और किरण करमाकर ने गृह मंत्री के किरदार में प्रभावी प्रदर्शन किया था। आदित्य सुहास जाम्भले द्वारा निर्देशित इस फिल्म की पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के लिए चलाए गए गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें राजनीतिक दांवपेच, मानवीय भावनाएं और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को बड़ी संवेदनशीलता से दर्शाया गया है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, आर्टिकल 370 ने ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी अपनी लोकप्रियता बरकरार रखी। इस फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता और यामी गौतम को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के सम्मान से नवाजा गया, जो उनके अब तक के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। यह पुरस्कार उनके अभिनय कौशल और अथक परिश्रम का प्रमाण है, जिसने उन्हें आज इस मुकाम तक पहुँचाया है।

मुन्ना भाई एमबीबीएस और गंगाजल जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद क्यों बॉलीवुड से दूर हुईं ग्रेसी सिंह

ग्रेसी सिंह का नाम उन अभिनेत्रियों में शामिल है, जिन्होंने बेहद कम समय में अपनी सादगी, सहज अभिनय और दमदार किरदारों के दम पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म लगान ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इस फिल्म में आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया और उनकी मासूम अदाकारी ने हर किसी का दिल जीत लिया। हालांकि, शानदार शुरुआत और कई सफल फिल्मों के बावजूद ग्रेसी सिंह धीरे-धीरे बॉलीवुड से दूर होती चली गईं। ग्रेसी सिंह ने अपने करियर की शुरुआत एक डांसर के रूप में की थी। वह द प्लैनेट्स डांस ग्रुप के साथ कई स्टेज शो और टूर का हिस्सा रहीं। इसके बाद उन्होंने 1997 में टीवी सीरियल अमानत से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। छोटे पर्दे पर पहचान बनाने के बाद उन्हें आशुतोष गोवारिकर की फिल्म लगान: वन्स अपॉन ए टाइम इन इंडिया में काम करने का मौका मिला। आमिर खान द्वारा निर्मित इस फिल्म में ग्रेसी ने गौरी का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। लगान न केवल बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई, बल्कि इसे ऑस्कर के बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में भी नामांकन मिला। यह सम्मान पाने वाली मदर इंडिया और सलाम बॉम्बे के बाद तीसरी भारतीय फिल्म बनी। इस सफलता के बाद ग्रेसी सिंह बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। इसके बाद उन्होंने मुन्ना भाई एमबीबीएस, गंगाजल और अरमान जैसी फिल्मों में काम किया। मुन्ना भाई एमबीबीएस और गंगाजल को बड़ी सफलता मिली, लेकिन अरमान बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। इसके बाद उनकी कई फिल्में, जैसे चंचल, देशद्रोही और देख भाई देख, लगातार फ्लॉप होती रहीं। इन असफलताओं का असर उनके करियर पर साफ दिखाई दिया और उन्हें बॉलीवुड में पहले जैसी पहचान नहीं मिल सकी। हिंदी फिल्मों में सफलता कम होने के बाद ग्रेसी सिंह ने तमिल, तेलुगु, मलयालम, गुजराती, पंजाबी और बंगाली फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, वहां भी उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। आखिरकार उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। ग्रेसी ने कई इंटरव्यू में कहा है कि अभिनय उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य कभी नहीं था और न ही उन्हें सुपरस्टार बनने की कोई विशेष इच्छा थी। साल 2015 में उन्होंने टीवी शो संतोषी मां से छोटे पर्दे पर वापसी की। इस धारावाहिक में देवी संतोषी मां के रूप में उनके अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया और नई पीढ़ी के बीच भी उन्हें पहचान मिली। समय के साथ ग्रेसी सिंह आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज से गहराई से जुड़ गईं। वह अक्सर आध्यात्मिक जीवन, आत्मसंतोष और प्रसिद्धि से परे सच्ची खुशी की बात करती हैं। ग्रेसी सिंह अभी भी अविवाहित हैं और फिल्मों की चकाचौंध से दूर एक शांत, संतुलित और आध्यात्मिक जीवन जी रही हैं। उनकी कहानी इस बात का उदाहरण है कि सफलता केवल शोहरत में नहीं, बल्कि अपने मन की शांति और संतुष्टि में भी छिपी होती है।

उर्वशी रौतेला की टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात

विंबलडन में जमी बॉलीवुड-हॉलीवुड की जुगलबंदी

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हाल ही में विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल में हॉलीवुड स्टार टॉम हिडलेस्टन से मुलाकात की। अभिनेत्री ने इस मुलाकात का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने और हॉलीवुड स्टार ने सिनेमा के बारे में काफी दिलचस्प बातें कीं। अभिनेत्री ने बताया, विंबलडन 2026 मेन्स फाइनल में जाना मेरे लिए एक यादगार अनुभवों में से एक था। इटैलियन टेनिस प्लेयर जैनिक सिनर और जर्मन टेनिस प्लेयर अलेक्जेंडर जेवरेव को सबसे ऊंचे लेवल पर मुकाबला करते देखना सच में प्रेरणा देने वाला था। अभिनेत्री ने दोनों खिलाड़ियों के बारे में बात करते हुए बताया, उनके जुनून, अनुशासन और खेल भावना ने सभी को याद दिलाया कि विंबलडन टेनिस का शिखर क्यों बना हुआ है। जैनिक को शानदार जीत और अलेक्जेंडर को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई।

अभिनेत्री ने बातचीत में जोड़ा कि टॉम हिडलेस्टन से मिलकर यह दिन और भी यादगार बन गया। उन्होंने कहा, हमने पारंपरिक विंबलडन स्ट्रॉबेरी और क्रीम का मजा लेते हुए सिनेमा के बारे में बहुत अच्छी बातचीत की। मैंने हमेशा उनके काम की तारीफ की है, खासकर लोकी का उनका किरदार और उन्हें कैरेक्टर के विकास, उनके क्रिएटिव प्रोसेस और हर रोल के प्रति उनके डेडिकेशन के बारे में बोलते हुए सुनना बहुत दिलचस्प था। अभिनेत्री ने बताया, हमने मार्वल के अलावा उनके कुछ बेहतरीन कामों पर भी बात की, जिसमें द नाइट मैनेजर, क्रिमसन पीक, और उनके मशहूर थिएटर परफॉर्मेंस शामिल हैं। उनकी विनम्रता, समझदारी, और कहानी कहने के जुनून ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी। यह लंदन की एक खूबसूरत दोपहर थी जिसमें एक ही जगह पर खेल, सिनेमा, और कल्चर का जश्न मनाया गया। विंबलडन सच में एक टाइमलेस अनुभव है, और यह एक ऐसा दिन है, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। अभिनेत्री हाल ही में बहुप्रतीक्षित एक्शन-कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आईं थी। यह वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है, जो अपने शानदार निर्देशन और स्टार-स्टड कास्ट के लिए जानी जाती है।

मनीषा लांबा की यादों में यहां

: शूजीत सरकार की रोमांटिक वॉर ड्रामा के 21 साल पूरे

अभिनेत्री मनीषा लांबा और जिम्मी शेरगिल अभिनीत भावुक फिल्म यहां ने अपनी रिलीज के 21 साल पूरे कर लिए हैं, जिसने सिनेमा प्रेमियों और इसके कलाकारों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। इस अवसर पर, अभिनेत्री मनीषा लांबा ने फिल्म से जुड़ी अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए सोशल मीडिया पर एक मार्मिक पोस्ट साझा किया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा एक क्लिप साझा किया, जिसमें उन्होंने न केवल अपने सह-कलाकार जिम्मी शेरगिल की शानदार उपस्थिति की तारीफ की, बल्कि निर्देशक शूजीत सरकार का भी दिल से आभार व्यक्त किया। मनीषा ने लिखा, शूजीत सरकार की फिल्म यहां ने अपनी रिलीज के 21 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म में मुझे अदा का किरदार निभाने का मौका देने और मेरी जिंदगी की दिशा बदलने के लिए आपका धन्यवाद। इस फिल्म का हर सीन उन खूबसूरत यादों से भरा हुआ है, जो हमारी पहली फिल्म से जुड़ी हैं। जिम्मी शेरगिल कितने शानदार और आकर्षक लग रहे हैं।

साल 2005 में रिलीज हुई यहां अभिनेत्री मनीषा लांबा के करियर की एक महत्वपूर्ण और यादगार फिल्म थी, जिसने उन्हें एक संवेदनशील अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। फिल्म में मनीषा ने अदा नामक एक युवा कश्मीरी मुस्लिम लड़की का मुख्य किरदार निभाया था, जिसे भारतीय सेना के एक अधिकारी से प्यार हो जाता है। अदा का यह किरदार, जो प्यार और वफादारी के बीच फंसी हुई थी, मनीषा ने इतनी संवेदनशीलता और गहराई से निभाया कि उन्हें दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिली। उनका प्रदर्शन आज भी फिल्म के सबसे मजबूत पहलुओं में से एक माना जाता है।

शूजीत सरकार द्वारा निर्देशित यह फिल्म कश्मीर घाटी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक मार्मिक रोमांटिक वॉर ड्रामा थी, जिसने आतंकवाद और सेना के बीच फंसे एक जोड़े के प्रेम और संघर्ष को बहुत ही बारीकी और संवेदनशीलता के साथ बड़े पर्दे पर उतारा था। फिल्म एक भारतीय सेना के अधिकारी और एक स्थानीय कश्मीरी लड़की के बीच पनपे प्रेम, और फिर समाज, परिवार व युद्ध की परिस्थितियों से उत्पन्न होने वाले दबावों और संघर्षों को दर्शाती है। यह फिल्म इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे प्रेम, शत्रुता और हिंसा के माहौल में भी अपनी राह खोज लेता है, लेकिन अक्सर उसकी कीमत बहुत भारी होती है। फिल्म की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए, इसे कश्मीर के वास्तविक और भीतरी इलाकों में शूट किया गया था।

निक जोनस ने प्रियंका चोपड़ा को प्रपोज करने की थ्रोबैक फोटो की शेयर,

लिखा-8 साल पहले उसने कहा था हां

सिंगर-अभिनेता निक जोनस ने अपनी पत्नी प्रियंका चोपड़ा जोनस को प्रपोज करने के आठ साल पूरे होने के मौके पर पुरानी यादें ताजा कीं। निक ने रविवार रात अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रपोजल नाइट की एक थ्रोबैक सेल्फी साझा की है। तस्वीर में निक कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि प्रियंका अपने चेहरे का कुछ हिस्सा हाथ से छिपाते हुए अपनी चमकदार सगाई की अंगूठी फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर के साथ निक ने कैप्शन में लिखा, 8 सालों पहले उसने हाँ कहा था, साथ में रिंग का इमोजी भी लगाया। निक की इस पोस्ट को रीशेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा, मुझे बहुत खुशी है कि आपने यह पूछा गौरतलब है कि निक जोनस ने 19 जुलाई 2018 को प्रियंका चोपड़ा को प्रपोज किया था। इसके लिए उन्होंने लंदन में टिफ़नी एंड कंपनी का पूरा स्टोर बंद कराकर उनके लिए परफेक्ट इंगेजमेंट रिंग चुनी थी। इसके बाद, दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया और दिसंबर 2018 में जोधपुर में कई दिनों तक चले भव्य समारोह में शादी रचाई। उनकी शादी ईसाई और हिंदू रीति-रिवाजों से संपन्न हुई थी। जनवरी 2022 में प्रियंका और निक ने सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस का स्वागत किया। हाल ही में प्रियंका द जोनस ब्रदर्स पॉडकास्ट में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने अपने रिश्ते को लेकर कई प्यारी बातें साझा कीं। प्रियंका ने बताया कि जब निक उनके साथ होते हैं तो वह पूरी तरह बेफिक्र हो जाती हैं और खुशी-खुशी उन्हें सारी जिम्मेदारी संभालने देती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वह निक को प्यार से बाबू कहकर बुलाती हैं और उन्हें अपना सेफ स्पेस मानती हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका एस.एस. राजामौली की फिल्म वाराणसी की रिलीज की तैयारी में हैं।

टी-20 में जीत की राह पर लौटने उतरेगा भारत, जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अय्यर की अग्निपरीक्षा

एजेंसी, हरारे । लगातार टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम गुरुवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज में जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने के इरादे से मैदान में उतरेगी। कप्तान श्रेयस अय्यर अपनी कप्तानी में पहली सीरीज जीत दर्ज करने की कोशिश करेंगे, जबकि युवा भारतीय टीम के सामने हालिया असफलताओं को पीछे छोड़ने की चुनौती होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत ने शुरुआती सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में छह मैच गंवाए हैं। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद जिम्बाब्वे दौरा टीम के लिए आत्मविश्वास हासिल करने का सुनहरा मौका है। हालांकि भारत इस सीरीज में प्रबल दावेदार माना जा रहा है, लेकिन हार टीम के ड्रेसिंग रूम पर बड़ा असर डाल सकती है। इस दौरे पर मुख्य कोच गौतम गंभीर की जगह वीवीएस लक्ष्मण टीम की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में टीम संयोजन और रणनीति पर भी सभी की नजरें रहेंगी।

वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी निगाहें

युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके साथ अभिषेक शर्मा पारी की शुरुआत करेंगे, जबकि संजू सैमसन इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं हैं। हरारे स्पोर्ट्स क्लब का मैदान अभिषेक और वैभव दोनों के लिए खास रहा है। अभिषेक ने यहीं टी-20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और दूसरे ही मैच में शतक जड़ा था। वैभव ने इसी मैदान पर इस साल अंडर-19 विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार शतक लगाया था।

गेंदबाजी और मध्यक्रम सबसे बड़ी चुनौती

हरारे की पिच पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त उछाल और मदद मिलने की संभावना है। ऐसे में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगरावा भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मध्यक्रम में उपकप्तान तिलक वर्मा की बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी चर्चा है। उन्हें नंबर-5 पर सफलता नहीं मिली है, जबकि ईशान किशन नंबर-3 की भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में रिंकू सिंह भी मध्यक्रम में मजबूत विकल्प माने जा रहे हैं। ऑलराउंडर संयोजन में हर्ष दुबे, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे में से दो खिलाड़ियों का चयन करना टीम प्रबंधन के लिए आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाजी आक्रमण में मयंक यादव, प्रिंस यादव, अशोक शर्मा और यश ठाकुर में से अंतिम संयोजन पर भी नजर रहेगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अशोक शर्मा, रवि बिश्नोई, प्रभसिमरन सिंह, रिंकू सिंह।

जिम्बाब्वेः सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रियान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगरावा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, तफाद्जवा त्सिगा।

दिलीप ट्रॉफी अगले माह शुरु होगी, रुतुराज करेंगे वेस्ट जोन की कप्तानी

एजेंसी, मुम्बई। बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ अगले माह शुरु होने वाले घरेलू टूर्नामेंट दिलीप ट्रॉफी में वेस्ट जोन की कप्तानी करेंगे। वहीं बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर शम्स मुलानी टीम के उप-कप्तान होंगे। दिलीप ट्राफी मुकाबले 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) मैदान पर खेले जाएंगे। इसमे देश भर के उभरते हुए क्रिकेटर खेलते नजर आयेंगे। पिछले साल वेस्ट जोन की कप्तानी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने की थी और टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। हालांकि, सेंट्रल जोन से पहली पारी की बढ़त के कारण वे फाइनल में जगह नहीं बना पाए थे। इस बार कप्तानी कर रहे रुतुराज का लक्ष्य टीम को जीत दिलाना रहेगा। गायकवाड़ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रहे हैं। वह भारत ए टीम के भी कप्तान रहे हैं। उनकी कप्तानी के अनुभव से वेस्ट जोन को लाभ होगा। टीम में गायकवाड़ के अलावा, विस्फोटक सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ, के अलावा सरफरार खान और उनके भाई मुशीर भी शामिल हैं। इसके अलावा टीम में जयमीत पटेल और शिवालिक शर्मा को भी रखा गया है। वहीं गेंदबाजी विभाग की कमान मुलानी के पास रहेगी। जिन्हें ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियन और बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ देसाई का साथ मिलेगा। तेज गेंदबाज के तौर पर अनुभवी शार्दुल ठाकुर के अलावा तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी और ऑलराउंडर अतीत सेठ भी शामिल हैं।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट के लिए नीयमों में किया बदलाव

एजेंसी, मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेल क्रिकेट के नीयमों में बदलाव की घोषणा कही है। बोर्ड ने आगामी 2026-27 घरेलू क्रिकेट सीज़न के लिए खेल के नियमों में ये बदलाव इसे और बेहतर बनाने के लिए किये हैं। इसमें सबसे प्रमुख बदलाव ये है कि अगर कोई गेंदबाज जानबूझकर फ्रंट-फुट पर नो-बॉल या नॉन-लैंडिंग गेंद करता है, तो उसे केवल उस पारी से नहीं, बल्कि पूरे मैच से निलंबित कर दिया जाएगा। ये बदलाव खेल की अखंडता और रणनीतिक दुरुपयोग को रोकने के लिए किये गये है। ये बदलाव मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की सिफारिशों को देखते हुए किया गया है। वहीं अब तक दोषी गेंदबाज को केवल उस पारी में गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं होती थी। हालांकि, अब मैदानी अंपायर यदि यह निर्धारित करते हैं कि किसी गेंदबाज ने जानबूझकर फ्रंट-फुट नो-बॉल या नॉन-लैंडिंग गेंदबाज की है, तो उसे उस पूरे मैच में गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। यह कदम खेल में अनुचित लाभ उठाने के प्रयासों को रोकने के लिए उठाया गया है। वहीं दिन के खेल के समाप्त होने से जुड़े नियम में भी बदलाव किया गया है। अब से, यदि दिन के आखिरी ओवर के दौरान कोई विकेट गिरता है, तो खेल वहीं समाप्त नहीं होगा।

भारत के उभरते ट्रिपल जंपर सेल्वा राष्ट्रमंडल खेलों में पदर्पण को लेकर हैं उत्साहित

एजेंसी, ग्लासगो । स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 23 जुलाई से शुरु होने जा रहे राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के उभरते हुए ट्रिपल जंपर सेल्वा प्रभु पदार्पण के लिए पूरी तरह तैयार होने के साथ ही उत्साहित भी हैं। सेल्वा ने पिछले कुल समय में अच्छे प्रदर्शन से अपने को साबित किया है। इसी कारण उन्हें भारतीय दल में जगह मिली है। सेल्वा भी अपने करियर के सबसे बड़े मंचों में से एक पर देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर उत्साहित है। सेल्वा ने कहा कि उन्हें इसी दिन का इंतजार है जब वह भारतीय जर्सी पहनेंगे। उनका लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, और दुनिया के बेहतरीन एथलीटों का मुकाबला करना है। सेल्वा के अनुसार अमेरिका में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी एनसीएए सर्किट में बिताए गए पिछले कुछ साल का अनुभव उनके लिए यहां लाभदायक रहेगा। उन्होंने कहा कि एनसीएए में मुकाबला करने से उन्हें हर पहलू में आगे बढ़ने में मदद मिली है। वहां प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊंचा है, जिसने उन्हें तकनीकी, शारीरिक और मानसिक रूप से बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। सर्वश्रेष्ठ कोचों के साथ प्रशिक्षण और हर हफ्ते विश्व स्तरीय एथलीटों के खिलाफ मुकाबला करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए वह उत्मविश्वास से भरे हुए हैं। सेल्वा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता पर सबसे अधिक ध्यान दिया गया है। उनका मुख्य लक्ष्य अपनी गति, लय और तकनीक को बेहतर बनाने पर रहा है।

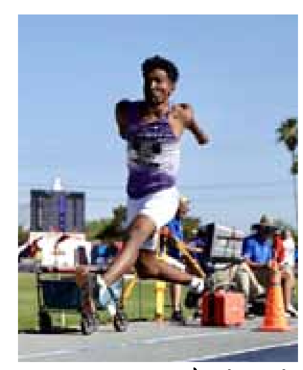

बिजनेस

अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो महीने के टॉप लेवल पर क्रूड ऑयल, ब्रेंट क्रूड 92.63 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव खाड़ी देशों से कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। अमेरिका और ईरान के बीच जंग और तेज होने की आशंका के बीच ब्रेंट क्रूड आज दो महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया। आज ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 92 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर लिया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज एक बार फिर 85 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने आज 0.45 डॉलर प्रति बैरल की मामूली उछाल के साथ 91.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद इसकी कीमत उछल कर 92.63 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले दो महीने के दौरान ब्रेंट क्रूड का ये सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि दिन के कारोबार में इसकी कीमत में मामूली गिरावट भी आई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 11:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 1.34 डॉलर प्रति बैरल यानी 1.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 92.25 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज सिर्फ 0.15 डॉलर प्रति बैरल की सामान्य बढ़त के साथ 84.59 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर बाद ही डब्ल्यूटीआई क्रूड उछल कर 85.75 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसकी कीमत में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 11:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.23 डॉलर प्रति बैरल यानी 1.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 85.57 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आपको बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर खत्म होने और पश्चिम एशिया में युद्ध तेज हो जाने की वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर एक महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के ऊपर चला गया था। इसके बाद ती दिन तक सुस्ती का माहौल बना रहा, लेकिन पिछले चार ट्रेडिंग सेशन से कच्चे तेल की कीमत में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है, जिसकी वजह से आज इसने पिछले दो महीने के सबसे ऊंचे स्तर को पार कर लिया है।

जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव की वजह से एक बार फिर कच्चे तेल की सप्लाई पर संकट बढ़ाने की आशंका बन गई है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच जंग लगातार तेज हो रही है। दोनों पक्षों की ओर से लगातार हमले हो रहे हैं। इस बीच ईरान की ओर हूती विद्रोहियों ने भी मोर्चा संभालने का ऐलान कर दिया है। हूती विद्रोहियों ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका की ओर हो रहे हमले नहीं रुके तो वे रेड सी और बाब अल मंडेब जलडमरूमध्य के रास्ते जहाजों की होने वाली आवाजाही को ठप कर देंगे। हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर मैरीटाइम बैन भी लगा दिया है और शिप ओनर्स को सऊदी के बंदरगाहों पर नहीं आने की धमकी भी दी है।

अबतक 3 करोड़ से ज्यादा करदाताओं ने दाखिल किया रिटर्न

एजेंसी, नई दिल्ली

आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अब तक तीन करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल किए जा चुके हैं, जिनमें से अकेले 21 जुलाई को 15 लाख से ज्यादा रिटर्न दाखिल किए गए हैं। आयकर विभाग ने बुधवार को बताया कि आकलन वर्ष 2026-27 के लिए पहले ही 3 करोड़ से ज्यादा आईटीआर फाइल किए जा चुके हैं, जबकि अकेले मंगलवार, 21 जुलाई को ही 15 लाख से ज्यादा आईटीआर फाइल किए गए हैं।

डेडलाइन के समय होने वाली भीड़-भाड़ का इंतजार न करें। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए अपना आईटीआर-1 और आईटीआर-2, 31 जुलाई 2026 से पहले http://incometax.gov.in पर फाइल करें। उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई की डेडलाइन उन लोगों के लिए है, जिन्हें आईटीआर-1 और आईटीआर-2 फाइल करना है। आमतौर पर अगर आपकी सालाना आय इनकम टैक्स छूट की सीमा से ज्यादा है, तो आईटीआर फाइल करना जरूरी है।

नेस्ले इंडिया को पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 958.68 करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

दैनिक उपभोग की वस्तुएं बनाने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया ने वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के अपने नतीजे का ऐलान कर दिया है। नेस्ले इंडिया का अप्रैल-जून में एकीकृत शुद्ध लाभ (मुनाफा) 48.26 फीसदी बढ़कर 958.68 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 646.59 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उत्पादों की बिक्री से नेस्ले इंडिया का राजस्व 25.4 फीसदी बढ़कर 6,363.27 करोड़ रुपये पर पहुचं गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 5073.96 करोड़ रुपये था। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मनीष तिवारी ने कहा, ''हमने मात्रा वृद्धि के दम पर बिक्री में 25.4 फीसदी वृद्धि के साथ मजबूत तिमाही प्रदर्शन किया। बिक्री 6,363.3 करोड़ रुपये रही, जिसे हमारे ब्रांडों पर उपभोक्ताओं के निरंतर भरोसे और प्रभावी क्रियान्वयन का समर्थन मिला। वहीं, भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद निर्यात में 35.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।'' इसी तरह वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में नेस्ले इंडिया की कुल आय 25.5 फीसदी बढ़कर 6,400.65 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 5,100.33 करोड़ रुपये थी। कंपनी का कुल खर्च 20.71 फीसदी बढ़कर 5,070.03 करोड़ रुपये रहा। अप्रैल-जून तिमाही में घरेलू बिक्री 25 फीसदी बढ़कर 6,073.05 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 4,860.01 करोड़ रुपये थी। वहीं, कंपनी का निर्यात राजस्व 35.64 फीसदी बढ़कर 290.22 करोड़ रुपये हो गया। तिवारी ने कहा कि पहली तिमाही के दौरान कंपनी ने परिचालन लागत में बचत के प्रयासों को और तेज करने के साथ अपने ब्रांडों में निवेश बढ़ाना जारी रखा। इसके अलावा विज्ञापन पर खर्च में 40 फीसदी से अधिक की वृद्धि की गई और कंपनी का कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) मार्जिन 24.2 फीसदी रहा। नेस्ले इंडिया दैनिक उपभोग (एफएमसीजी) की एक प्रमुख कंपनी है। इस कंपनी का मुख्यालय गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है। इसकी शुरुआत 1912 में हुई थी। ये मैगी, नेस्कैफे, किटकैट और सेरेलैक जैसे लोकप्रिय ब्रांड्स बनाती है। कंपनी के भारत में कुल 9 निर्माण संयंत्र हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला श्री बालाजी माला टेक्सटाइल का आईपीओ, 29 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

माला साड़ी ब्रांड की साड़ियों की निर्माता कंपनी श्री बालाजी (माला) टेक्सटाइल लिमिटेड का 18.90 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 27 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 28 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे।

कंपनी के शेयर 29 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12:30 बजे तक ये आईपीओ 1.30 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 66 रुपये से लेकर 70 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,80,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 27 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.19 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.33 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.44 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 700 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में आज 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,230 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में प्रति किलोग्राम 200 रुपये की गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

क्यूब हाइवेज ट्रस्ट का आईपीओ लॉन्च, 3 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए काम करने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट क्यूब हाइवेज ट्रस्ट इन्विट का 5,000 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 29 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 30 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर एक बजे तक ये आईपीओ सिर्फ दो प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 151 रुपये से लेकर 152 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 95 शेयर का है।

आईपीओ के तहत कुल 32,89,47,368 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) को अधिकतम 75 प्रतिशत शेयर अलॉट किए जाएंगे, जबकि नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) को न्यूनतम 25 प्रतिशत शेयर दिए जाएंगे। इस इश्यू के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।